मास्क भी वैक्सीन 2022 happy new year मास्क मेरे साथ

भारत सरकार एवं राजस्थान सरकार से सरकारी विज्ञापनों के लिए स्वीकृत

जागरूक जनता

विश्वसनीय साप्ताहिक हिन्दी अखबार

राजस्थान, गुजरात, हरियाणा, उत्तर प्रदेश में प्रसारित

jagrukjanta.net
/jagrukjanta
/jagrukjantanews
jagruk_janta

पौष, पक्ष - कृष्ण, तिथि - दशमी, संवत 2078 पृष्ठ : 8 जयपुर, बुधवार वर्ष-7, अंक-44, 29 दिसम्बर 2021 - 4 जनवरी, 2022 मूल्य ₹ 5/- वार्षिक मूल्य : ₹ 250/-

परिस्थिति का फायदा उठाना भी कोई नैतिकता है!

सटीक

शिव दयाल मिश्रा
@jagrukjanta.net

पिछले कोई पौने दो वर्षों से पूरा विश्व कोरोना की मार झेल रहा है। इस कोरोना की मार में कई लोग और देश बर्बाद हो चुके हैं। कितने ही परिवार उजड़ गए हैं। किसी का भाई, किसी का बेटा, किसी का पति, किसी की पत्नी, किसी की पुत्र, किसी का पुत्री कोरोना की भेंट चढ़ चुकी हैं। ऐसी परिस्थिति में कईयों की जिंदगी बेसहारा हो चुकी है। बेसहारा हुए प्राणी अपना सहारा तलाश रहे हैं, प्रकृति की मार को सहते हुए किसी तरह वापस जीवन को पटरी पर लाने की कोशिश कर रहे हैं। मगर एक तबका है जो किसी भी तरह परिस्थिति के मारे हुए लोगों के बारे में नहीं सोचता। कहने को तो बहुत सी बातें हैं। मगर इस लेख के माध्यम से सिर्फ विवाह स्थलों के बारे में थोड़ी चर्चा करें तो हम पाएंगे कि कुछ अपवाद स्वरूप सामाजिक संस्थाओं और व्यक्तिगत स्तर पर कुछ लोगों परिस्थितियों को समझते हुए शुल्क नहीं बढ़ाया है। वरना अधिकांश ऐसे विवाह स्थलों ने शुल्क में बढ़ोतरी कर दी है। अगर ऐसे विवाह स्थल वाले लोगों के दिल में थोड़ा भी दर्द होता तो ये सोचते कि लोगों ने कोरोना की मार झेली है। बेरोजगार हो गए हैं। बच्चों की पढ़ाई डगमगाई हुई है। किराए से रहने वाले लोग किराया नहीं चुका पा रहे हैं। रोजमर्रा के खर्चे चलाना भी दुश्वार हो रहा है। ऐसे में जिन लोगों को अपने विवाह योग्य युवक-युवतियों के विवाह करने हैं उन्हें एक तरफ तो महंगाई दूसरी तरफ ये मुंहफाड़े विवाह स्थलों के बढ़े हुए किराए को सुनकर दिमाग सन्न हो जाता है। लाख पचास हजार की छोड़ो, कई लाखों तक किराया कर दिया है। क्या ये लोग ऐसा नहीं कर सकते कि ये जो किराया बढ़ाया है उसे कुछ समय तक स्थगित रखते। कुछ तो जातिगत संस्थाओं के सामुदायिक केन्द्र हैं जिन्हें सरकार से सामाजिक कार्यों के लिए सरकार से सस्ती दरों पर जमीन लेकर बनाया गया है। ऐसी संस्थाओं ने भी अप्रत्याशित किराया बढ़ा दिया है। ये पूरी तरह व्यावसायिक हो गए हैं। सामाजिक संस्थाओं को चाहिए कि जब जीवन पटरी पर आ जाए तब तक तो ऐसे शुल्क में कमी करनी चाहिए थी। मगर किया इसका उल्टा जो सोचनीय बात है।

shivdayalmishra@gmail.com

कांग्रेस छोड़ने वालों पर राहुल गांधी का तंज, बोले...

घर से कौन भागता है , हम गुस्सा हो सकते हैं, लेकिन भाग तो नहीं सकते

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी ने मौजूदा दौर में पार्टी छोड़ने वालों पर तंज कसा है। जयपुर में कांग्रेस के ट्रेनिंग सेशन में वीसी से जुड़े राहुल गांधी ने पीएम मोदी और बीजेपी-आरएसस पर फिर से जुबानी हमला बोला है। उन्होंने कहा- हमारी लक्ष्मण रेखा सत्य है, जहां हमें सत्य दिखेगा, वहां हम रहेंगे। सवाल यह उठता है कि ऐसे वक्त में घर से भागता कौन है? हम गुस्सा हो सकते हैं, लेकिन घर से भाग नहीं सकते। हम नफरत और डर को निकाल देंगे। आज समाज में नफरत, डर फैलाया जा रहा है। सच्चाई को दबाया जा रहा है। राहुल का तंज हाल ही में पार्टी छोड़ने वाले कैप्टन अमरिंदर सिंह सहित कई अन्य नेताओं के संदर्भ में माना जा रहा है।

सच्चाई से केंद्र सरकार का कोई लेना-देना नहीं

बीजेपी और केंद्र सरकार का सच्चाई से कुछ लेना देना नहीं है। चाइना ने हमारी जमीन पर कब्जा कर लिया और प्रधानमंत्री चुप हैं। कोई जिम्मेदारी लेने को तैयार नहीं है। मनमोहन सिंह प्रधानमंत्री होते और चाइना अगर जमीन पर कब्जा कर लेता तो मैं गारंटी से कह रहा हूं, उसी दिन मनमोहन सिंह इस्तीफा दे देते। मौजूदा पीएम में ऐसा नैतिक साहस नहीं है।

मोदी पर जुबानी हमला

राहुल गांधी ने कहा- नरेंद्र मोदी और आरएसएस के लोग सच्चाई का सामना नहीं कर सकते। नरेंद्र मोदी ने पूरे हिंदुस्तान में नफरत फैलाई है। पीएम ने नोटबंदी, जीएसटी जैसे गलत कदम उठाए। उससे देश के लोगों को भारी नुकसान हुआ है। हमारी जिम्मेदारी नफरत से लड़ना और देश को सच्चाई बताना है। कृषि कानूनों की सच्चाई देश को बतानी है। सभी कार्यकर्ताओं की हर लेवल पर ट्रेनिंग होनी चाहिए ताकि वे?वैचारिक रूप से मजबूत बनें।

हिंदू धर्म और इस्लाम सत्य को ढूंढने के रास्ते

राहुल गांधी ने 12 दिसंबर को जयपुर में कांग्रेस की रैली में हिंदू बनाम हिंदुत्व का बयान देकर नई बहस शुरू की थी। आज फिर राहुल गांधी ने उसी लाइन को आगे बढ़ाया। राहुल ने कहा- जिसे हम हिंदू धर्म कहते हैं या जिसे मुसलमान इस्लाम कहते हैं, ये सत्य को ढूंढने के रास्ते हैं। हिंदुत्ववादियों के लिए धर्म सत्य का रास्ता नहीं है। वे धर्म को राजनीतिक हथियार में बदल देते हैं। जब हम धर्म को राजनीति हथियार में बदल देते हैं, तो उसका अपमान करते हैं। हम धर्म का उपयोग सत्य की राह पर चलने के लिए करते हैं। यह समझना जरूरी है।

कांग्रेस स्थापना दिवस पर बोले गहलोत...

कांग्रेस मुक्त भारत की बात करने वाले खुद मुक्त हो जाएंगे

राहुल गांधी ने हिंदू को लेकर जो कहा वो सच

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। हिंदू और हिंदुत्व के नाम पर राहुल गांधी के बहस छेड़ने के बाद अब कांग्रेस नेता लगातार बयानबाजी कर रहे हैं। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने हिंदू और हिंदुत्व को लेकर बीजेपी पर निशाना साधा है। धर्म के नाम पर बंटवारा करने की कोशिश करने वालों की पोल खुलती जा रही है। राहुल गांधी ने हिंदू और हिंदुत्व की बहस छेड़ी है, उसका मर्म समझने की आवश्यकता है। उनका मर्म यही था कि एक तरफ तो हिंदू है जिसके महान संस्कार, संस्कृति, परंपराएं सदियों से हैं। जिसके भाव प्रेम,भाईचारे और मोहब्बत का है। जो ताकतें हिंदुत्व के नाम पर राजनीति कर रही हैं, उनका हिंदू बनना भी स्यूडो है, नकली है। गहलोत ने कहा-जिस प्रकार से अभी हरिद्वार और रायपुर में साधु-संतों ने जो भाषा काम में ली है वह शर्मनाक भाषा है। साधु-संतों का हम सब सम्मान करते हैं, उनका भगवा वस्त्र अपने आपमें त्याग का, संस्कार का संदेश देता है। उन साधु-संतों में से कुछ लोगों ने जो कुछ वाणी निकाली है, वो शर्मनाक थी, निंदनीय थी, जितनी निंदा करें, उतनी कम है। आप समझ सकते हैं कि देश बड़े अजीब दौर से गुजर रहा है।

हिंदू वर्सेज हिंदुत्व को समझने की आवश्यकता

सीएम गहलोत ने राहुल गांधी के हिंदू और हिंदुत्ववादी के बयानों को सामने रखते हुए कहा कि अभी राहुल गांधी जी ने जो बहस छेड़ी है हिंदू वर्सेज हिंदुत्व की, उस मर्म को समझने की आवश्यकता है। एक तरफ तो हिंदू है, जिसके महान संस्कार-संस्कृति-परंपराएं सदियों से हैं, जिसके भाव ऐसे हैं कि प्रेम का, भाईचारे का, मोहब्बत का है और वो ताकतें जो हिंदुत्व के नाम पर राजनीति कर रही हैं, उनका हिंदू बनना भी स्यूडो है. जिस प्रकार से अभी साधु-संतों ने जो भाषा काम में ली है हरिद्वार में और रायपुर के अंदर, वो शर्मनाक भाषा है।

बलिदान कोई भूल नहीं सकता

सीएम अशोक गहलोत ने कहा-कांग्रेस का त्याग-कुर्बानी- बलिदान कोई भूल नहीं सकता। चाहे कितनी ताकतें कितना ही जोर लगा लें, कांग्रेस मुक्त भारत की बात कर लें, ऐसी बात करने वाले खुद मुक्त हो जाएंगे। कांग्रेस तो हर घर में, देश के हर दिल के अंदर है। सबको मालूम है कि जो आजादी की जंग लड़ी गई थी, उसमें कितने लोग शहीद हुए थे, कितने लोग फांसी के फंदे पर चढ़े थे, कितने लोगों ने लाठियां-गोलियां खाईं और कितने लोग जेलों में बंद रहे। उसकी बदौलत अंग्रेजों को यहां से जाना पड़ा।

जयपुर में कोरोना का बड़ा विस्फोट

6 महीने बाद सबसे ज्यादा 75 केस मिले

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। राजस्थान में कोरोना केस तेजी से बढ़ने लगे हैं। जयपुर भी कोरोना का बड़ा हॉटस्पॉट बन गया है। यहां पिछले 24 घंटे के अंदर 75 नए केस मिले हैं, जो 11 जून के बाद अब तक मिले केसों में सबसे ज्यादा है। इन 75 केसों में 8 मरीज घाटगेट स्थित सेंट्रल जेल में मिले हैं। वहीं, अजमेर रोड स्थित एक परिवार के एक साथ 5 सदस्य पॉजिटिव मिले हैं। जयपुर में पिछले 7 दिन की रिपोर्ट देखे तो 233 मरीज मिले है। जयपुर सीएमएचओ की रिपोर्ट के मुताबिक 11 जून को 115 केस मिले थे, जिसके बाद आज सबसे ज्यादा केस हैं।

5 मरीजों की तलाश जारी : राज्य में आज 75 में से 5 लोग ऐसे है जिनका एड्रेस प्रशासन को नहीं मिला है। जांच करवाते समय जब उन लोगों ने अपना एड्रेस और फोन नंबर जो लिखवाया था वह गलत बताया जा रहा है। इन लोगों के नहीं मिलने से अब प्रशासन की टेंशन और बढ़ गई।

jagrukjanta.net

जागरूक सिटी

जागरुक जनता • जयपुर, बुधवार, 29 दिसम्बर 2021 - 4 जनवरी, 2022 • पेज 02

तापमान

	अधि.	न्यू.
जयपुर	17°C	09°C
जोधपुर	19°C	10°C
अजमेर	18°C	09°C
उदयपुर	17°C	08°C

सूर्योदय प्रात: 07:24 बजे सूर्यास्त सांय : 05:26 बजे चन्द्रोदय 02:08 बजे चन्द्रास्त 01:41 बजे

जागरूक खबरें

नन्हे-मुन्नो का शीतलहर से बचाव, स्वेटर किए वितरित

जयपुर @ जागरूक जनता। भारत विकास परीषद मुरलीपुरा शाखा ने क्षेत्र के 4 आंगनवाड़ी एवं राजकीय प्राथमिक संस्कृत विद्यालय मे नि:शुल्क 250 स्वेटर वितरित किये। मातृशक्ति भूमि कृपलानी, मंजू खंडेलवाल, रुचिका, कोमल, धन्यवान्ति, मीना, रिचिका अनीता पारीक का सक्रिय योगदान रहा। शाखा के संरक्षक एवं भामाशाह प्रदीप शर्मा, ओमप्रकाश गुप्ता, बी.एल.छीपा के साथ शाखा सदस्यओ का पूरा आर्थिक सहयोग रहा। शाखा मिडिया प्रमुख सुआ लाल ने बताया कि स्वेटर लेकर बच्चों के चेहरे खुशी से खिल रहे थे,वरिष्ठ मार्गदर्शक बजरंग लाल शर्मा, अध्यक्ष बीना पारीक, सचिव लोकचंद हरिरामानी, कोषाध्यक्ष साहनी, हरिशंकर गोड, करण सिंह सैनी, भवानी सिंह, सुरेश खंडेलवाल,ने बच्चों को गुरु वंदन के संस्कारो पर अपने विचारो से मार्गदर्शन किया।

रावत कॉलेज में फ्रेशर पार्टी "आरंभ"

जयपुर @ जागरूक जनता। रावत ग्रुप ऑफ कॉलेज,करनी विहार, अजमेर रोड में फ्रेशर पार्टी आरंभ का रंगारंग आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में खाद्य मंत्री, राजस्थान प्रताप सिंह खाचरियावास को आमंत्रित किया गया।जिन्होंने अपने उद्बोधन द्वारा विद्यार्थियों को प्रोत्साहित किया। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन द्वारा हुई। "आरंभ" कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने पारंपरिक एवम आधुनिक संस्कृति के समागम को बड़ी खूबसूरती से प्रस्तुत किया। इस अवसर पर क्रिसमस से संबंधित कार्यक्रम भी प्रस्तुत किए गए। रावत एजुकेशनल ग्रुप के चेयरमैन बी एस रावत ने सभी आगंतुकों का स्वागत किया एवम अतिथियों को स्मृति चिन्ह दिए। रावत एजुकेशनल ग्रुप के निदेशक हेमेंद्र सिंह रावत ने अपने उद्बोधन से विद्यार्थियों को प्रेरित किया। रावत एजुकेशनल ग्रुप के निदेशक नरेंद्र सिंह रावत ने युवाओं को कठिन परिश्रम एवं लगन के आदर्शो को अपनाकर आगे बढ़ने का मार्गदर्शन दिया।

गुमशुदा की तलाश

जयपुर @ जागरूक जनता। झोटवाड़ा थाना क्षेत्र के निवारू रोड बालाजी विहार निवासी सुभाष नागंल पुलिया के पास से लापता हो गए। सुभाष के भतीजे विकास ने झोटवाड़ा थाना में रिपोर्ट दर्ज करवाई है कि मेरे चाचा सुबह रिश्तेदार सीताराम के साथ काम की कह कर निकले थे। नांगल पुलिया के पास चाय लाने गए रिश्तेदार ने वापस आकर देखा तो सुभाष मौके पर मौजूद नहीं थे। विकास ने बताया कि चाचा सुभाष का मानसिक संतुलन ठीक नहीं है। सुभाष की उम्र 40 वर्ष, कद 5 फीट 8 इंच, काले रंग का पायजामा, पीले रंग का शॉल ओढ़ रखा है।

अवैध बिल्डरों ने मचाया आतंक

जयपुर @ जागरूक जनता। विद्याधर नगर सेक्टर 5 में बिल्डरों ने सेक्टर वसियों को डराने के लिए आतंक मचा रखा है। इन बिल्डरों ने विद्याधर नगर आवासीय योजना में एकल आवास पर जे डी ए से मिलीभगत कर नक्से पास करवा लिए। सैक्टर 5 विकास समिति ने जब कोर्ट का दरवाजा खटखटाया एवं इसकी जानकारी सूचना पट्ट के माध्यम से आम जनता से साँझा की ताकि कोई व्यक्ति इन अवैध निर्माण में फ्लैट इत्यादि नहीं ख़रीदे तो इन बिल्डर्स ने साइन बोईज़ ग़ायब करवा दिए तथा कुछ साइन्बॉईज़ पर लाल रंग पुतवा दिया । सेक्टर में एक स्पोर्ट्स अकैडमी भी भूमि नियमो के विरुद्ध जाकर बिल्डर्स ने खोल दी जिससे कोलोनिवासियो को ध्वनि प्रदूषण, असामाजिक तत्वों का कॉलोनी में प्रवेश तथा पार्किंग की समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। यह जानकारी समिति के क़ानूनी सलाहकार दिवेश शर्मा ने मीडिया को दी एवं प्रशासन से कठोरतम कारवाई करने की माँग की है ।

मरीजों को जगह-जगह नहीं पड़ेगा भटकना

दुर्लभ बीमारी 'गाउचर डिजीज' का क्राउड फंडिंग से इलाज, जयपुर-जोधपुर मेडिकल कॉलेज में ट्रीटमेंट सेन्टर

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। दुर्लभ व जानलेवा 'गाउचर डिजीज' से पीड़ित मरीजों को इलाज के लिए इधर-उधर भटकना नहीं पड़ेगा। एक ही छत के नीचे जांच से लेकर इलाज तक की सुविधा मिलेगी। लाइसोसोमल स्टोरेज डिसऑर्डर का इलाज क्राउड फंडिंग से एकत्रित राशि से हो सकेगी। क्राउड फंड का मतलब सीएसआर, किसी ट्रस्ट, संस्थान और एनजीओ के जरिए हो सकेगा। गाउचर डिजीज के इलाज पर एक साल का खर्चा 30 से 40 लाख रुपए पड़ता है। सरकार ने एसएमएस मेडिकल कॉलेज

जयपुर से जुड़े जेके लोन अस्पताल व जोधपुर मेडिकल कॉलेज में ट्रीटमेंट सेन्टर बनाया है। जहां पर डॉक्टरों की स्पेशल टीम रजिस्ट्रेशन और इलाज के साथ मॉनिटरिंग करेगी।

ग्लूकोसेरिब्रोसाइड डिफेक्ट से बच्चों में होती है रेयर डिजीज

जेके लोन अस्पताल के शिशु रोग विभाग के अध्यक्ष व नोडल सेन्टर प्रभारी डॉ.अशोक गुप्ता का कहना है गाउचर डिजीज को लाइसोसोमल स्टोरेज डिसऑर्डर के नाम से जाना जाता है। यह आनुवाशिक रोग है, जो ग्लूकोसेरिब्रोसाइड एंजाइम की कमी से होता है। क्रोनिक स्थिति में वसा युक्त तत्व शरीर में जमा होने पर लिवर, दिल तथा हड्डी को प्रभावित करता है। दुर्लभ बीमारी से पीड़ित करीबन 400 मरीजों का इलाज जारी है। गौरतलब है कि दुर्लभ बीमारियों से पीड़ित मरीजों को समय पर इलाज मिलने से बचाया जा सकेगा। आर्थिक स्थिति ठीक नहीं होने वाले परिजनों को इलाज कराने के लिए भटकना नहीं होगा। बीमारियों के आंकड़ों के आधार पर सरकार पॉलिसी बना सकेगी। आईसीएमआर के अनुसार देशभर में दुर्लभ बीमारियों के 4 हजार मरीज हैं। मस्कुलर डिस्ट्राफी के 2144 मरीज शामिल हैं।

देश में कहां-कहां सेन्टर ऑफ एक्सीलेंस

शभर में दुर्लभ बीमारियों का इलाज एम्स दिल्ली, मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज नई दिल्ली, एसपीजीआई लखनऊ, चंडीगढ़, डीएनए फिंगर प्रिंट एंड क्लीनिकल सेन्टर हैदराबाद, किंग एडवर्ड मेडिकल अस्पताल मुम्बई, पीजी इंस्टीट्यूट कोलकाता, मानव आनुवांशिक केन्द्र एवं इंदिरा गांधी अस्पताल बैंगलुरू में संचालित हैं।

पुरस्कार वितरण समारोह

डॉ. स्वर्णकार को अकादमिक उद्यमिता उत्कृष्टता पुरस्कार

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। महात्मा गांधी मेडिकल यूनिवर्सिटी के संस्थापक चेयरपर्सन डॉ. एमएल स्वर्णकार को राष्ट्रीय इंडियन मेडिकल एसोसिएशन द्वारा अकादमिक उद्यमिता उत्कृष्टता पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। डॉ. स्वर्णकार को यह पुरस्कार देश की प्रतिष्ठित मेडिकल यूनिवर्सिटी की स्थापना तथा गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा शिक्षा के लिए प्रदान किया गया है। यूनिवर्सिटी के चेयरपर्सन डॉ. विकास स्वर्णकार, प्रेसीडेंट डॉ. सुधीर सचदेव, प्रो. प्रेसीडेंट डॉ. जीएन सक्सेना तथा रजिस्ट्रार डॉ. एके शर्मा सहित प्रबंधन बोर्ड तथा चिकित्सकों ने बधाई दी। पुरस्कार नई दिल्ली में आयोजित राष्ट्रीय स्तर के कार्यक्रम में प्रदान किया गया। उल्लेखनीय है कि इस श्रेणी का यह राज्य का पहला पुरस्कार है। हाल ही में डॉक्टर्स बैडमिंटन लीग के पुरस्कार वितरण समारोह में डॉ. स्वर्णकार को तकनीकी शिक्षा मंत्री डॉ. सुभाष गर्ग द्वारा विशिष्ट चिकित्सा शिक्षा व सेवाओं के लिए लाइफटाइम अवार्ड से भी सम्मानित किया गया था।

हैरिटेज निगमः विशेष अभियान जनवरी से होगा शुरू

डस्टबिन नहीं रखने और कचरा फैलाने वालों पर जुर्माना

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। नगर निगम हेरिटेज क्षेत्र में एक जनवरी से विशेष अभियान शुरू किया जाएगा। लोगों व दुकानदारों से डस्टबिन रखने और कचरा सड़क पर नहीं डालने के लिए समझाइश की जाएगी। साथ ही दुकानों व व्यापारिक प्रतिष्ठानों-संस्थानों पर डस्टबिन नहीं मिलने पर नियमानुसार जुर्माना वसूल किया जाएगा। मेयर मुनेश गुर्जर का कहना है कि सभी व्यापारियों से अपील की जा रही है कि कचरा सड़क पर नहीं फेंकें। स्वच्छता के इस महाअभियान में नगर निगम हेरिटेज का सहयोग करें। व्यापारी दुकानों व प्रतिष्ठानों पर डस्टबिन रखें। कचरा डस्टबिन में ही डालें। मेयर ने बताया कि हेरिटेज क्षेत्र के सभी व्यापार मंडलों व उनसे संबंधित वाणिज्य संस्थानों के सभी व्यापारियों से अपील की है कि अपनी दुकानों, संस्थानों के समक्ष डस्टबिन आवश्यक रूप से रखना सुनिश्चित कर जुर्माने से बचें।

मेयर ने बताया कचरा संग्रहण व्यवस्था की नियमित मॉनिटरिंग की जा रही है। सोमवार से नगर निगम हेरिटेज क्षेत्र में दो पारियों में हर घर से कचरा संग्रहण शुरू कर दिया गया। सभी जोन उपायुक्तों, स्वास्थ्य अधिकारियों, कर्मचारियों को नियमित सफाई व्यवस्था की मॉनिटरिंग के लिए कहा गया है।

गलिया हुईं कचरा-कचरा

नगर निगम हेरिटेज क्षेत्र में कई गलियां कचरे से अटी पड़ी हुई हैं। कचरे के ढेर को देखकर लगता है कि गलियों में कई महीनों से सफाई नहीं हुई। सफाई दिखाने के लिए निगम के अधिकारी-कर्मचारी मुख्य सड़कों को साफ दिखाने में जुटे हैं जबकि गलियों में कचरा भरा है। बीवीजी के कार्यकाल में सफाई को लेकर निगम के अधिकार कर्मचारी इतने लापरवाह थे कि बीवीजी के भरोसे ही सफाई कार्य को छोड़कर मॉनिटरिंग नहीं की। सफाई नहीं होने की बात सामने आने पर बीवीजी को दोषी ठहरा दिया जाता था। सफाई नहीं होने से स्थानीय लोगों गंदगी का दंश झेलना पड़ा। कंपनी के कर्मचारी डोर टु डोर कचरा एकत्रीकरण के लिए नहीं आते थे इसकी शिकायत निगम में की जाती थी लेकिन कोई सुनवाई नहीं होती थी।

जोनवार सफाई व्यवस्था और डोर टू डोर कचरा एकत्रीकरण का ठेका देने के लिए टेंडर प्रक्रिया जारी हैं। इसके साथ ही हूपर पर दो पारी अलग-अलग टीम लगाकर कचरा एकत्रित करवाया जा रहा है। हेरिटेज क्षेत्र में इस सप्ताह में सफाई सुचारू रूप से शुरू हो जाएगी।
- आशीष कुमार, उपायुक्त , हैरिटेज निगम

तैयारी : प्राइवेट से खर्च आधा भी नहीं

एसएमएस में शुरू होगा लंग्स ट्रांसप्लांट

20 लाख में होगा ऑपरेशन, देश का पहला सरकारी अस्पताल जहां ऐसी सुविधा

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। एसएमएस में किडनी, लीवर, हार्ट के बाद अब लंग्स ट्रांसप्लांट भी हो सकेगा। एसएमएस देश का पहला सरकारी अस्पताल होगा, जहां लंग्स ट्रांसप्लांट होगा। इसका लाइसेंस मिलने के बाद लंग्स और हार्ट ट्रांसप्लांट के लिए डॉक्टरों की ट्रेनिंग शुरू हो गई है। इधर, निजी अस्पताल सीतापुरा स्थित महात्मा गांधी अस्पताल को भी लंग्स ट्रांसप्लांट का लाइसेंस मिला है। देश के निजी अस्पतालों में लंग्स ट्रांसप्लांट का खर्च 30 से 50 लाख रु. आ रहा है। एसएमएस में यह 15 से 20 लाख रु. होगा।

लाइसेंस की प्रक्रिया

ट्रांसप्लांट की अनुमति लेने के लिए राज्य सरकार को आवेदन करना होता है। केन्द्र सरकार के नेशनल आर्गन ट्रांसप्लांट आर्गेनाइजेशन (नोटो) की गाइडलाइन के अनुसार इन्फ्रास्ट्रक्चर, मैनपावर और उपकरण को परखने के बाद लाइसेंस जारी किया जाता है। इसके बाद डॉक्टरों और स्टाफ की ट्रेनिंग होती है। डॉ. अंजुम, डॉ. इंदु, डॉ. रीमा और डॉ. केके महावर प्रशिक्षण ले चुके हैं। डॉ. ध्रुव शर्मा चेन्नई में ट्रेनिंग ले रहे हैं।

हमारे 42 दधीचि; जिन्होंने अंगदान से दिया जीवनदान

ऑर्गन ट्रांसप्लांट के नोडल अधिकारी डॉ. मनीष शर्मा का कहना है कि प्रदेश में अब तक 42 दधीचि बन चुके हैं। ये वे ब्रेनडेड मरीज हैं, जिनके परिजनों की सहमति के बाद अंगदान कर लोगों को जीवनदान मिला। पहला ऑर्गन ट्रांसप्लांट 2015 में हुआ है।

देशभर में 1500 से 2 हजार मरीजों को डोनर का इंतजार

एसएमएस के कार्डियो थोरेसिक एंड वेस्कुलर सर्जरी विभाग के सीनियर प्रोफेसर डॉ. अनिल शर्मा का कहना है कि राजस्थान समेत देशभर में 1500 से 2 हजार मरीजों को लंग्स ट्रांसप्लांट के लिए डोनर का इंतजार है। मौजूदा स्थिति में सरकारी स्तर पर लंग्स ट्रांसप्लांट की सुविधा नहीं होती। साथ ही सबसे जटिल सर्जरी होने के कारण कोई हिम्मत भी नहीं जुटाता। इसलिए रजिस्ट्रेशन भी नहीं होते।

हर साल 80 हजार लिवर, 50 हजार हार्ट की जरूरत

विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार सड़क हादसों में हर साल 2 लाख मौतें होती हैं। नोटो के अनुसार हर साल 20 हजार किडनी, 80 हजार लिवर, 50 हजार दिल, एक लाख कॉर्निया की जरूरत पड़ती है। प्रदेश में सबसे ज्यादा वेटिंग किडनी में है।

'कृत्रिम हार्ट' की तैयारी

एसएमएस में कृत्रिम हार्ट लगाने की तैयारियां भी शुरू हो गई हैं। इसके लिए डॉ. मोहित और डॉ. सौरभ का प्रशिक्षण लेने जाना प्रस्तावित है।

एसएमएस में किडनी, लीवर, दिल के बाद लंग्स ट्रांसप्लांट का लाइसेंस मिला है। इससे फेफड़ों के गंभीर मरीजों को फायदा मिलेगा।
-वैभव गालरिया, प्रमुख सचिव (चिकित्सा एवं मेडिकल शिक्षा)

देश का पहला सरकारीअस्पताल है, जहां लंग्स ट्रांसप्लांट होगा। बांगड़ परिसर में हार्ट ट्रांसप्लांट ओटी में ही सुविधा विकसित की है।
-डॉ. सुधीर भंडारी, प्राचार्य व नियंत्रक, एसएमएस मेडिकल कॉलेज जयपुर

पिंक सिटी में दिखेगा फैशन का जलवा...

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। जयपुर के फ्यूजन ग्रुप की ओर से मार्च 2022 में राजस्थान फैशन फेस्ट का आयोजन किया जाएगा। फेस्ट में फैशन इंडस्ट्री से जुड़े लोगों के साथ एंटरप्रेन्योर्स भी शामिल होंगे। इस दौरान फैशन आइकॉन और मोटिवेशनल स्पीकर्स द्वारा फैशन इंडस्ट्री के बारे में डिस्कशन किया जाएगा। वहीं इससे पहले सोमवार को राजस्थान फैशन फेस्ट के फर्स्ट लुक को लॉन्च किया गया। इसमें बॉलीवुड एक्टर अनु कपूर, कांग्रेसी नेता सुरेश मिश्रा समेत आयोजक योगेश मिश्रा और निमिषा मिश्रा मौजूद रहे। आयोजक योगेश मिश्रा ने बताया कि राजस्थान फैशन फेस्ट के दौरान राजस्थान का नाम नेशनल इंटरनेशनल लेवल पर रोशन करने वाली मॉडल्स मिस ग्रैंड इंडिया 2020 सिमरन शर्मा, मिस इंटरकॉन्टिनेंटल इंडिया 2021 मिताली कौर, मिस राजस्थान 2019 कंचन खटाना, फेमिना मिस इंडिया राजस्थान 2020 अरूणा बेनीवाल, मिस राजस्थान 2021 मानसी राठौड़, मिसेज राजस्थान 2021 हिमाद्री भटनागर को क्वीन ऑफ राजस्थान फैशन फेस्ट के रूप में लॉन्च किया गया।

राजस्थान सहित देश की मॉडल्स हिस्सा लेंगी, बॉलीवुड एक्टर अनु कपूर ने किया राजस्थान फैशन फेस्ट का फर्स्ट लुक लॉन्च

ग्रेटर व हेरिटेज में 30 करोड़ की लागत से बनेंगी 80 से अधिक जगह नई सड़कें

इस बार नगर निगम के बजाय पीडब्ल्यूडी बनाएगा सड़कें

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। शहर के लिए सुखद खबर। जल्द ही लोगों को टूटी-फूटी सड़कों से निजात मिल जाएगी। ग्रेटर व हेरिटेज नगर निगम के वार्डों में नई साल में करीब 30 करोड़ रुपए की लागत से सड़कें बनाई जाएंगी। इनमें ग्रेटर निगम के 7 व हेरिटेज निगम के 4 जोन क्षेत्र को शामिल किया गया है। वहीं सड़कें बनाने का कार्य दोनों नगर निगम के बजाय इस बार सार्वजनिक निर्माण विभाग की ओर से किया जाएगा। इन सड़कों का निर्माण कार्य सीएम बजट घोषणा के तहत किया जाएगा। जनवरी लास्ट तक सड़कें बनाने का काम शुरू कर दिया जाएगा। इसके लिए अभी सार्वजनिक निर्माण विभाग की ओर से निविदाएं मांगी गई हैं। 5 जनवरी तक ऑनलाइन निविदा फॉर्म जमा किए जाएंगे। 7 को संबंधित निविदाएं खोल दी जाएंगी। इनमें ग्रेटर व हेरिटेज निगम क्षेत्र में करीब 80 से अधिक जगह 60 किमी. के आस-पास नई सड़कें बनाई जाएंगी। सार्वजनिक निर्माण विभाग के मुख्य अभियंता एवं अतिरिक्त सचिव संजीव माथुर ने बताया कि मुख्यमंत्री बजट घोषणा के अनुसार प्रदेश के नगर पालिका, नगर परिषद व नगर निगम क्षेत्र में नई सड़कें बनाने के लिए एक हजार रुपए की घोषणा की थी, जिसके तहत जयपुर शहर में नई सड़कें बनाने के लिए जनवरी में ही वर्कऑर्डर जारी कर देंगे।

ANCHOR जयपुर ज्वेलरी शो का समापन

3827 हीरों वाली अंगूठी की कीमत 18 करोड़

रिंग तैयार करने में 3 साल लगे, गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में शामिल

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। जयपुर ज्वेलरी शो (जेजेएस) 17वें एडिशन का सोमवार को समापन हुआ। शो में देश विदेश से आए ज्वेलर्स ने हिस्सा लिया। जयपुर के सीतापुरा इंडस्ट्रीयल एरिया में जेईसीसी में 24 दिसंबर से शुरु हुए शो में दो बड़े हॉल में करीब 800 ज्वेलरी स्टॉल्स लगाई गई। इनमें 500 सोने चांदी व अन्य धातुओं से बनीं ज्वेलरी और 200 जेम्स स्टोन्स (जवाहरात) की स्टॉल्स थी। इस शो में सबसे ज्यादा चर्चा 18 करोड़ की हीरों की अंगूठी की थी। ज्वेलर आशीष सांड ने बताया कि तीन साल की मेहनत के बाद यह अंगूठी बनी थी। इसमें 3827 डायमंड लगे हैं। 2015 में अंगूठी गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में नाम दर्ज करवा चुकी है। कोरोना महामारी के बाद पहली बार हुए जयपुर ज्वेलरी शो में ज्वेलर्स काफी खुश नजर आए। दुनियाभर में दिसंबर शो के नाम से प्रसिद्ध इस शो में अच्छा कारोबार कर ज्वेलर पॉजिटिव उम्मीदों के साथ लौटे। शनिवार और रविवार को विजिटर की काफी भीड़ रही। इस बार शो में सिल्वर ज्वेलरी में पोलकी और मोजेनाइट का काफी क्रेज रहा। वहीं, शो में कई जेम्स ऐसे भी थी जिन पर 10 गुना माइक्रो लेवल पर काम किया गया है। शो के अजय काला ने बताया कि इस शो में देश के कई शहरों से खरीदार आए हैं। काफी अच्छा रेस्पॉन्स रहा है। 10 स्टॉल पर ड्रेस कलाकृतियां तथा 64 स्टॉल पर ज्वेलरी से संबंधित मशीनरी प्रदर्शित की गई।

आजमगढ़ के ब्लैक पॉटरी क्राफ्ट से बनीं टेराकोटा ज्वेलरी

जेजेएस में देश भर की सर्वश्रेष्ठ कीमती ज्वेलरी को प्रदर्शित करने वाले स्टॉल में विशिष्ट कॉन्सेप्ट वाले कुछ युवा डिजाइनर ब्रांड्स भी हैं, जिनकी ज्वेलरी अनूठी सामग्रियों से बनी है। ऐसा ही एक ब्रांड है- कब्बीश, जिसके द्वारा आजमगढ़ के ब्लैक पॉटरी क्राफ्ट से प्रेरित टैराकोटा ज्वेलरी तैयार की गई है। इसी प्रकार एक अन्य स्थानीय ब्रांड-बहारो द्वारा विभिन्न धातुओं, मोतियों व इनैमल वर्क से तैयार की गई हैंडमेड फैशन ज्वेलरी प्रदर्शित की जा रही है। इस शो में वॉलेंटियर्स ने कोविड प्रोटोकॉल के तहत ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन करने में विजिटर्स की मदद की। एग्जीबिटर हॉल में बड़ी संख्या में ट्रेड विजिटर भी मौजूद थे। जयपुर ज्वेलरी शो के दूसरे दिन की शाम होटल जयपुर मैरियट में एक भव्य नेटवर्किंग डिनर व लाइव म्यूजिक का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विभिन्न श्रेणियों में बेस्ट बूथ के पुरस्कार दिए। जैमस्टोन सेक्शन में बेस्ट बूथ अवॉर्ड केजी जैम्स को और द्वितीय पुरस्कार आरके जैम्स को दिया गया। 18 वर्ग मीटर तक के ज्वेलरी सेक्शन में बेस्ट बूथ अवार्ड सेठ पन्नालाल ज्वैलर्स प्राइवेट लिमिटेड को दिया गया। द्वितीय पुरस्कार एक्सक्विजिस्ट कलर क्राफ्ट प्राइवेट लिमिटेड को प्रदान किया गया। 18 वर्ग मीटर क्षेत्र से अधिक के ज्वेलरी सेक्शन में बेस्ट बूथ अवार्ड रानीवाला ज्वेलर प्राइवेट लिमिटेड को मिला। द्वितीय पुरस्कार जीआईई गोल्ड क्रिएशंस प्राइवेट लिमिटेड को दिया गया।

प्रदेश के 5 प्रमुख पर्यटक स्थलों पर लाइट एंड साउंड शो का लोकार्पण

पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए दूरगामी सोच के साथ काम कर रही सरकार : मुख्यमंत्री

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि प्रदेश के पर्यटन उद्योग को बढ़ावा देने के लिए राज्य सरकार समर्पित भाव से काम रह रही है। इसके लिए दूरगामी सोच के साथ कई महत्वपूर्ण निर्णय किए गए हैं। पर्यटन के क्षेत्र में राजस्थान को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने के लिए सरकार ने 500 करोड़ रूपए का पर्यटन विकास कोष बनाने का अहम निर्णय किया है। इस कोष से पर्यटक स्थलों पर आधारभूत सुविधाओं के विकास, उनके संरक्षण तथा राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर मजबूत ब्रांडिंग जैसे कार्य किए जाएंगे।

गहलोत प्रदेश के 5 प्रमुख पर्यटक स्थलों पर आकर्षक लाइट एंड साउंड शो के लोकार्पण समारोह को संबोधित कर रहे थे। वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से आयोजित इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने जयपुर के प्रमुख धार्मिक स्थल गोविंद देव जी मंदिर परिसर स्थित जयनिवास उद्यान, मेड़ता में मीराबाई स्मारक, चित्तौड़गढ़ के विश्व विख्यात दुर्ग,

धौलपुर के मचकुंड में आकर्षक लाइट एंड साउंड शो तथा जैसलमेर की ऐतिहासिक गड़सीसर झील में लेजर वाटर शो का लोकार्पण किया।

गहलोत ने कहा कि पर्यटन के क्षेत्र में राजस्थान की देश और दुनिया में विशिष्ट पहचान है। बड़ी संख्या में देशी और विदेशी पर्यटक यहां की मनभावन संस्कृति, किलों, महलों, बावडियों तथा वाइल्ड लाइफ, डेजर्ट आदि से जुड़े आकर्षक स्थलों को देखने आते हैं। रोजगार में पर्यटन उद्योग की महत्वपूर्ण भूमिका है। लाखों लोगों की आजीविका इससे जुड़ी हुई है। दुनिया के कई मुल्कों की अर्थव्यवस्था पर्यटन उद्योग पर निर्भर करती है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि धार्मिक, वाइल्ड लाइफ, ट्राईबल, डेजर्ट पर्यटन को प्रोत्साहित करने के लिए नए-नए सर्किट जोड़ने के साथ ही सभी प्रमुख धार्मिक एवं पर्यटन स्थलों पर विकास के कार्य किए जा रहे हैं। कोरोना महामारी से प्रभावित इस उद्योग को संबल देने में भी सरकार कोई कमी नहीं रख रही है। कोविड के कारण पूरी दुनिया में वेलनैस टूरिज्म एवं इससे जुड़ी गतिविधियों का महत्व बढ़ा है। प्रदेश में भी इस टूरिज्म को प्रोत्साहित करने पर काम हो रहा है। गहलोत ने कहा कि राज्य की नई पर्यटन नीति, पेइंग गेस्ट हाउस स्कीम, कोरोना की विषम परिस्थितियों से प्रभावित पर्यटन उद्यमियों को आर्थिक संबल देने के लिए मुख्यमंत्री संबल योजना, गाइडों का मानदेय तीन गुना तक बढ़ाने जैसे सकारात्मक निर्णयों से इस सेक्टर में आत्मविश्वास लौटा है। यह खुशी की बात है कि कोरोना की दूसरी लहर के बाद प्रदेश के पर्यटक स्थानों पर सैलानियों की संख्या बढ़ी है। इसके बावजूद हमें मास्क पहनने, वैक्सीनेशन आदि सुरक्षात्मक उपायों को अपनाते हुए कोई ढिलाई नहीं बरतनी है।

कार्यक्रम में केन्द्रीय संस्कृति राज्यमंत्री अर्जुनराम मेघवाल ने कहा कि स्वदेश योजनान्तर्गत जिन 5 स्थानों पर लाइट एण्ड साउण्ड शो का आज लोकार्पण किया जा रहा है, उन स्थानों का इतिहास एवं पर्यटन की दृष्टि से बड़ा महत्व है। इससे देशी एवं विदेशी सैलानियों को राजस्थान के गौरवपूर्ण इतिहास एवं समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को जानने का अवसर मिलेगा। इससे प्रदेश के पर्यटन विकास को गति मिलेगी।

सरकार ने मीडियाकर्मियों से जुड़ी 6 समितियों का किया गठन

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। राज्य सरकार ने आदेश जारी कर मीडिया और मीडिया कर्मियों से जुड़ी विभिन्न 6 समितियों का गठन-पुनर्गठन किया है। इनमें पत्रकारों की आवासीय समस्या के समाधान के लिए 23 सदस्यों की राज्य स्तरीय समिति बनाई गई है। यह समिति राज्यभर के पत्रकारों को आवासीय सुविधा के लिए रियायती दरों पर भूमि उपलबध कराने की मांग पर विचार कर राज्य सरकार को सुझाव देगी तथा क्रियान्वयन सुनिश्चित करेगी। पत्रकारों से आवेदन आमंत्रित करने के लिए उपाय भी सुझाएगी। समिति का कार्यकाल 2 वर्ष का होगा। इसका प्रशासनिक विभाग सूचना एवं जन संपर्क विभाग होगा। वहीं, पत्रकार कल्याण संबंधी मामलों की समीक्षा के लिए विभागीय समिति का गठन और पत्रकार समस्या समाधान समिति का पुनर्गठन किया है, जबकि 2 वर्ष की अवधि के लिए राज्य प्रेस अधिस्वीकरण समिति, राजस्थान पत्रकार और साहित्यकार कल्याण कोष के संचालन के लिए प्रबंध समिति, समाचार पत्रों के वर्गीकरण के लिए राज्य वर्गीकरण सलाहकार समिति का पुनर्गठन किया है। इस संबंध में रविवार रात सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के संयुक्त शासन सचिव पुरुषोत्तम शर्मा ने आदेश जारी किया है।

पत्रकार संबंधित कमेटियों के गठन पर सीएम का जताया आभार

जयपुर @ जागरूक जनता। पिंकसिटी प्रेस क्लब के अध्यक्ष मुकेश मीणा ने पत्रकारों से संबंधित विभिन्न कमेटियों के गठन पर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत का आभार व्यक्त किया है। साथ ही उम्मीद जताई है कि अब पत्रकार आवास सहित अन्य समस्याओं का समाधान होगा। प्रेस क्लब अध्यक्ष ने कहा कि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत मीडिया फ्रेंडली है और उन्होंने कोरोना कला में पत्रकारों की समस्याओं को समझते हुए वरिष्ठ पत्रकारों की पेंशन वापस शुरू की और अब 15000 मासिक पेंशन मिल रही है।

सीनियर टीचर के कुल 121 पद, शारीरिक शिक्षक के 2232 पद पर भी नियुक्तियां होंगी

प्रदेश में 10 हजार नए शिक्षकों की होगी भर्ती

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। राजस्थान के सरकारी स्कूलों में बढ़ते नामांकन के बाद अब शिक्षा विभाग में नए शिक्षकों की नियुक्तियों का रास्ता साफ हो गया है। सरकारी स्कूलों के लिए शिक्षकों के 10 हजार नए पद बनाए गए हैं। जिनमें वरिष्ठ अध्यापक के 121, लेवल 2 शिक्षकों के 1927, लेवल 1 शिक्षकों के 5736, शारीरिक शिक्षक के 2232 पद शामिल है। जिन्हें नए स्टाफिंग पैटर्न के बाद राजस्थान के सरकारी स्कूलों में नियुक्तियां दी जाएगी। शिक्षा विभाग की ओर से मंगलवार को शिक्षा मंत्री ने शाला दर्पण पोर्टल को लाइव किया। जिसमें पिछले 2 साल में प्रारंभिक शिक्षा विभाग में बढ़े नामांकन के साथ शिक्षकों के नए पदों को

स्वीकृति दी है। जिसके पास छात्रों के अनुपात के आधार पर अब राजस्थान के सरकारी स्कूलों में शिक्षकों की नियुक्ति होगी।

दरअसल, पिछले दो सालों में राजस्थान के सरकारी स्कूलों में लगभग 5 लाख से ज्यादा नए नामांकन हुए हैं। इसके बाद शिक्षा विभाग ने स्टाफिंग पैटर्न लागू कर हर स्कूल में शिक्षकों के नए पद बने है। जिसमें हर स्कूल में छात्रों की संख्या के आधार पर शिक्षकों को लगाया जाएगा। स्टाफिंग पैटर्न के बाद अगर सबसे ज्यादा फायदा शारीरक शिक्षकों को होगा। ऐसे में पहले जहां स्कूलों में 120 विद्यार्थियों पर एक शारीरक शिक्षक की नियुक्ति होती थी। वहीं नये स्टाफिंग पैटर्न के बाद अब 105 विद्यार्थियों पर एक शारीरिक शिक्षक की नियुक्ति की जाएगी।

इन शिक्षकों की होगी नियुक्ति

- वरिष्ठ अध्यापक/ हेड टीचर के 121 पदों में हुई बढ़ोतरी
- लेवल 2 शिक्षक के 1927 पद और लेवल 1 शिक्षकों 5736 पद में बढ़ोतरी
- शारीरिक शिक्षक ग्रेड थर्ड में 2232 पदों में बढ़ोतरी।

इसके साथ ही स्कूल में अल्पसंख्यक भाषा अध्ययन करने के इच्छुक 10 या इससे अधिक विद्यार्थी होने पर स्कूल में एक या एक से अधिक तृतीय भाषा के अध्यापक का अतिरिक्त पद भी आवंटित किया गया है।

शिक्षा मंत्री बीडी कल्ला ने कहा कि राजस्थान सरकार शिक्षा में सुधार के लिए हर संभव प्रयास कर रही है। ऐसे में अब राजस्थान में सरकारी स्कूलों के प्रति आम आदमी की राय भी बदलने लगी है। उन्होंने कहा कि पिछले 2 सालों में 5 लाख से ज्यादा नए नामांकन हुए हैं। ऐसे में गुणवत्ता युक्त शिक्षा छात्रों तक पहुंच सके, इसी बात को ध्यान में रखते हुए स्टाफिंग पैटर्न के आधार पर हर विद्यालय को नए शिक्षक नियुक्त किए जाएगे।

मुख्यमंत्री का महत्वपूर्ण निर्णय

पांच मेडिकल कॉलेजों के लिए 525 नवीन पदों के सृजन को मंजूरी

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने राजस्थान मेडिकल सोसायटी के अधीन संचालित भरतपुर, भीलवाड़ा, पाली, चूरू एवं डूंगरपुर के मेडिकल कॉलेजों के लिए आचार्य से जूनियर रेजीडेंट स्तर तक के 525 नवीन पदों के सृजन को मंजूरी दी है। गहलोत की इस मंजूरी से इन मेडिकल कॉलेजों में 5वें बैच के साथ ही स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम प्रारंभ हो सकेंगे और नेशनल मेडिकल कमीशन के नियमों के अनुरूप कॉलेजों का संचालन संभव हो सकेगा। प्रस्ताव के अनुसार प्रत्येक मेडिकल कॉलेज में आचार्य के 5, सह आचार्य के 21, सहायक आचार्य के 35, वरिष्ठ प्रदर्शक के 10, सीनियर रेजीडेंट के 13 और जूनियर रेजीडेंट के 21 पद सृजित किए जाएंगे। इस प्रकार हर कॉलेज में 105 नवीन पदों का सृजन होगा।

जागरूक खबरें

केंद्र-राज्यों की योजनाओं से मछली पालन को प्रोत्साहन मिला-कटारिया

एग्रीकल्चर समिट

जयपुर @ जागरूक जनता। कृषि मंत्री लालचन्द कटारिया और कृषि विपणन राज्य मंत्री मुरारीलाल मीना ने महाराष्ट्र के नागपुर में एग्रीकल्चर सम्मिट में भाग लिया। उन्होंने रेशम बाग ग्राउंड में आयोजित 'एग्रो विजन' में प्रदर्शनी का अवलोकन कर खेती, पशुपालन, डेयरी और मछली पालन की आधुनिक तकनीक, कृषि उपकरण, उन्नत नस्ल वाले पशुओं और नवाचारों की जानकारी ली। मुख्य अतिथि के रूप में मत्स्य पालन कार्यशाला को संबोधित करते हुए कृषि मंत्री कटारिया ने कहा कि केंद्र और राज्य सरकारों की योजनाओं के माध्यम से किसानों को मछली पालन के लिए प्रोत्साहन मिल रहा है। इस अवसर पर राजस्थान से लोहावट (जोधपुर) विधायक किशनाराम विश्नोई, कृषि मंत्री के तकनीकी सलाहकार डॉ. ओमप्रकाश गढ़वाल, कृषि विभाग के संयुक्त निदेशक डॉ. रामावतार शर्मा एवं डॉ. हरजीराम चौधरी, कृषि विपणन विभाग के अधिशासी अभियंता सुरेन्द्र चौधरी एवं जनसंपर्क अधिकारी सोहनलाल उपस्थित थे।

14 हजार सिपाहियों के बनेंगे हैल्थ कार्ड, ताकि पता चले कौन कितना फिट है

जयपुर @ जागरूक जनता। जयपुर कमिश्नरेट के पुलिसकर्मियों का हैल्थ कार्ड बनाया जाएगा। यह हैल्थ कार्ड दस साल तक मान्य होगा। कार्ड में पुलिसकर्मी की पर्सनल डिटेल्स के साथ-साथ स्वास्थ्य से जुड़ी पूरी जानकारी रहेगी, जो हर साल जांच के बाद अपडेट की जाएगी। हैल्थ कार्ड बनाने के लिए पुलिस लाइन की मेडिकल टीम ने कमिश्नरेट के सभी थाने और ट्रैफिक लाइन में कैंप लगाकर डाटा एकत्र कर लिया है। बाकी पुलिसकर्मियों के डाटा अपडेट करने लिए पुलिस लाइन में रेगुलर कैंप लगाया जाएगा। इसके साथ पुलिसकर्मियों के ब्लड सैंपल भी लिए हैं, जिनकी जांच करवाकर स्वास्थ्य संबंधी जानकारी अपडेट की जाएगी। अब ये कार्ड हर साल अपडेट किया जाएगा ताकि पुलिसकर्मी के स्वास्थ्य की जानकारी अपडेट करके समय पर उसे बताई जा सके। इससे पुलिसकर्मी गंभीर बीमारी से ग्रस्त होने से बच जाएंगे।

कार्ड में ब्लड शुगर, ब्लड प्रेशर, लीवर व किडनी सहित अन्य डिटेल अपडेट की जाएगी। पुलिस की नौकरी में व्यक्ति की दिनचर्या बदल जाती है। कभी ड्यूटी दिन में, कभी नाइट में रहती है। ऐसे में उनके सोने-उठने और खाने-पीने का समय बदल जाता है। इस दौरान शरीर में हल्की बीमारियां शुरू हो जाती हैं जो आगे जाकर बड़ा रूप ले लेती हैं। हैल्थ कार्ड में स्वास्थ्य की डिटेल्स अपडेट होती रहेगी। ऐसे में पुलिस लाइन की स्वास्थ्य टीम समय-समय पर पुलिसकर्मियों को स्वास्थ्य के संबंध में जानकारी देती रहेगी।

-आनंद श्रीवास्तव, पुलिस कमिश्नर

राजस्थान स्टेट ओपन 10वीं-12वीं के रिजल्ट में बेटियां आगे, 10वीं में महज 35.42% छात्र सफल

मोबाइल छोड़कर पढ़ने में ध्यान दें लड़के-शिक्षा मंत्री

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। राजस्थान में स्टेट ओपन स्कूल 10वीं और 12वीं का रिजल्ट जारी कर दिया गया है। मंगलवार को शिक्षा मंत्री बीडी कल्ला ने शिक्षा संकुल में रिजल्ट जारी किया। बीडी कल्ला ने बताया कि शिक्षा के क्षेत्र में लड़कियां लगातार

आगे बढ़ रही हैं। यही बात स्टेट ओपन के रिजल्ट में भी देखने को मिली। उन्होंने छात्रों के कमजोर रिजल्ट पर कहा कि लड़के खेल और मोबाइल पर ज्यादा ध्यान देने लग गए हैं। अभिभावकों को बच्चों को मोबाइल से दूर रखना चाहिए। दरअसल, कोरोना काल के चलते इस साल मार्च-मई में होने वाली स्टेट ओपन की परीक्षाएं आगे बढ़ गई थीं। अक्टूबर-नवम्बर में परीक्षा का आयोजन किया गया। पहली बार दोनों परीक्षाओं का रिजल्ट एक साथ जारी किया गया। इस साल 10वीं का रिजल्ट 37.83% रहा। छात्रों का परिणाम 35.42% और छात्राओं का 39.27% रहा। पिछले साल के मुकाबले इस बार रिजल्ट 2.67% सुधरा है। वहीं, 12वीं का रिजल्ट 64.31% रहा। छात्रों का परिणाम 61.67% व छात्राओं का 66.25% रहा। 12वीं का रिजल्ट पिछले साल के मुकाबले 4.58% ज्यादा रहा। 10वीं में 84.40% अंक प्राप्त कर जोधपुर की पूजा चौधरी ने पहला स्थान प्राप्त किया। वहीं अजमेर की भावना यादव ने भी 83% अंक हासिल कर दूसरा स्थान प्राप्त किया। वहीं छात्रों में 82.60% के साथ सिरोही के मुकेश कुमार पहले स्थान पर और 82.60% अंकों के साथ बूंदी के विनोद मालव दूसरे स्थान पर रहे। 12वीं में छात्रा वर्ग में जोधपुर की हर्षा ने 82.40% के साथ पहला और जोधपुर की ही लक्ष्मी ने 79.80% अंकों के साथ दूसरा स्थान हासिल किया। छात्र वर्ग में नावां के जोशी उदय योगश कुमार ने 84.20% अंकों के साथ पहला व 80.80% अंकों के साथ भीलवाड़ा के अनमोल जोशी ने दूसरा स्थान प्राप्त किया। टॉप रहे स्टूडेंट्स से मंत्री बीडी कल्ला और जाहिदा ने फोन पर बधाई दी।

ऐसे जानें रिजल्ट

- सबसे पहले छात्र आधिकारिक वेबसाइट rsosapp.rajasthan.gov.in पर जाएं।
- होम पेज पर दिए गए रिजल्ट 2021 के लिंक पर क्लिक करें।
- यहां मांगी गई जानकारी को दर्ज कर सबमिट करें।
- रिजल्ट आपकी स्क्रीन पर आ जाएगा। अब उसे डाउनलोड करें।

JETHI TECH SOLUTIONS
Follow Us: @jethitech
ADDING WINGS TO YOUR BUSINESS

BULK SMS - Lowest Price
Buy 1 Lakh SMS @ Rs.12000/-
With FREE Control Panel
@ 12 Paisa Per SMS
LIFETIME VALIDITY

WEDDING INVITATION
1 Invitation Video for Whatsapp
10,000 Bulk SMS
1 Social HashTag Creation
1 Whatsapp Direct Chat Link
1 Landing Page
Send Digital Invitations At One Click

START-UP PACKAGE
Dynamic Website
+ Domain & Hosting(1 Year)
+ Social Media Profile Creation
+ Social Media Management* (1 Year)
+ 3 WhatsApp Stickers
+ WhatsApp Chat Direct Link
+ Local Business Listing
+ Logo Design
All For Just Rs.35,000/- + GST

Digial Branding/Marketing
★ Youtube Marketing ★ Digital Marketing ★ Whatsapp Marketing ★ Bulk SMS Marketing
★ Website Development ★ Android Development ★ Software Development ★ Social Media Management

MSGJET
SCHOOL Management System

Corporate Branding/Identity
★ Visiting Cards ★ Pamphlets ★ Bill Book ★ ID Cards ★ Banners ★ Brochure ★ Letterhead ★ Envelope ★ Signages ★ Calendars ★ Diary ★ Bags ★ Pen Stand ★ Paper Weights ★ Pen ★ Mugs ★ T-Shirts ★ Many More...

Financial Services: Business Loan, Home Loan, CC Limit, Mortgage Loan

WE ARE Google Partner | Facebook Marketing Partner | Accredited Professional Bing ads

DIGITAL MARKETING | CORPORATE BRANDING | PRINT MEDIA
WEBSITE DESIGN/DEVELOPMENT | SOFTWARE DEVELOPMENT
ANDROID/iOS APPS | BULK SMS | CRM/ERP SOFTWARE

INIDIA: 1C, Rajputana Marg, Kalyanpuri, Jhotwara, Jaipur-12
USA: 11923 NE Summer St. Portland, Oregon, 97220, USA
+91-7976625313, +1(503) 8788224 || www.jethitech.com || sales@jethitech.com

ANCHOR

हस्तक्षेप

शुद्ध के लिए युद्ध अभियान में दर्ज मामलों का 90 दिन में निस्तारण होना सुनिश्चित करें जिला कलक्टर-मुख्य सचिव

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। मुख्य सचिव निरंजन आर्य ने सभी जिला कलक्टरों को निर्देश दिए हैं वे राज्य भर में एक जनवरी से 31 मार्च तक चलने वाले शुद्ध के लिए युद्ध अभियान की नियमित मॉनिटरिंग करें तथा दर्ज मामलों का 90 दिन के भीतर निस्तारण किया जाना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री की मंशा है खाद्य पदार्थों में मिलावट कर प्रदेशवासियों की सेहत से खिलवाड़ करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई हो, ताकि कोई भी लोगों के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ नहीं कर सके।

आर्य मंगलवार को यहां शासन सचिवालय में वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से सभी संभागीय आयुक्तों, जिला कलक्टर व विभिन्न विभागों के उच्च अधिकारियों के साथ आयोजना विभाग, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, ग्रामीण विकास एवं पंचायतीराज तथा राजस्व विभाग से संबंधित योजनाओं की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। मुख्य सचिव ने बैठक के दौरान शुद्ध के लिए युद्ध अभियान की जिलों में क्रियान्विति की तैयारियों के संबंध में जानकारी ली। उन्होंने जिला कलक्टरों को कहा कि खाद्य पदार्थों की शुद्धता के साथ-साथ उसके सही माप और तौल, एक्सपायरी डेट तथा पैकेट बंद खाद्य सामग्री पर सही प्रकार से लेबलिंग की भी जांच की जानी चाहिये। उन्होंने कहा कि इस अभियान का समुचित प्रचार-प्रसार भी किया जाए, ताकि आम व्यक्ति भी जागरूक हो। उन्होंने अभियान की अवधि में जिला स्तरीय प्रबंधन समिति की साप्ताहिक बैठक करने के लिए भी जिला कलक्टरों को निर्देशित किया। चिकित्सा शिक्षा विभाग के शासन सचिव वैभव गालरिया ने इस अभियान की तैयारियों के संबंध में विस्तार से जानकारी दी।

सीखने की बात

निर्बल व खाली मन कभी समर्थ संकल्प उत्पन्न नहीं कर सकता।

- अज्ञात

ओमीक्रोन का साया और चुनाव

ओमीक्रोन की छाया सामान्य जनजीवन और चुनावों पर पड़ने लगी है। उत्तर प्रदेश में रात्रिकालीन कर्फ्यू की वापसी हो गई है और अब आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर भी संशय की स्थिति बन गई है। इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने चुनाव आयोग से आगामी विधानसभा चुनावों को स्थगित करने, चुनावी रैलियों और सभाओं को रोकने का आग्रह किया है। इसके बाद देश के मुख्य चुनाव आयुक्त सुशील चंद्र ने कहा है कि चुनाव के संबंध में अंतिम निर्णय अगले सप्ताह लिया जाएगा। दिसंबर बीतने को है और अगर फरवरी में चुनाव होने हैं, तो तिथियों की घोषणा दस दिन के अंदर ही हो जानी चाहिए। पिछले विधानसभा चुनाव 2017 की घोषणा जनवरी के पहले सप्ताह में हुई थी और उत्तर प्रदेश में मतदान का पहला दौर 11 फरवरी को संपन्न हुआ था। तब सात चरणों में मतदान के बाद 11 मार्च को मतगणना हुई थी। उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब, गोवा और मणिपुर में विधानसभा चुनाव होने हैं। उत्तर प्रदेश में अगर चुनाव को कुछ समय के लिए टालने का फैसला होता है, तो स्वाभाविक ही बाकी चार राज्यों में भी चुनाव की तिथियां आगे सरकेंगी। चुनाव आयोग की अपने स्तर पर पूरी तैयारी है, लेकिन आयोग अगले सप्ताह विशेष रूप से उत्तर प्रदेश में स्थितियों का जायजा लेना चाहता है। जमीनी हकीकत को देखते हुए ही चुनाव के बारे में कोई फैसला लेना चाहिए। एक महीने पहले तक ओमीक्रोन जैसा कोई तनाव नहीं था, लेकिन अब जिस तरह से चिंता जताई जा रही है, उस पर गौर करना ही चाहिए। अदालत ने भी आग्रह किया है, लेकिन इसके बावजूद अगर चुनाव कराए जाते हैं, तो यह पूरी तरह से चुनाव आयोग और सरकार की जिम्मेदारी पर होंगे। क्या उत्तर प्रदेश में लोग कोरोना संबंधी दिशा-निर्देशों की पालना पूरी तरह से कर रहे हैं? क्या प्रशासन सुरक्षित चुनाव कराने की स्थिति में है? क्या राजनीतिक दलों का काम बिना बड़ी सभाओं के चल जाएगा? क्या सभी राजनीतिक दल सख्ती से सुरक्षा निर्देशों की पालना करेंगे? इन सवालों के जवाब चुनाव आयोग को सोच लेने चाहिए। केंद्र सरकार भी फैसला चुनाव आयोग पर छोड़ने के पक्ष में दिखती है। क्या चुनाव आयोग अदालत के आग्रह के विरुद्ध जाएगा?

गौरतलब है कि दिल्ली में हर वयस्क को वैक्सीन की पहली खुराक दे दी गई है, जबकि उत्तर प्रदेश अभी पीछे है। वैसे ओमीक्रोन दोनों टीका लेने वालों की सुरक्षा में भी सेंध लगा दे रहा है। भारतीय और विदेशी विशेषज्ञों का अनुमान है, भारत में फरवरी में संक्रमण बढ़ सकता है। भारत में ओमीक्रोन के रोगियों की संख्या 350 से अधिक हो गई है, खतरा यह है कि यह डेल्टा से भी कई गुना ज्यादा तेजी से फैलता है। ऐसे में, अदालत ने बिल्कुल सही कहा है, 'यदि संभव हो, तो चुनाव स्थगित करने पर विचार करें, क्योंकि अगर हम जिंदा रहे, तो रैलियां और बैठकें बाद में भी हो सकती हैं।' अब फैसला चुनाव आयोग को लेना है, उसे चिकित्सा विशेषज्ञों से परामर्श के बाद ही कदम आगे बढ़ाना चाहिए। बड़ी सभाओं से तो हर हाल में परहेज करना होगा। जब रेल यातायात पूरी तरह से नहीं खुला है, जब स्कूल पूरी तरह से नहीं खुल पा रहे हैं, तब आम जनजीवन को पूरी तरह से कैसे खुलने दिया जाए? जनहानि और जन-परेशानी को रोकना प्राथमिकता होनी चाहिए।

सम्पादकीय

अंतरिक्ष में कटिंग

अंतरिक्ष में भी एक छोटी सी दुनिया बसने लगी है। धरती से करीब 400 किलोमीटर ऊपर इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन (आईएसएस) में रहने वाले अंतरिक्ष यात्रियों की दिनचर्या के बारे में लोग बहुत कुछ जानने लगे हैं। पृथ्वी की परिक्रमा करते अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष केंद्र के सूक्ष्म गुरुत्वाकर्षण में जीवन अब धीरे-धीरे सहज होने लगा है। अब अंतरिक्ष स्टेशन पर केश कटाई का वीडियो भी वायरल हो गया है। अंतरिक्ष यात्री मैथियास मौरर ने केश कटवाया है और उनके नाई बने हैं भारतीय मूल के अंतरिक्ष यात्री राजा चारी। वैसे तो पहले भी अंतरिक्ष में ज्यादा दिन तक रहे यात्रियों ने केश काटे या कटवाए हैं, लेकिन पहली बार इसका वीडियो अंतरिक्ष यात्री मैथियास मौरर ने ही जारी किया है। अंतरिक्ष में केश कटाई के लिए विशेष हेयर ट्रिमर या केश काटने वाली मशीन का इस्तेमाल किया जाता है। इस मशीन के साथ वैक्यूम क्लीनर भी जुड़ा हुआ है, ताकि कटे हुए केश हवा में न फैलें। चूंकि अंतरिक्ष स्टेशन पर चीज लटक सकती है या लटकी रहती है, अतः केश के कतरे को भी छोड़ दिया जाए, तो वह लटक जाएगा और यह भी हो सकता है कि आंखों में घुस जाए या किसी मशीन में जा फंसे। अतः केश काटते हुए वैक्यूम क्लीनर का रहना जरूरी है, ताकि एक-एक कटे हुए केश को इकट्ठा किया जा सके। सबसे बडी बात है कि अंतरिक्ष केंद्र पर अब यात्री यथासंभव आनंद भी करने लगे हैं और उन पलों को साझा भी करने लगे हैं। सितंबर महीने में एक अंतरिक्ष यात्री मेगन मैक्आर्थर का वीडियो वायरल हुआ था, जब उन्होंने एक वीडियो शेयर करके बताया था कि अंतरिक्ष में कैसे शैंपू करते हैं। शैंपू करते हुए कैसे एक-एक बूंद पानी को बचाना होता है। यह भी ध्यान रखना पड़ता है कि पानी की बूंद हवा में न लटक जाए। केश धोने से गंदे हुए पानी को फिर कैसे साफ कर उपयोग में लाया जाता है। वैसे तो यात्रियों को अंतरिक्ष केंद्र पर रहते वर्षों बीत गए हैं, लेकिन साल 2021 एक ऐसा वर्ष है, जब आम लोग भी अंतरिक्ष यात्रियों के जीवन से ज्यादा परिचित हुए हैं। यह यदि किसी योजना के तहत होने दिया जा रहा है, तो भी इसकी तारीफ होनी चाहिए। अंतरिक्ष का भय जैसे-जैसे कम होगा, दुनिया का लगाव अंतरिक्ष विज्ञान से वैसे-वैसे बढ़ता जाएगा। क्या अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन एक पर्यटन केंद्र के रूप में चर्चित होने लगा है? इस सवाल का जवाब हां में है। विशेष रूप से इस वर्ष अरबपति और जापान के पहले अंतरिक्ष पर्यटक युसाकु मेजावा के सफल अंतरिक्ष दौरे से काफी फर्क पड़ा है। वह 8 दिसंबर को अंतरिक्ष स्टेशन की यात्रा पर गए थे और वहां 12 दिन रहने के बाद 20 दिसंबर को कजाकिस्तान में उतरे। उनके सहायक योजो हिरानो और रूसी अंतरिक्ष यात्री अलेक्जेंडर मिसुरकिन भी उनके साथ आनंद मनाकर लौटे हैं। जापानी व्यवसायी मेजावा को अंतरिक्ष स्टेशन के पहले मेहमान के रूप में याद किया जाएगा। अंतरिक्ष स्टेशन पर 12 दिन रहते हुए मेजावा अपनी अनेक गतिविधियों के वीडियो शेयर करते रहे हैं, जिन्हें दुनिया में खूब देखा गया है। मेजावा के लिए यह अभ्यास है, वह साल 2023 में चांद की सैर पर जाने वाले हैं। वह साथ ले जाने के लिए आठ सह-यात्रियों की तलाश कर रहे हैं। मतलब, अंतरिक्ष का रोमांच आने वाले दिनों में और बढ़ने वाला है।

सच्चाई यह है कि हमारी सभी समस्याओं को दूर करने के लिए कुदरत एक ऐसा उपाय है जो वास्तव में हमारे लिए मुफ्त में उपलब्ध है, हमें केवल इतना करना है कि हम इसका अधिक से अधिक लाभ उठाएं।

कुदरती जीवन ही एक स्वस्थ जीवन है

श्याम माथुर
वरिष्ठ पत्रकार
@jagrukjanta.net

सबसे महत्वपूर्ण बात यह कि कुदरत आपकी मनोदशा में काफी हद तक सुधार कर सकती है। और अगर आप अंदर से खुश हैं, तो अच्छा स्वास्थ्य कभी भी आपका साथ नहीं छोड़ेगा।

ज्यादातर लोग अपने जीवन में आने वाली मुश्किलों को लेकर हमेशा परेशान रहते हैं। इनमें से अधिकांश मुश्किलें हमारी सेहत से जुड़ी होती हैं। और दिलचस्प बात यह है कि सेहत से जुड़ी जितनी भी मुश्किलें हैं, वे हमने अपनी अनियमित जीवन शैली से पैदा की हैं। हमारा ज्यादातर वक्त अपने घर में या दफ्तर में किसी एक कमरे में ही गुजरता है, हम लगातार स्क्रीन से चिपके रहते हैं, जो लोग कामकाजी हैं, वे कंप्यूटर स्क्रीन पर जुटे रहते हैं और बाकी लोग मोबाइल के स्क्रीन पर अपना वक्त बिताते नजर आते हैं। लोगों से मिलना-जुलना हम पसंद नहीं करते, आउटडोर घूमना-फिरना भी हमें गवारा नहीं। यहां तक कि अपने परिजनों से भी हम कभी-कभार ही मिला करते हैं। कुल मिलाकर निष्कर्ष यह कि हम प्रकृति से कट जाते हैं और फिर धीरे-धीरे आत्मकेंद्रित होकर खुद में ही सिमट जाते हैं।

सच्चाई यह है कि हमारी सभी समस्याओं को दूर करने के लिए कुदरत एक ऐसा उपाय है जो वास्तव में हमारे लिए मुफ्त में उपलब्ध है, हमें केवल इतना करना है कि हम इसका अधिक से अधिक लाभ उठाएं। हम सभी प्रकृति में समय बिताने के कई लाभों को जानते हैं, फिर भी हम अपने जीवन का ज्यादातर हिस्सा अपने दफ्तर या अपने छोटे इनडोर स्थानों में बिताते हैं। योग एक ऐसा उपहार है जो प्रकृति से प्राप्त किया गया है। अगर आपने गौर किया है, तो आप पाएंगे कि योग के बहुत सारे आसन ऐसे हैं, जिनका नाम प्रकृति से मिली चीजों जैसे पेड़ों और जानवरों से लिए गए हैं। उदाहरण के लिए, भ्रामरी प्राणायाम (मधुमक्खी के सांस लेने की प्रक्रिया), मार्जरासन (बिल्ली की मुद्रा), भुजंगासन (सर्प मुद्रा) ऐसे ही कुछ नाम हैं।

जहिर है कि कुदरत का हमारे जीवन और हमारे स्वास्थ्य पर जबरदस्त प्रभाव पड़ता है। क्या आप जानते हैं कि --

- सिर्फ प्रकृति का संगीत हो, तो आपका नर्वस सिस्टम आरामदेह मुद्रा में आ जाता है।
- प्रकृति के करीब रहने से आपका रक्तचाप नियंत्रित रह सकता है।

- आपके घर के आसपास हरियाली का होना न केवल बड़ों के लिए, बल्कि बच्चों के लिए भी फायदेमंद है।
- जो बच्चे प्रकृति के बीच समय बिताते हैं और खेलते हैं, उनके साथ व्यवहार संबंधी समस्याएँ दूसरों की तुलना में कम होती हैं।
- अवसाद को दूर भगाने के लिए दवाओं की तुलना में बेहतर उपाय है प्रकृति के बीच वक्त बिताना।

जी हाँ, हमारे जीवन को नियमित और स्वस्थ रखने में कुदरत एक बहुत बड़ी भूमिका निभाती है। तो आइए, देखते हैं कि आसानी से और एकदम निशुल्क उपलब्ध उपचार का अधिकतम लाभ उठाने के लिए हमें वास्तव में क्या करने की आवश्यकता है?

- कुदरत के बीच सुबह की सैर के लिए जाएं। पेड़ों और हरियाली के बीच 30 मिनट के लिए पैदल चलना भी आपकी सेहत पर बड़ा दूरगामी प्रभाव डालता है।
- घास पर नंगे पैर चलें। यह वहां उपलब्ध सबसे सस्ता उपचार है।
- पेड़, पौधों और फूलों से बात करें। प्रकृति में हमारे साथ संवाद करने की शक्ति है। सकारात्मक विचारों के साथ कुदरत से बात करें, बदले में कुदरत से आपको सकारात्मकता और अच्छाई के गुण मिलेंगे।
- कंप्यूटर पर काम करने या स्क्रीन पर चिपके रहने के दौरान हर एक घंटे के बाद, हरियाली को कुछ मिनटों के लिए निहारें, इससे न केवल आंखों को, बल्कि आपके दिमाग को भी शांति मिलेगी।
- हर दिन सूर्य को अर्घ्य दें। बहुत सारे लोग विटामिन डी की कमी से पीड़ित होते हैं, जिसका सबसे बड़ा स्रोत सूर्य है। हम अपना सारा दिन ऑफिस के भीतर ही बिताते हैं। फिर शरीर को विटामिन डी की खुराक कहाँ से मिलेगी? शरीर में सभी पोषक तत्वों को अवशोषित करने के लिए सूर्य की रोशनी बहुत महत्वपूर्ण है। 15 मिनट सुबह या शाम का सूर्य भी स्वस्थ जीवन के लिए उत्कृष्ट साबित हो सकता है।
- परिवार के साथ पिकनिक पर जाने की पुरानी परंपराओं को फिर से शुरू करें। यह आपको न केवल गैजेट्स को दूर रखते हुए परिवार के साथ फिर से जुड़ने और साथ वक्त बिताने का मौका देगा, बल्कि यह तरीका आपको नेचर के आसपास रहने में भी मदद करेगा।
- पास की किसी पहाड़ी पर चढ़ने का प्रयास करें। इस तरह आप न सिर्फ अपने फेफड़ों को अपनी अधिकतम क्षमता का उपयोग करने का अवसर देंगे, बल्कि आपको साफ-सुथरी और बेहतर हवा में सांस लेने का मौका भी मिलेगा।
- अपने रोजमर्रा के भोजन को और बेहतर बनाने के लिए अपना खुद का किचन गार्डन विकसित करें। इस तरह आप अपने परिवार को ऑर्गेनिक खाद्य सामग्री दे पाएंगे और अपने परिजनों के प्रति अपने प्यार का इजहार भी कर पाएंगे।

प्रकृति के बीच कदमताल करना आपकी स्मृति को 20 प्रतिशत तक सुधारने में मदद करता है। यह आपको भीतर से संतुष्ट जीवन जीने का अहसास देता है। प्रकृति में दवाओं के बिना ही आपको अंदर से चंगा करने की शक्ति है। नेचर के बीच थोड़ा वक्त बिताने से आपकी एकाग्रता शक्ति में सुधार होता है। यह निश्चित रूप से वजन कम करने में आपकी मदद कर सकता है। हार्ट अटैक, ऑस्टियोपोरोसिस और कैंसर के खतरे को दूर रखता है। तनाव को कम करने में मददगार साबित होता है। **(ये लेखक के अपने विचार है।)**

कविता

महाराजा सूरजमल

कौटिल्य सी जिसमें कूटनीति श्री कृष्ण सी जिसमें चतुराई
बिन लड़े भागता हो शत्रु ऐसी थी जिसकी अंगड़ाई
जिसने न पराजय देखी हो जिसने न कभी रणछोड़ा हो
मुगलों के दर्प के दर्पण को घर में घुसकर ही तोड़ा हो
****
याद करो वो तलवारें उन सूरजमल के भालों को मुगलों की
सत्ता में मुगलों के तख्त पलटने वालों को
जिसने हिंदुत्व का मान रखा जिसने भारत की शान रखी
इतिहास भुलाए बैठा है इतिहास बदलने वालों को
****
सीने में अग्नि प्रचंड प्रबल, बाहों में जिसके अतुलित बल।
मस्तक पर जिसके विजय तिलक, इस शौर्य धरा का था संबल।
आंधी ने जिसे खिलाया हो, तूफानों ने जिसको पाला ।
मूछों में जिसकी स्वाभिमान, आंखों में सूरज की ज्वाला।।
****
दो हाथों से अरिमुंडों को अनवरत काटता जाता था ।
रणभूमि में जिस ओर मुड़ा वह क्षेत्र रिक्त हो जाता था।
लगता था ज्यों यमराज स्वयं, ले आया हो कर में कृपाण।
इक नाम वीर सूरजमल का, अरि की मृत्यु का था प्रमाण।
तलवार का वार नहीं दिखता परिणाम सामने होता था।
अरिमुंड और धड पड़ा हुआ पल में धरती पर होता था।
****
वह पवन वेग से चलता था तलवार तडित सम चलती थी
जिसका रण कौशल देख देख शत्रु की छाती हिलती थी
जो सात-सात राजाओं की सेना के सम्मुख लड़ जाता
युग योद्धा का पुरुष देखो, जो सब पर भारी पड़ जाता
****
हाथों में दो तलवार लिए रण में उतरे जब मतवाला
जिसकी मूछों में स्वाभिमान आंखों में सूरज की ज्वाला
आभा फैली जिसकी चहुं दिशि, जो उदित हुआ था ज्योतिपुंज
अन्याय, अधर्म का तिमिर हरण ,उभरा था बनकर शक्तिपुंज
****
चहुंओर बिखेरे था प्रभास झेला शत्रु ने कठिन त्रास
दिल्ली तक जिस से दहल गई वह सूरजमल की चंद्रहास
जिसने मुगलों की ताकत को जब खुलेआम ललकार दिया
आगरा के लाल किले पर जिसने झंडा भगवा गाढ दिया
गाजियाबाद अलीगढ़ मथुरा हाथरस भी हथियाया था
छीन फिरोजाबाद, इटावा, बुलंदशहर कब्जाया था
****
गुरुग्राम, रेवाड़ी, रोहतक, जीत धौलपुर, अलवर भी
मेरठ और मेवात जीतकर, जीत लिया फिर झज्जर भी
जीत के दिल्ली घूम रहा था सिंह नदी के तीर पर
घात किया था श्रृंगालों ने वार किया था पीठ पर
****
सदा शौर्य की यही कहानी होती है संसार में
वीर पुरुष को सदा शहादत मिलती है उपहार में
रच करके इतिहास जहां से गया धर्म ध्वज रखवाला
जिसकी मूछों में स्वाभिमान आंखो मैं सूरज की ज्वाला

-कवि संजय फौजदार
(ये लेखक के अपने विचार है)

ओपिनियन

एक जरूरी विमर्श से मुंह मोड़े बैठा समाज

भवेश झा
लोक-स्वास्थ्य विशेषज्ञ
@jagrukjanta.net

एक बेहतर शासन-व्यवस्था में आंकड़े काफी अहमियत रखते हैं। इनके संग्रह का उद्देश्य किसी समस्या का ठोस समाधान ढूंढ़ना होता है। लेकिन कुछ आंकड़े लोक-स्वास्थ्य के नजरिये से काफी महत्वपूर्ण होने के बावजूद सामाजिक विमर्श का हिस्सा नहीं बन पाते। आत्महत्या एक ऐसी ही उपेक्षित समस्या है। हाल ही में नेशनल क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो ने सुसाइड्स ऐंड एक्सीडेंटल डेथ्स इन इंडिया नाम की रिपोर्ट जारी की है। इस रिपोर्ट के अनुसार, पिछले वर्ष आत्महत्या से होने वाली मौतों की संख्या डेढ़ लाख को पार कर गई। यह एक साल में खुदकुशी से होने वाली मौत का सबसे बड़ा आंकड़ा है। 2019 के मुकाबले 2020 में आत्महत्या से मृत्यु के आंकड़े में लगभग 10 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। जाहिर है, कोरोना और लॉकडाउन की वजह से उपजी विपरीत आर्थिक परिस्थितियों ने असंगठित क्षेत्र और व्यापारी वर्ग को काफी प्रभावित किया है। साल 2019 की तुलना में 2020 में व्यापारियों की खुदकुशी में 50 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई।

आत्महत्या की इस बढ़ती दर को सिर्फ कोविड या लॉकडाउन के परिप्रेक्ष्य में देखना सही नहीं होगा, क्योंकि महामारी से पहले भी खुदकुशी एक बड़ी जन-स्वास्थ्य समस्या रही है। साल 2019 के 'ग्लोबल बर्डेन ऑफ डिजीज' (जीबीडी) अध्ययन के अनुसार, 15 से 39 आयु वर्ग में आत्महत्या मौत का सबसे बड़ा कारण है। इसका मतलब यह है कि आत्महत्या हमारे नौजवानों के लिए सबसे बड़ा अदृश्य खतरा बनती जा रही है। लेकिन हाल के कुछ चर्चित व्यक्तियों की खुदकुशी से जुड़ी बहसों को देखें, तो पता चलता है कि ऐसी चर्चाएं सनसनीखेज आरोप-प्रत्यारोपों तक सिमटकर रह जाती हैं। यही नहीं, इसे सामाजिक कलंक के रूप में देखने की रूढ़ि परिजनों को खुलकर शोक प्रकट करने भी नहीं देती। पीड़ित परिवारों को किसी प्रकार का समर्थन नहीं मिलता। आत्मग्लानि व पीड़ा उन्हें अकेले ही भोगनी पड़ती है।

हमारे देश में आत्महत्या को एक निजी समस्या के तौर पर पेश किया जाता है। इसे मानसिक कमजोरी या रोग से जोड़कर देखा जाता है, जबकि सच्चाई यह है कि लगभग 50 प्रतिशत मामले ही ऐसे होते हैं, जिनमें किसी प्रकार की मानसिक स्वास्थ्य-समस्या रहती है। विश्व स्वास्थ्य संगठन का मानना है कि आत्महत्या को रोकना संभव है और इसकी रोकथाम के कारगर तरीके भी मौजूद हैं। इसके लिए बहुआयामी प्रयास करने होंगे। आत्महत्या की रोकथाम में जागरूकता कार्यक्रम चलाने, मानसिक स्वास्थ्य सेवा को मजबूत करने, आपात हेल्पलाइन, सामाजिक सुरक्षा व राष्ट्रीय सामाजिक सहायता कार्यक्रम जैसे प्रयास महत्वपूर्ण हैं। इस रोकथाम में विभिन्न क्षेत्रों के बीच की साझेदारी अहम है। जैसे, विद्यार्थियों में इस प्रवृत्ति को रोकने के लिए शिक्षा और स्वास्थ्य विभाग को मिलकर काम करना होगा। छात्रों में तनाव के बिंदुओं को पहचानकर शैक्षणिक परिसरों को खुशनुमा बनाने के प्रयास करने पड़ेंगे। आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लोग आत्महत्या से ज्यादा प्रभावित हो रहे हैं। पाया गया है कि लगभग 95 फीसदी आत्महत्या के शिकार लोग सालाना पांच लाख रुपये से कम आय वाले वर्ग से आते हैं। नीति आयोग द्वारा हाल ही में जारी बहुआयामी गरीबी सूचकांक के अनुसार, हर चार में से एक भारतीय गरीब है। इससे साफ है, गरीबी उन्मूलन व सरकार की अन्य कल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन से भी आत्महत्या की रोकथाम में मदद मिल सकती है।

खुदकुशी को रोकने की मुहिम में सामाजिक भागीदारी काफी अहम है, क्योंकि इसको लेकर हमारे समाज में कलंक, अपमान का बोध बहुत गहरा है। इसी वजह से लोग मदद मांगने आगे नहीं आते। वास्तव में, परिवार और आस-पड़ोस में कठिन हालात से गुजर रहे लोगों से जुड़कर, उनका हौसला बढ़ाकर हताशा में डूबने से उन्हें बचाया जा सकता है। यहां यह समझना बहुत जरूरी है कि समुदाय के लोग ही स्थानीय जरूरतों व प्राथमिकताओं की बेहतर पहचान करके समाधान खोज सकते हैं। इसलिए आत्महत्या की रोकथाम के विमर्श में ज्यादा से ज्यादा जन-भागीदारी से सुखद परिणाम हासिल करने की कोशिश होनी चाहिए, वरना यह मुद्दा सरकारी रिपोर्टों और शोध पत्रों से बाहर नहीं निकल पाएगा।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

झलकः रह गुजर विश्वास की

तुषार पुरोहित
पत्रकार
@jagrukjanta.net

जीव को कदम-कदम पर विश्वास की जरूरत। बिना इसके जीवन दूभर। चालक पर विश्वास, कि वह सही गंतव्य तक पहुंचा देगा। पथिक का विश्वास कि खामखा उससे कोई क्यों टकरायेगा। बैंक, दुकान, रेलवे, बस, स्कूल और अस्पताल। होड़-होड़ जीव को चाहिए अपनी सुरक्षा। भरोसे मन्द आश्रय। व्यापार, कारोबार, निर्माण। सभी विश्वास के बिना ठप।

विश्वास एक अनूठा मनोभाव, आत्मचेतना के अणु-अणु में घुन्ना विश्वास। सहजीवन, दामपत्य, मैत्री, श्रद्धा और प्रेम, सांसों की लय में ढला विश्वास। रिश्ता विश्वास का नाता भरोसे का। धानी में ज्यूं शील। हवा में जैसे गंध।

राहगीर, भरोस बिन जाती ना कोई डगर।
गर विश्वास नहीं, तो कैसी राह कैसी गुजर।।

विश्वास अपनों का अपनों पर। तथा विश्वास अपने आप पर। दरकार दानों की। आत्म विश्वास कहो या स्वावलम्ब। इसी पर टिकी साधन, सफलता और सिद्धी की त्रिकुटी।

गैरों से अपनों तक बंधी डोरी विश्वास की। फायदा क्या जो भरोसा नहीं अपने आप पर।

चोर, डाकू, साहूकार। सबका अपना अपना विश्वास। चोरों का विश्वास साहूकार पर। कि वह जागता न होगा। पॉकेटमार का विश्वास पर्स पर की वह नोटों से भरा होगा। डाकू का विश्वास गले में बंधे ताबीज पर कि मेरा बालबांक न होगा। उमांगें की गहरी पैंग झूलता विश्वास। हताशा, निराश की सूखी डाल पर डोलता अविश्वास। अन्तकरण की उपज विश्वास। बाहरी दिखावटी आचरण में पलता अविश्वास। विश्वास का धागा बहुत नाजुक। एकबार जो खंडित हो जाये, जुड़ा नहीं कभी।

टूटे से फिर ना मिले। मिले गांठ पड़ जाए।

मानवीय मूल्यों में अमनोल रत्न वचन की विश्वसनीयता। आदमी कौड़ी का, जो जुबान का न हो पक्का।

युगान्तकारी प्रतिष्ठा राम के पूर्वज हरिशचन्द्र की जिन्होंने सपने में दिये वचन की रक्षार्थ कष्टों की परवाह न की। रघुकुल की पहचान दी, प्राण जाई पर वचन न जाही। के रूप में हुई। वचन की विश्वसनीयता ही व्यक्ति की वास्तविकता कसौटी। वचन है तो साख है। साख या पैठ जो ठह गई तो क्या व्यवसाय, क्या कारोबार सब कुछ चौपट।

और अब चर्चा तनिक अंधविश्वास की। प्रचंड जिसकी माया, वह अंध विश्वास की छाया। बिल्ली ने रास्ता काट लिया, ठहरों। सामने से कोई छींक पड़ा, रूको। यह दिन अच्छा नहीं। यह अंक अशुभ। अमुक तिथि अमंगलकारी, भूतप्रेत डाकिनियों के भयावह मिथ खड़े करना, अंध विश्वास का पसंदीदा शगल। किसी को चुड़ैल घोषित कर देना, इसकी चुहल। वास्तु सगुन, स्वपन तथा सामुदायिक शात्रों में इसकी चहल। अमरीका के व्हाइट हाउस तक में इसकी टहल।

सभ्य, असभ्य, शिक्षित-अशिक्षित शहरी ग्राणी सभी तबकों में इसकी धमक। मजहब कौम, समुदाय। बाहर नहीं इसकी जद से। देव दानवों तक में यह व्याप्त। सोच ओर विज्ञान सब ओर इसकी घुसपैद। भ्रम इसकी सैना। संशय इसका ध्वज। गति विनाश की। गीता ने भी कहा, संशय आत्मा विनश्यति। वहम का इलाज तो हकीम लुकमान के पास भी नहीं है।

तो आज की यह झलक वचन की विश्वसनीयता के नाम। अस्तु!

तुषार 'निरपेक्ष'

सत्य दर्शन

।।श्री सद्गुरुदेव गोवर्धन पीठाधीश्वर श्री कृष्णदास कंचन महाराज ।।

सत्य दर्शन के आधार श्रीसद्गुरु देव

प्रत्याहारः (प्रति+आहार)। सांसारिक विषयों में बरोक-टोक विचरती हुई इन्द्रियों को बलपूर्वक रोक कर हटा लेना प्रत्याहार कहलाता है।

धारणाः धारणा का अर्थ है- चिन्तनीय वस्तु को मन में धारण किये रहना। उपासना में इसका अर्थ है- अविच्छित्र निरंतर स्मृति यानि चिंतन को आकांक्षा के साथ निरंतर जप। जब स्मृति निरंतर और अनवरत हो जाती है तब साधक भगवान में स्थित हो जाता है। एक अर्थ में यही स्मरण या मनन है। धारण का एक यह भी तात्पर्य बताया गया है - प्राण वायु को शरीर के किसी भाग में जैसे मूलाधार, भूमध्य, मस्तक, कपाल, हृदय, नासिकाग्र आदि में धारण कर लेना धारणा कहलाती है।

ध्यानः समाहित मन में चैतन्य, अन्तर्वर्ती, गुरू द्वारा बताये गए इष्टदेव का तैलधारावत, अविच्छित, निरंतर, ध्येयाकार वृत्ति रूप चिंतन करना ध्यान कहलाता है।

समाधिः जीवात्मा, परमात्मा की निसतय समत्व भावना समाधि कहलाती है। समाधि अनेक प्रकार की है। समाधि का विषय भी बहुत गहन और जटिल है। गुरू निर्दिष्ट मार्ग से अभ्यास करते करते समाधि की अवस्था तक पहुंचा जाता है। कुण्डलिनी जागरण आदि योग समाधि द्वारा ही साधे जाते हैं। कहते हैं जीवात्मा जाग्रत अवस्था में दाहिने नेत्र में स्वप्न कंठ देश में तथा सुषुप्ति में हृदय स्थित हिता नाम की नाड़ी में रहता है।

क्रमशः

जागरूक Selfie विद डॉटर

नविषा डॉटर ज्योति-डॉ. दीपक गुप्ता, कोटा

हमे लिखे

आप भी हमें अपने विचार, लेख, कविता, जन्मदिन की फोटो, सेल्फी विद सन/डॉटर भेज सकते हैं।

jagrukjantanews@gmail.com

सम्पर्क करें : **9829329070, 9928022718**

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक ज्ञानेन्द्र मिश्रा के लिए जैमन प्रिन्टर्स प्राइवेट लिमिटेड, जी-1-68, रोड नम्बर-14, वीकेआई, जयपुर से मुद्रित एवं प्रशासनिक और विज्ञापन कार्यालय : बी-132, जे.पी. कॉलोनी, सैक्टर-4, विद्याधर नगर, जयपुर-302039 से प्रकाशित। फोन : 0141-3587886

पंचांग

ज्योतिर्विद्
अक्षय
शास्त्री
अन्तरराष्ट्रीय स्वर्ण पदक विजेता

जागरूक जनता पंचांग, नक्षत्र, तिथि, चौघड़िया

सूर्योदय-सूर्यास्त, तिथि

बुधवार, 29/12/2021

सूर्योदय : 07:24 **सूर्यास्त :** 17:26 **चन्द्रोदय :** 02:08 **चन्द्रास्त :** 13:41 **शक सम्वत :** 1943 पलवा **अमान्ता महीना :** मार्गशीर्ष **पूर्णिमांत :** पौष **सूर्य राशि :** धनु **चन्द्र राशि :** तुला **पक्ष :** कृष्ण **तिथि :** दशमी, 16:07 तक **शक सम्वत :** 1943 प्लव **चन्द्रमास :** पौष - पूर्णिमान्त, मार्गशीर्ष - अमान्त **विक्रम सम्वत :** 2078 आनन्द **गुजराती सम्वत :** 2078 प्रमादी **वार :** बुधवार **द्रिक ऋतु :** शिशिर **द्रिक अयन :** उत्तरायण

नक्षत्र, योग, करण

नक्षत्र : स्वाति, 26:30 तक
योग : सुकर्मा, 25:10 तक
प्रथम करण : विष्टि, 16:07 तक
द्वितिय करण : बावा, 26:57 तक

शुभ समय

ब्रह्म मुहूर्त	: 05:24 ए एम से
प्रातः सन्ध्या	: 05:51 ए एम से
अभिजित मुहूर्त	: कोई नहीं
विजय मुहूर्त	: 02:07 पी एम से
गोधूलि मुहूर्त	: 05:23 पी एम से
सायाह्न सन्ध्या	: 05:33 पी एम से
अमृत काल	: 06:25 पी एम से
निशिता मुहूर्त	: 11:56 पी एम स

निवास और शूल
दिशा शूल : उत्तर में
राहु काल वास दक्षिण-पश्चिम में
चन्द्रवास : पश्चिम में
कुंभ चक्र: तल

चौघड़िया

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
लाभ	: 07:23 - 08:38	उद्वेग	: 05:25 - 07:10
अमृत	: 08:38 - 09:53	शुभ	: 07:10 - 08:55
काल काल वेला	: 09:53 - 11:09	अमृत	: 08:55 - 10:39
शुभ	: 11:09 - 12:24	चार	: 10:39 - 12:24
रोग वार वेला	: 12:24 - 01:39	रोग	: 12:24 - 02:09
उद्वेग	: 01:39 - 02:54	काल	: 02:09 - 03:54
चार	: 02:54 - 04:10	लाभ	: 03:54 - 05:38
लाभ	: 04:10 - 05:25	उद्वेग	: 05:38 - 07:23

अमृत, शुभ, लाभ और चर को शुभ चौघडिया माना जाता है एवं उदवेग, काल एवं रोग को अशुभ चौघडिया माना जाता है।

आज दशमी तिथि

आज कौन सा कार्य करें

राज संबंधी कार्य (सरकारी कार्य), व्रतबंध, प्रतिष्ठा, विवाह, यात्रा, भूषणादि के लिए शुभ होते हैं। यात्रा, शिल्प, चूड़ा कर्म, अन्नप्राशन व गृह प्रवेश शुभ है। ऋण नहीं देना चाहिए।

बुधवार को क्या करें

बुधवार की प्रकृति चर और सौम्य मानी गई है। यह भगवान गणेश और दुर्गा का दिन है। कमजोर मस्तिष्क वालों को बुधवार के दिन उपवास रखना चाहिए।

ये कार्य करें :- सूखे सिंदूर का तिलक लगाएं। बुधवार को दुर्गा के मंदिर जाना चाहिए। पूर्व, दक्षिण और नैऋत्य दिशा में यात्रा कर सकते हैं। इस दिन जमा किए गए धन में बरकत रहती है। मंत्रणा, मंथन और लेखन कार्य के लिए भी यह दिन उचित है। ज्योतिष, शेयर, दलाली जैसे कार्यों के लिए भी यह दिन शुभ माना गया है।

यह कार्य न करें:- उत्तर, पश्चिम और ईशान में यात्रा न करें। बुधवार को धन का लेन-देन नहीं करना चाहिए। बुधवार को लड़की की माता को सिर नहीं धोना चाहिए, ऐसा करने से लड़की का स्वास्थ्य बिगड़ता है या उसके समक्ष कोई कष्ट आता है।

नोट : शुक्ल पक्ष में एक से पंचमी तक तिथियां अशुभ कही गई हैं, क्योंकि इन तिथियों में चंद्रमा क्षीण बल होता है और चंद्र बल उन दिनों नहीं रहने से कार्य सफल नहीं होते हैं। इसी प्रकार कृष्ण पक्ष की एकादशी से अमावस्या तक तिथियों में चंद्र बल क्षीण होने से शुभ कार्य नहीं करने चाहिए।

राशिफल

पौष, कृष्ण, दशमी, 2078 बुधवार, 29 दिसम्बर 2021 - 4 जनवरी, 2022

मेष [चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ]
दूसरों से अपेक्षा न करें। किसी व्यक्ति के उकसाने में न आएं। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में लापरवाही न करें। महत्वपूर्ण निर्णय लेने में जल्दबाजी हानिकारक रहेगी।

वृषभ [ई,उ, ए, ओ, वा, वी, वु, वे, वो]
काम में मन नहीं लगेगा। आवश्यक वस्तु समय पर नहीं मिलने से रोष रहेगा। विवाद न करें। आय रहेगी। थकान महसूस होगी। आवश्यक व महत्वपूर्ण निर्णय लेने में जल्दबाजी न करें।

मिथुन [क, की,कु,घ, ड,छ,के,को,ह]
कुसगति से मानहानि तथा धनहानि हो सकती है। विवेक से कार्य करें। लेन-देन में जल्दबाजी न करें। किसी भी तरह के वाद-विवाद से दूर रहें। कार्य में विलंब होगा।

कर्क [हि, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो]
निवेश में जल्दबाजी न करें। आय बनी रहेगी। परिवार के साथ सुखमय जीवन व्यतीत होगा। तीर्थयात्रा का कार्यक्रम बन सकता है। पूजा-पाठ में मन लगेगा।

सिंह [मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टू, टे]
मित्रों के साथ समय प्रसन्नतादायक गुजरेगा। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। लाभ होगा। मन की चंचलता के चलते कोई ऐसा काम न करें जिससे कि अपमानित होना पड़े।

कन्या [टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो]
निवेश मनोनुकूल लाभ देगा। पारिवारिक सहयोग समय पर मिलेगा। प्रसन्नता में वृद्धि होगी। व्यावसायिक यात्रा लंबी रह सकती है व लाभदायक रहेगी।

तुला [रा, री, रू, रे, रो, ता, ती, तू, ते]
नौकरी में अधिकार बढ़ सकते हैं। भेंट व उपहार की प्राप्ति से संतोष तथा प्रसन्नता रहेगी। व्यापार-व्यवसाय लाभप्रद रहेगा। पार्टनरों का सहयोग मिलेगा।

वृश्चिक [तो,ना,नी, नू,या,यी,यू]
भूले-बिसरे साथियों से मुलाकात होगी। शुभ समाचार प्राप्त होंगे। प्रसन्नता में वृद्धि होगी। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। व्यापार से लाभ होगा।

धनु [ये, यो, भा, भी, भू, धा, फ, ढ, भे]
काम में मन नहीं लगेगा। नकारात्मकता रहेगी। किसी भी तरह के विवाद में न पड़ें। भागदौड़ रहेगी। थकान व कमजोरी महसूस होगी। नौकरी में मातहतों का साथ नहीं मिलेगा।

मकर [भो, जा,जी, जू, खा, खू, गा, गी,]
व्यापार-व्यवसाय मनोनुकूल लाभ देंगे। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रह सकता है। अनदेखी नहीं करें। नौकरी में कार्यभार रहेगा। शेयर मार्केट में जोखिम न लें।

कुंभ [गू, गे, गो,सा, सी, सू, से, सो, दा]
नौकरी में प्रशंसा मिलेगी। आने-जाने में जल्दबाजी न करें। थकान रहेगी। भूमि व भवन संबंधी बाधा दूर होकर कार्य में गति आएगी।व्यापार से लाभ होगा।

मीन [दी, दू, थे, झ, ञ, दे, दो, चा, चि]
आय से संतुष्टि रहेगी। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। शेयर मार्केट के काम मनोनुकूल लाभ देंगे। प्रयास सफल रहेंगे। बड़ा काम करने की योजना बनेगी।

आचार्य राजेश शास्त्री, जयपुर

बच्चों का वैक्सीनेशन : 1 जनवरी से 15 से 18 साल तक के बच्चे रजिस्ट्रेशन करा सकेंगे

3 जनवरी से वैक्सीनेशन शुरू

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

नई दिल्ली। देश में 3 जनवरी से 15 से 18 साल तक के बच्चों को कोरोना वैक्सीन लगाई जाएगी। इसके लिए 1 जनवरी से रजिस्ट्रेशन कराया जा सकेगा। कोविन प्लेटफॉर्म चीफ डॉ. आरएस शर्मा ने बताया कि इसके लिए कोविन ऐप पर रजिस्ट्रेशन कर सकेंगे। डॉ. आरएस शर्मा ने बताया कि 10वीं का ID कार्ड भी रजिस्ट्रेशन के लिए आइडेंटिटी प्रूफ माना जाएगा। ऐसा इसलिए क्योंकि कुछ स्टूडेंट्स के पास आधार कार्ड या फिर कोई दूसरा पहचान पत्र नहीं होगा।

वैक्सीनेशन के रजिस्ट्रेशन की प्रोसेस

- सबसे पहले कोविन ऐप पर जाएं। अपना मोबाइल नंबर डालें। OTP आएगा इसे डालकर लॉग इन करें।
- अब आधार कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस, पैन कार्ड, पासपोर्ट, पेंशन पासबुक, NPR स्मार्ट कार्ड, वोटर ID, यूनीक डिसएबिलिटी ID या राशन कार्ड में से कोई एक फोटो ID प्रूफ को चुनें।
- अपने द्वारा चुनी गई ID का नंबर, नाम डालें। इसके बाद जेंडर और डेट ऑफ बर्थ को चुनें।
- मेंबर ऐड होने के बाद आप अपने निकटतम एरिया का पिन कोड डालें। वैक्सीनेशन सेंटर की लिस्ट आ जाएगी।
- अब वैक्सीनेशन की डेट, टाइम और वैक्सीन को सिलेक्ट करें। सेंटर पर जाकर वैक्सीनेशन कराएं।
- वैक्सीनेशन सेंटर पर आपको रिफरेंस ID और सीक्रेट कोड की जानकारी देनी होगी। जो आपको रजिस्ट्रेशन करने पर मिलती है।
- इसी तरह आप अपने लॉग इन से दूसरे मेंबर को जोड़कर उनके वैक्सीनेशन रजिस्ट्रेशन कर सकते हैं।

कोवैक्सिन को 12 से 18 साल के बच्चों पर इमरजेंसी इस्तेमाल की मंजूरी

देश में अभी 15 से 18 साल के बच्चों को ही कोरोना की वैक्सीन लगाई जाएगी। उससे छोटी उम्र के बच्चों के वैक्सीनेशन पर सरकार ने फैसला नहीं लिया है। ड्रग्स कंट्रोलर ने भारत बायोटेक की कोवैक्सिन को 12 से 18 साल की उम्र के बच्चों के लिए इमरजेंसी इस्तेमाल की मंजूरी भले ही दे दी है, लेकिन सरकार ने अभी 15 से 18 साल के बच्चों का वैक्सीनेशन ही शुरू करने का फैसला लिया है।

देश में करीब 10 करोड़ बच्चे 15-18 साल की उम्र के

ऑफिशियल आंकड़ों के मुताबिक, देश में करीब 10 करोड़ बच्चे 15-18 साल की उम्र के बीच के हैं। सरकार का प्रयास होगा कि जल्द से जल्द इन बच्चों को वैक्सीन की पहली डोज लगा दी जाए। मालूम हो कि देश में बच्चों की वैक्सीन की मांग लंबे अरसे से की जा रही है।

30 से ज्यादा देशों में बच्चों को वैक्सीन लगाई जा रही

दुनियाभर के 30 से भी ज्यादा देश अलग-अलग शर्तों के साथ बच्चों को कोरोना वैक्सीन दे रहे हैं। क्यूबा में 2 साल से ज्यादा उम्र के बच्चों को वैक्सीन लगाई जा रही है, तो वहीं साउथ कोरिया, ऑस्ट्रेलिया और फिलिपींस में 12 साल से ज्यादा उम्र के बच्चों का वैक्सीनेशन हो रहा है।

दूसरी ओर प्रिकॉशन डोज में 9 महीने का अंतर जरूरी
डॉ. आरएस शर्मा के अनुसार अगर आप 60 साल के हैं और दोनों डोज ले चुके हैं तो दूसरी डोज और जिस दिन आप रजिस्टर कर रहे हैं, उसके बीच का अंतर 9 महीने (39 सप्ताह) से अधिक है तो आप योग्य हैं। बता दें कि 60 साल से ज्यादा उम्र वाले लोगों को 10 जनवरी से कोरोना वैक्सीन की प्रिकॉशन डोज दी जाएगी।

राजस्थान विश्वविद्यालय

31वां दीक्षांत समारोह 8 को, 120 विद्यार्थियों को गोल्ड मेडल मिलेगा

जयपुर @ जागरूक जनता। आरयू ने दीक्षांत समारोह की तैयारी शुरू कर दी है। समारोह 8 जनवरी को होगा। जिन विद्यार्थियों को गोल्ड मेडल दिया जाएगा, उनकी सूची विवि की वेबसाइट पर अपलोड कर दी गई है। विवि का कहना है जो विद्यार्थी समारोह में आना चाहते हैं वे निर्धारित प्रपत्र में सहमति दें। मेडल लेने के लिए ड्रेस कोड भी जारी किया गया है। पुरुष-महिला अभ्यर्थियों के लिए सफेद रंग की पोशाक तय की गई है। पुरुष सफेद कुर्ता-पायजामा और महिलाएं सफेद साड़ी या सलवार सूट में मेडल लेंगे। 117 विद्यार्थियों को गोल्ड मेडल मिलेगा। 3 डी लिट को भी मेडल मिलेगा। परीक्षा नियंत्रक डॉ. राकेश राव का कहना है समारोह में शामिल होने वाले विद्यार्थियों से सहमति मांगी गई है।

पुरुष सफेद कुर्ता-पायजामा और महिलाएं सफेद साड़ी में लेंगे मेडल

ऐसे दें समारोह में आने के लिए सहमति

विवि वेबसाइट से प्रपत्र डाउनलोड करके यूजी-पीजी की अंतिम वर्ष की अंकतालिका की प्रमाणित छायाप्रति एवं वैद्य पहचान पत्र के साथ अनुभागाधिकारी, उपाधि अनुभाग सरदार पटेल भवन कमरा नंबर 111 में जमा करा सकते हैं। सहमति 3 जनवरी तक दी जा सकेगी। दूसरी ओर, जयपुर में कोरोना के मामले लगातार बढ़ते जा रहे हैं और उधर, विश्वविद्यालय प्रशासन ने दीक्षांत समारोह की तैयारी तो प्रारंभ कर दी है।

विश्व आयुर्वेद परिषद से जुड़े ज्यादा से ज्यादा आयुर्वेद जगत के लोग-डॉ चांदवास

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

भिवानी। राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान मानद विवि

जयपुर मे पीजी एसोशियन के पूर्व जनरल सेक्रेटरी व पूर्व पीजी छात्र प्रकोष्ठ प्रभारी विश्व आयुर्वेद परिषद एनआईए डॉ भूपेंद्र शर्मा चांदवास ने प्रैस को जारी ब्यान मे आयुर्वेद जगत के लोगो से विश्व आयुर्वेद परिषद से जुड़ने का आहवान किया। डॉ शर्मा ने कहा कि वर्तमान समय मे देशभर मे विश्व आयुर्वेद परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं राजस्थान आयुर्वेद यूनिवर्सिटी जोधपुर के प्रोफेसर डॉ गोविंद सहाय शुक्ल के नेतृत्व मे सराहनीय कार्य कर रही है। धीरे-धीरे यह राष्ट्रीय स्तर पर अपना परचम लहरा रही है तथा संपूर्ण देश से विभिन्न प्रांतो के आयुर्वेद क्षेत्र के लोग विश्व आयुर्वेद परिषद से जुड़ रहे है। डॉ शर्मा ने कहा कि विश्व आयुर्वेद परिषद आयुर्वेद चिकित्सा पद्धति व आयुर्वेद हितो की रक्षा के लिए सैदव कार्यरत है तथा आयुर्वेद चिकित्सा पद्धति को आम लोगो तक पहुंचाने के लिए प्रयास्त है। डॉ शर्मा ने आयुर्वेद क्षेत्र के लोगो से अपील करते हुए कहा कि आयुर्वेद के हितो के लिए ज्यादा से ज्यादा लोग विश्व आयुर्वेद परिषद से जुड़े। इसके अलावा अपने आसपास व परिचित आयुर्वेद स्कॉलर्स तथा चिकित्सकों को भी जुड़ने के लिए प्रेरित करे।

प्रदेश में कोविड के बढ़ते संक्रमण के मद्देनजर प्रमुख शासन सचिव ने जारी किए विशेष दिशा-निर्देश

जयपुर @ जागरूक जनता। चिकित्सा विभाग के प्रमुख शासन सचिव अखिल अरोड़ा ने प्रदेश में कोविड के प्रकरणों की बढ़ती संख्या को देखते हुए सभी जिला कलेक्टरों को विशेष दिशा निर्देश जारी किए हैं। अरोड़ा ने कोविड-19 टीकाकरण को बढ़ावा देने, आमजन में कोविड-समुचित व्यवहार की पालना सुनिश्चित कराने तथा जिलो में चिकित्सा सुविधाओं के ढाँचे को मजबूत करने के लिये सत्त प्रयास करने की कार्यवाही किया जाना सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। निर्देशों के अनुसार जिला कलेक्टर के स्तर पर कोविड-19 के आ रहे केसेज की सतत समीक्षा किये जाकर कोविड-19 के मरीजों की प्रभावी कान्ट्रेक्ट ट्रेसिंग एवं आईसोलेशन की व्यवस्था सुनिश्चित करने, राज्य में सैम्पलिंग को बढ़ाने एवं प्रभावी सैम्पलिंग करने के लिये समय-समय पर विस्तृत दिशा-निर्देश दिये गये हैं तथा निर्देशों की अनुपालना करते हुये न्यूनतम 500 सैम्पल प्रति मिलियन जनसंख्या को लक्ष्य करते हुये सैम्पल लिये जावे स्थानीय आवश्यकता एवं कोविड-19 के प्रकरणों की संख्या को देखते हुये इसमें आवश्यकतानुसार वृद्धि की जाये। कोविड-19 के प्रकरणों में पॉजिटिविटी की जिला एवं ब्लॉक स्तर पर लगातार समीक्षा किये जाने की आवश्यकता है।

राजस्थान गौरव रत्न सम्मान से 51 प्रतिभाए सम्मानित

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। एस रंधावा राज प्रोडक्शन व आईबीसीसी हेल्पिंग हैंड सामाजिक संस्था के संयुक्त तत्वाधान में होटल सफारी जयपुर में राजस्थान गौरव रत्न सम्मान समारोह 2021 सीजन 2 का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम आयोजक शिंपी रंधावा, कार्यक्रम प्रबंधक कुलवंत सिंह हुडील संस्थापक आईबीसीसी हेल्पिंग हैंड सामाजिक संस्था, कार्यक्रम संरक्षक उदय चंद बारूपाल सेवानिवृत्त जिला न्यायाधीश जयपुर, कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पवन गोयल अध्यक्ष गोपालपुरा व्यापार मंडल जयपुर,कार्यक्रम अध्यक्ष अर्जुन कुर्मी अध्यक्ष ग्रीन यूथ लुंबिनी नेपाल, विशेष अतिथि बीएल भाटी अधीक्षण अभियंता सार्वजनिक निर्माण विभाग जयपुर,अतिथि डॉ.सुमन मोरया सहायक प्रो. राजस्थान विश्वविद्यालय जयपुर, डॉ.डीआर माल्या अध्यक्ष समर्पण संस्था जयपुर, कार्यक्रम ब्रांड एंबेसडर मंजू राठौर और जया राठौड़ जोधपुर और अन्य टीम सदस्य उपस्थित रहे। आयोजक शिंपी रंधावा ने बताया कि इस कार्यक्रम में संपूर्ण भारत वर्ष से 51 प्रतिभाओं को चयनित कर सम्मानित किया गया है जोकि अलग-अलग क्षेत्रों में अपनी एक अलग पहचान बनाकर भारत का नाम विदेशों में भी रोशन कर रहे हैं। आगे उन्होंने बताया कि कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य हर उस प्रतिभा को मंच देना है जो निरंतर अपना सहयोग सामाजिक क्षेत्र में देते आ रहे हैं।

सीबीएसई : सिंगल गर्ल चाइल्ड स्कॉलरशिप के लिए आवेदन 17 जनवरी तक

अजमेर @ जागरूक जनता। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड ने एकल बालिका संतान स्कॉलरशिप के लिए 17 जनवरी 2022 तक आवेदन मांगे हैं। इस संबंध में CBSE की ओर से दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। सचिव के अनुसार, स्कॉलरशीप छात्रवृत्ति योजनाओं के तहत अवार्ड के लिए संबंध विद्यालयों से कक्षा 2021 उत्तीर्ण करने वाले एवं वर्ष 2020 में छात्रवृत्ति प्राप्त एकल बालिका संतान के 2021 में नवीनीकरण के लिए पात्र विद्यार्थियों से ऑनलाइन आवेदन मांगे है। विवरण और पात्रता की शर्तों के साथ योजना का आवेदन फार्म बोर्ड वेबसाइट www.cbse.gov.in के छात्रवृत्ति लिंक पर उपलब्ध है। आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि 17 जनवरी 2022 है।

जागरूक खबरें

फिजियो अवार्ड सम्मान समारोह में डॉ उज्जैनिया हुए

जयपुर @ जागरूक जनता। विद्याधर नगर में री-लाइफ फिजियोथेरेपी की और से फिजियो अवार्ड सम्मान समारोह आयोजित कर प्रदेश के विभिन्न फिजियो को अवार्ड देकर सम्मानित किया गया। सोनाका फिजियोथेरेपी एवं रिहैबिलिटेशन केयर, जयपुर के फिजियोथेरेपिस्ट डॉ दीपक कुमार उज्जैनिया को भी "बेस्ट फिजियोथेरेपिस्ट अवार्ड" से सम्मानित किया गया । इस मौके पर डॉ उज्जैनिया ने कहा कि वो बहुत खुश है कि उनकी वजह से उनके माता-पिता का सीना गर्व से चौड़ा हो गया है। वे बेहद सम्मानित महसूस कर रहे है। ज्ञातव्य है कि डॉ. उज्जैनियां जो कि किशनगढ़ -रेनवाल, जयपुर निवासी है एवं निम्स चंदवाजी से अपना अध्ययन कार्य पूरा कर अपोलो जैसे प्रसिद्ध चिकित्सालय में कार्य किया।

10 दिवसीय एडमिनिस्ट्रेटिव रोड सेफ्टी एडवोकेसी " प्रोग्राम 27 से

जयपुर @ जागरूक जनता। विद्याधर नगर स्थित बियानी शिक्षण संस्थान द्वारा 27 जनवरी से 8 फरवरी तक दस-दिवसीय" एडमिनिस्ट्रेटिव रोड सेफ्टी एडवोकेसी "प्रोग्राम का आरम्भ किया गया। यह रोड सेफ्टी अवेयरनेस प्रोग्राम 27 जनवरी से 8 फरवरी तक चलेगा। इस दस दिवसीय रोड सेफ्टी प्रोग्राम में रोड सेफ्टी अवेयरनेस पर सेमिनार किया जायेगा। जिसमें एक्सपर्ट्स द्वारा एक्सीडेंट के कारणों, ट्रैफिक नियम, मोबाइल फोन का इस्तेमाल ,वाहनों की गति तथा रोड पर ओवरटेक करने जैसे विषयों पर चर्चा की जाएगी। इसके साथ ही कॉलेज की छात्राओ को प्रैक्टिकल ट्रेनिंग भी दी जाएगी। इस प्रोग्राम में लोगों को जागरूक करने के लिए ब्रोशर, वाहनों को चलाने के नियमो के लिए किताब, लोगों के क्रेरीज को जानने के लिए प्रश्न-सेट बांटे जायेंगे। पोस्टर- मेकिंग कॉम्पीटीशन, फ्लेक्स - डिस्प्ले, तथा रोड अवेयरनेस रैली द्वारा रोड सेफ्टी एंड एडवोकेसी के लिए लोगों को जागरूक किया जाएगा। रोड सेफ्टी अवेयरनेस प्रोग्राम की शुरुआत में बियानी शिक्षण संस्थानके चेयरमैनराजीव बियानी, एजुकेशनल डायरेक्टर प्रो. डॉ. संजय बियानी और प्रिंसिपल डॉ.नेहा पांडेय नेसभी आमंत्रित अतिथियों का वेलकम किया, कार्यक्रम में एडिशनल डी एस पी, सुनीता मीणा, (डिस्ट्रिक्ट ट्रांसपोर्ट ऑफिसर, भीलवाड़ा) डॉ. वीरेंद्र सिंह राठौड़, जेएसओ (डायरेक्टरेट सिविल डिफेन्स राजस्थान) फूलचंद चौधरी, कंट्रोलर (सिविल डिफेन्स, कलेक्ट्रेट, जयपुर), एसएचओ (सदर, जयपुर वेस्ट), पृथ्वी सिंह मुख्य अतिथि रहेंगे।

खांडल विप्र विप्र परिषद का राष्ट्रीय अधिवेशन एवं सम्मान समारोह आयोजित

जयपुर @ जागरूक जनता। खांडल विप्र परिषद का राष्ट्रीय अधिवेशन एवं सम्मान समारोह बिरला ऑडिटोरियम में आयोजित किया गया। राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ उमेश कुमार शर्मा के अनुसार कार्यक्रम में समाज के राज्य भर से वरिष्ठ गणमान्य जनों के अलावा युवाओं ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया इस मौके पर रक्तदान शिविर में 63 यूनिट रक्त एकत्रित हुआ। आयोजन में समाज के प्रमुख पदाधिकारियों ने समाज की विशेष उपलब्धियों के बारे में बताया गया । कार्यक्रम में मुख्य अतिथि आईपीएस श्री हरिप्रसाद रुथला ने ब्लड डोनेशन कैंप का उद्घाटन किया इस मौके पर युवाओं ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। सम्मेलन के मुख्य अतिथि हाथोज धाम के स्वामी बालमुकुंद आचार्य जी महाराज की उपस्थिति में सम्मेलन प्रारंभ हुआ। इस मौके पर विशेष अतिथि भागीरथ शर्मा रिटायर्ड आईएएस राजकुमार रिणवा पूर्व मंत्री राजस्थान सरकार जस्टिस महावीर गोठला, मांडलगढ़ विधायक गोपाल खंडेलवाल ने कार्यक्रम को संबोधित किया। इसके बाद अवॉर्ड सेरेमनी आयोजित की गई जिसमें मुख्य अतिथि कैबिनेट मंत्री राजस्थान सरकार महेश जोशी ने अपने विचार व्यक्त किए और खांडल समाज के विशेष योगदान पर परिषद को धन्यवाद दिया। इस मौके पर कंजूमर कमिश्नर राजस्थान सरकार के अध्यक्ष बनवारी लाल शर्मा देवस्थान विभाग के अध्यक्ष एसडी शर्मा डायरेक्टर दूरदर्शन केंद्र हिसार राजकुमार नाहर समाजसेवी सुभाष पाराशर सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

मारवाड़ी घोड़ा: अगली पांच पीढ़ियां बचाने और बढ़ाने के लिए डीएनए टेस्ट, सीमन बैंक तैयार

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। महाराणा प्रताप के मारवाड़ी घोड़ चेतक को कौन भूल सकता है? रेशमी बालों, घूमे हुए कान और लगभग 16 हाथ का कद। इसी नस्ल के काले घोड़े की हाल ही महाराष्ट्र में 5 करोड़ रुपए बोली लगी, लेकिन मालिक ने बेचने से मना कर दिया। मारवाड़ी घोड़ों की सही पेरेंटेज की पहचान और इनका राजस्थान से पलायन रोकना चुनौती है। इंडिजिनस हॉर्स सोसाइटी ऑफ इंडिया और हिसार स्थित नेशनल रिसर्च सेंटर ऑन इक्वाइन्स ने इसकी जिम्मेदारी ली है। बीकानेर के इक्वाइन प्रोटेक्शन सेंटर ने कुछ साल पहले मारवाड़ी घोड़ों के संरक्षण के लिए एक प्रोजेक्ट शुरू किया था,

जिसके तहत 50 घोड़ों के डीएनए की मैपिंग हुई जिससे अगली पांच पीढ़ियों में मारवाड़ी नस्ल का मूल स्वरूप फिर से मिल सके। एनआरईसी हिसार के डायरेक्टर डा. यशपाल ने बताया कि सीमन फ्रीजिंग तकनीक की मदद से अच्छे घोड़ों का सीमन लिक्विड नाइट्रोजन में लगभग 20 सालों तक फ्रीज किया जा सकता है। हिसार सेंटर के पास 1500-1600 सीमन डोज हैं जिनमें से 600 सिर्फ मारवाड़ी घोड़ों की डोज हैं। राजस्थान सरकार से हाल ही हुए अनुबंद के तहत अब जल्द ही फ्रोजन सीमन राजस्थान में मारवाड़ी घोड़ों की प्रमुख ब्रीडिंग बेल्ट में उपलब्ध करवाया जाएगा। मारवाड़ी और दूसरी देसी नस्लों के घोड़ों की गर्दन के बालों के सैंपल की डीएनए पेरेंटेज की जांच हो रही है और घोड़ों का पूरा रिकॉर्ड कॉन्फिडरेशन ऑफ इंडिजिनस हॉर्स सोसाइटजी रखती है।

ANCHOR **कोरोना का पॉजिटिव इफेक्ट**

देश में परिवार टूटने की रफ्तार 43% घटी, प्रदेश में तलाक के केस हुए आधे

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। देश-दुनिया में ओमिक्रॉन का खतरा मंडरा रहा है। कहीं नाइट कर्फ्यू तो कहीं एक बार फिर से तीसरे दौर की पाबंदियां लागू की जा रही हैं। लेकिन, इस सब के बीच रिश्तों में सकारात्मक बढ़ रही है। यह संभव हुआ है कोरोना महामारी और 2 साल में लगे 2 बड़े लॉकडाउन के दौरान। चार दिवारी में बंद होने से देश में परिवार, रिश्तेदारों एवं दोस्तों के बीच रिश्ते-नातों में बड़ा बदलाव देखने को मिला है।

रिश्तों की प्रगाढ़ता ही नहीं बढ़ी बल्कि, लोग परिवार की चिंता भी करने लगे हैं। पास रहने से उन्हें रिश्तों की अहमियत भी समझ में आने लगी है। पारिवारिक रिश्तों में आई इस बेहतरी को देश भर की 732 फैमिली कोर्ट में पिछले 3 साल में दर्ज मामले भी बयां कर रहे हैं। देशभर के पारिवारिक न्यायालयों में 2019 में फाइल प्रकरणों की तुलना में 43

प्रतिशत तक की कमी आई है। राजस्थान के लिहाज से यह कमी 55 प्रतिशत से भी ज्यादा रही है। कुल मिलाकर रिश्तों में आ रही दरारों को भरा है इस कोरोना काल ने। इसकी बड़ी वजह यह भी रही कि देशभर में लाखों लोगों ने अपनों को खोने का दुख झेला तो करोड़ों ने बीमारी से संघर्ष करते अपनों को देखा। यही वजह रही कि परिवारिक रिश्तों में और मजबूती देखने को मिली। या यूं कहें एक वायरस से हमारे रिश्तों को हमेशा के लिए बदलकर रख दिया।

जानकार मानते हैं कि नौकरियां चली गईं और बचत खत्म होने को आई। फिर भी लोगों ने आपा नहीं खोया, साथ भी रहे और दुखों के बीच खुश भी। चाहें जैसी भी परिस्थितियां रही हो लोगों ने एक-दूसरे का साथ दिया। यही वजह है कि परिवार टूटने के मामलों में गिरावट आई है।

साल 2019 की तुलना में इस साल तलाक में 41% की कमी आई है

कोरोना काल और लॉकडाउन में लोगों में एक दूसरे की मदद करने का भाव बढ़ा है। देश के 732 पारिवारिक न्यायालयों में साल 2019 में 8 लाख 34 हजार से ज्यादा तलाक के मामले फाइल हुए थे, जो 2020 में 43 प्रतिशत तक घटकर 4 लाख 73 हजार रह गए और इस साल अक्टूबर तक 4 लाख 94 हजार। गत वर्ष की तुलना में करीब 21 हजार मामले बढ़े हैं, लेकिन 2019 की तुलना में इस साल भी तलाक के मामलों में 41 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई है।

राजस्थान में 2019 में 39935 केस आए और इस साल 17703

लॉकडाउन में लोग एक ही छत के नीचे रहने को मजबूर हुए। व्यस्तता भरी जिंदगी में बेटा-बेटी, पति-पत्नी एवं रिश्तेदारों से बात नहीं होती थी, वह होने लगी। परिवार टूट ने से बचने भी लगे। प्रदेश की 47 फैमिली कोर्ट में 2019 में 39935 मामले फाइल हुए थे, जो 2020 में 21518 (46%) रह गए। अच्छी बात यह है कि 2021 में अक्टूबर तक 17703 मामले ही कोर्ट तक पहुंचे हैं, जो 2019 की तुलना में 55% तक कम हुए हैं।

फैमिली कोर्ट

देश भर में : 732 **राजस्थान में :** 47

देश भर में : 2019 में 834138 दर्ज, जो 2020 में घटकर 473549 रह गए।
राजस्थान में : 2019 में 16941, जो 2021 में घटकर 17703 तक आ गए।

जागरूक खबरें

भारत विकास परिषद ने किया तुलसीपूजन

जयपुर @ जागरूक जनता। केशव पार्क विद्याधर नगर मे भारत विकास परिषद शाखा अंबाबाड़ी-मुरलीपुरा ने तुलसीपूजन का भव्य आयोजन किया। प्रांतीय मिडिया प्रकल्प प्रमुख नगेन्द्र वशिष्ठ ने बताया कि कार्यक्रम मे उत्तर-पूर्व प्रान्त राजस्थान के अध्यक्ष एस. के. सक्सेना, महासचिव रणवीर सिंह त्यागी, शाखा संरक्षक प्रदीप शर्मा, बी.एल. छीपा, शाखा अध्यक्ष बीना पारीक, सचिव लोकचंद हरिरामानी, सुरेश खंडेलवाल, बाबू लाल रामचंदानी एवं करीब 50 महिला सदस्यओं ने तुलसी पूजन विधि विधान से किया। पूजन के उपरांत वरिष्ठ सदस्य बजरंग लाल ने के पौधों का वितरण किया एवं आभार ज्ञापित कर कार्यक्रम समापन की घोषणा की।

ताल 2021 में कथक देख झूमे श्रोता

जयपुर @ जागरूक जनता। अग्रवाल एजुकेशनल कल्चरल एण्ड वेलफेयर सोसाइटी द्वारा आयोजित "ताल"2021 का आयोजन रविन्द्र मंच जयपुर में किया गया। संस्था की अध्यक्ष डॉ स्वाति अग्रवाल ने बताया कि इसमें 100 छात्राओं ने अपने कथक नृत्य की प्रस्तुति दी। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि कला एंव संस्कृति मंत्री डॉ बी. डी. कल्ला जी थे। इस अवसर पर वरिष्ठ कला समीक्षको इकबाल खान, श्री सर्वेश भट्ट व एम. ए. कुरेशी का उनकी सेवाओं के लिए सम्मान किया गया। छात्राओं ने कार्यक्रम का प्रारंभ गणेश वंदना से किया। उसके पश्चया, स्तुति, ताल त्रिताल में कथक, तराना, भजन आदि की सुन्दर प्रस्तुति दी जिसमें चार्वी, अदिति, गौरवी, ऐशवी, स्नेहल, भावना, खुशी, संस्कृति, ज्योत्सना, ज्हानवी आदि ने सुन्दर नृत्य का प्रस्तुतिकरण किया।

द ग्रेव ऑफ एन अलाईव पुस्तक का किया विमोचन

जयपुर @ जागरूक जनता। सियाराम मैरिज गार्डन झोटवाड़ा में एसएम फाउंडेशन की ओर से सम्मान समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में फाउंडेशन की ब्रांड एम्बेसडर एवं भाजपा जयपुर मीडिया प्रभारी शिल्पी सैनी उपस्थित रहीं । समारोह में मुख्य अतिथि के तौर पर कला जगत से गुलाबो सपेरा, जेआईटी इंस्टिट्यूट के डायरेक्टर अनिल शर्मा, व्यापार जगत से मुकेश विदावत व बसन्त जैन उपस्थित रहे। कार्यक्रम के आयोजक एसएम फाउंडेशन के डायरेक्टर डॉ. कमल शर्मा ने कला, शिक्षा व्यापार और चिकित्सा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले लोगों को सम्मानित किया। साथ ही समाज सेवी व लेखिका बबीता शर्मा की सुपुत्री कु. मिनल शर्मा की लिखी पुस्तक "Tha Grave of an Alive " का विमोचन भी किया गया ।

वृंदा गार्डेन सोसायटी में आधार सेवा केंद्र कैम्प का आयोजन रविवार को

जयपुर @ जागरूक जनता। समस्त वृंदा रेजिडेंट्स में भारत सरकार से मान्यता प्राप्त मेरा आधार मेरी पहचान आधार सेवा केंद्र का एक दिवसीय कैम्प का आयोजन आर बी एल बैंक के तत्वावधान में किया जाएगा। सोसायटी के मेंबर एडवोकेट आशिष गौतम ने बताया आर बी एल बैंक के राजस्थान क्लस्टर हेड जितेन्द्र बोदानी के अनुसार कैम्प बिल्कुल नि:शुल्क रूप से वृंदा गार्डेन परिसर में लगाया जाएगा जिसमे समस्त करवाई रैटिना स्कैन, बायोमेट्रिक स्कैन से आवेदन प्रक्रिया पूर्ण की कि जाएगी। कैम्प में मुख्य रूप से जो रेजिडेंट्स यहां के नए निवासी हैं उन्हें आधार घर का पता अपडेट,मोबाइल नंबर, नए आधार बनाने, ईमेल द्वारा अन्य किसी भी तरह का आधार से सम्बन्धित जानकारी को अपडेट करना हैं तो कैम्प के माध्यम रेजिडेंट्स अपडेट करा सकते हैं। कोविड प्रोटोकोल के नियमों को ध्यान में रखते कैम्प को आयोजित किया जाएगा।

अक्षेंद्र वेलफेयर सोसायटी द्वारा चैरिटी वर्क

जयपुर @ जागरूक जनता। समाजसेवा की दिशा में आगे रहने वाले रावत एजुकेशनल ग्रुप के निदेशक, एजुकेशनिस्ट, मोटिवेशनल स्पीकर एवम अक्षेंद्र वेलफेयर सोसायटी के सचिव नरेंद्र सिंह रावत ने अपने पुत्र अक्षेंद्र के प्रथम जन्मदिवस के अवसर पर स्थापित अक्षेंद्र वेलफेयर सोसायटी द्वारा जरूरतमंदों के लिए वस्त्रदान एवम भोज्य पदार्थ दान कार्यक्रम आयोजित किया। इस अवसर पर सैंकड़ों जरूरत मंद लोगों को कंबल बाटे गए एवम खाद्य सामग्री दी गई। कार्यक्रम में रावत एजुकेशनल ग्रुप के चेयरमैन एवम अक्षेंद्र वेलफेयर सोसायटी के अध्यक्ष बी एस रावत, कोषाध्यक्ष डॉ अक्षिता रावत,सदस्य मधुसूदन दाधीच,आनंद पांडे सहित समस्त रावत परिवार के सदस्य के साथ स्नेहीजनों ने भाग लिया। अक्षेंद्र वेलफेयर सोसायटी,वॉयस ऑफ ह्यूमैनिटी की स्थापना मानव कल्याण हेतु की गई है। इसका मुख्य उद्देश्य परहित हेतु अपना सहयोग देना है। रावत के अनुसार भविष्य में भी समाज सेवा के हर क्षेत्र में निरंतर प्रयास कर के समाज के विभिन्न वर्गों को लाभ पहुंचाने हेतु सोसायटी की अनेक योजनाएं विचाराधीन हैं।

फॉर्च्यून सोशल वेलफेयर कार्यक्रम आयोजित

जयपुर @ जागरूक जनता। फिटनेस गुरुकुल डॉट को (हेल्थ एंड वेल्थ प्रोग्राम) एवं शूभ सेवा ट्रस्ट (रोटी बैंक जयपुर) द्वारा क्रिसमस पर्व पर फॉर्च्यून सोशल वेलफेयर प्रोग्राम का आयोजन किया गया। जिसके अंतर्गत बाईस गोदाम जयपुर में बच्चों को मिठाई एवं कपडो का वितरण किया गया। वहा उपस्थित उमेश नैनीवाल,अनुराधा पहाड़िया, लोकेश उज्जैनिया, अनिता झिंगोनिया, अक्षित मौर्य, अक्षरा मौर्य, सुजाता मौर्य, गिर्राज, राजश्री, आशा, सूरज एवं सभी बच्चों, महिलाओं ने उत्साह के साथ भाग लिया। फिटनेस गुरुकुल डॉट को उन लोगों का समूह हैं जो अन्य लोगो को स्वस्थ रहने में मदद करने, एवं रोजगार के अवसर उपलब्ध करवाता है। इनके मुख्य मीडिया प्रवक्ता राजेश कुमार मौर्य ने बताया कि फिटनेस गुरुकुल डॉट को एवं शूभ सेवा ट्रस्ट (रोटी बैंक जयपुर) के एक साथ आने से सामाजिक, आर्थिक एवं स्वास्थ के छेत्र में किये जाने वाले कार्यो को प्रगति मिलेगी।

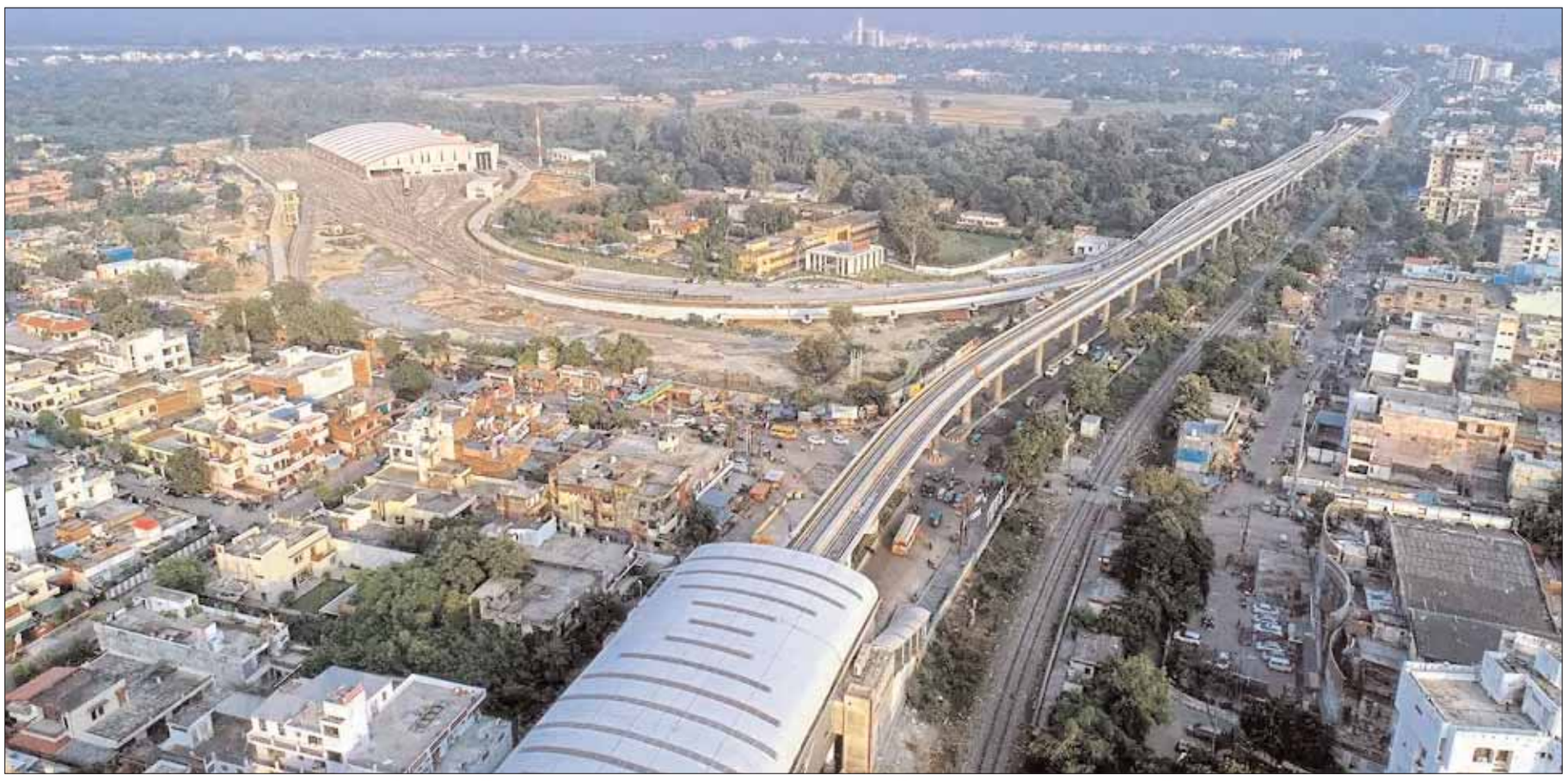

कानपुर मेट्रो की लंबाई 32.5 किलोमीटर है, कानपुर मेट्रो में दो कॉरिडोर हैं, आम लोगों के लिए मेट्रो सेवाएं आज से

कानपुर मेट्रो : मोदी बने पहले यात्री, साथ में सीएम योगी भी रहे मौजूद

पीएम मोदी ने किया कानपुर मेट्रो का उद्घाटन

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

कानपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज (मंगलवार को) कानपुर मेट्रो रेल प्रोजेक्ट का उद्घाटन किया. पीएम मोदी आईआईटी कानपुर मेट्रो स्टेशन पर मेट्रो ट्रेन में सवार हुए और इस सेवा के पहले यात्री बने। उनके साथ केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी और यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी थे।

कानपुर मेट्रो में होंगी ये सुविधाएं

बता दें कि कानपुर मेट्रो रेल प्रोजेक्ट में दो गलियारे शामिल हैं और इसकी लंबाई 32.5 किलोमीटर है। पहला कॉरिडोर आईआईटी-कानपुर से नौबस्ता तक 23.8 किलोमीटर लंबा है जबकि चंद्रशेखर आजाद कृषि विश्वविद्यालय से बर्रा-8 तक दूसरा कॉरिडोर 8.6 किलोमीटर लंबा है। बुधवार से रोजाना मेट्रो की सेवाएं सुबह 6 बजे से रात दस बजे तक उपलब्ध रहेंगी। शुरुआत में क्यूआर कोड के साथ टिकट उपलब्ध होगा और बाद में यात्रियों के लिए स्मार्ट कार्ड भी पेश किए जाएंगे।

ग्रीन बिल्डिंग कोड के साथ बनाई गई है कानपुर मेट्रो

जान लें कि कानपुर मेट्रो प्रायोरिटी सेक्शन पर आईआईटी-कानपुर से मोतीझील तक तीन डिब्बों के साथ चलेगी(ग्रीन बिल्डिंग कोड और मानकों के कड़े अनुपालन के कारण,

इसे पर्यावरण प्रबंधन के लिए आईएसओ-14001 प्रमाणन और सुरक्षा प्रबंधन के लिए आईएसओ-45001 प्रमाणन के साथ प्रमाणित किया गया है। इस प्रोजेक्ट को ग्रीन बिल्डिंग कोड के अनुसार विकसित किया गया है जो इसे पर्यावरण के लिए सुरक्षित बनाता है।

दो साल में बनकर तैयार हुई कानपुर मेट्रो

गौरतलब है कि प्रायोरिटी कॉरिडोर के सभी नौ स्टेशनों को इंडियन ग्रीन बिल्डिंग काउंसिल द्वारा प्लेटिनम रेटिंग से प्रमाणित किया गया है। 15 नवंबर, 2019 को योगी आदित्यनाथ ने कानपुर मेट्रो के सिविल निर्माण कार्य का उद्घाटन किया था। इस साल 10 नवंबर को मेट्रो का ट्रायल रन किया गया था।

भारत को हिन्दूराष्ट्र घोषित करें भाजपा, विहिप और आरएसएस-देवेन्द्र

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। भारत को हिन्दू राष्ट्र घोषित किया जाए ये मांग भारतीय जनता पार्टी राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ एवं विश्व हिंदू परिषद को भी करनी चाहिए, क्योंकि वर्तमान में केंद्र में भारतीय जनता पार्टी की सरकार है या सिर्फ़ हिंदुओं को वोट बैंक के लिए इस्तेमाल किया जा रहा है। भगवा रक्षा दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष देवेन्द्र शर्मा (रींगस) ने कहा कि जब नरेन्द्र मोदी प्रधानमंत्री भारत सरकार नोटबंदी कर सकते हैं और अन्य कई कानून लागू कर सकते हैं तो हिंदुराष्ट्र की घोषणा में किस बात की देरी। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ गौ माता की रक्षा की बातें करता है तो 2014 से केंद्र में भारतीय जनता पार्टी की सरकार होते हुए भी गौ रक्षा कानून लागू नहीं किया गया और कत्ल खाने चल रहे हैं।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी मन की बात में कभी हिंदुराष्ट्र के लिए नहीं बोलते हैं और ओवैसी खुले मंच पर पुलिस को धमकी दे रहा है और कोई गिरफ्तारी नहीं होती है। अगर ये ही बात किसी हिंदू संगठन के व्यक्ति ने कही होती तो उस मुकदमे दर्ज हो जाते और लम्बे समय तक जमानत याचिका भी मंजूर नहीं होती। भारत में हिंदुओं के साथ ही दोहरी नीति अपनाई जा रही है।

खांडल जिलाध्यक्ष मनोनीत

जयपुर @ जागरूक जनता। भगवा रक्षा दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष देवेन्द्र शर्मा ने जोधपुर के प्रकाश खांडल को व्यापार प्रकोष्ठ जोधपुर का जिलाध्यक्ष नियुक्त किया है।

शंकर लाल राष्ट्रीय प्रदेश सचिव नियुक्त

जयपुर @ जागरूक जनता। भगवा रक्षा दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष देवेन्द्र शर्मा ने शंकर लाल शर्मा को व्यापार प्रकोष्ठ में प्रदेश सचिव नियुक्त किया है।

बिरला व्हाइट सीएसआर विभाग ने जरूरतमंदों के बीच बांटे कंबल

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

खारिया खंगार। एकाएक बढ़ती ठंड से गांवो में ठिठुर रहे गरीब असहायों के बीच अल्ट्राटेक सीमेंट लिमिटेड यूनिट बिरला व्हाइट के वरिष्ठ उपाध्यक्ष अनुज कुमार शर्मा के मार्गदर्शन मे चलाए जा रहे कार्य के अन्तर्गत दि आदित्य बिरला सेन्ट्रर फॉर कम्युनिटी इनिसिएटीव एण्ड रूरल डेवलपमेंट के तत्वावधान में संचालित ग्रामीण विकास कार्यक्रम के तहत अल्ट्राटेक सीमेंट लिमिटेड यूनिट बिरला व्हाइट खारिया खंगार सीएसआर विभाग द्वारा दिनांक 28 दिसम्बर को तत्वावधान में संचालित ग्रामीण विकास कार्यक्रम के तहत क्षेत्र के गाँव धनापा में नि:शुल्क कम्बल वितरण का कार्यक्रम सीएसआर वीभाग की ओर से आयोजित किया गया। जिसमें कुल 120 लोगो से अधिक असहाय व जरूरतमंदो को कम्बल वितरीत किया गया जिसमे अधिकतर बुजुर्ग महिलाएं थी। समारोह के मुख्य अतिथि बिरला व्हाइट के सहायक उपाध्यक्ष माइंस के पी सिंह, वरिष्ठ प्रबंधक दिलीप सिंह सोढा उपस्थित रहे। सीएसआर विभाग के ग्रामीण विकास अधिकारी रामकुमार सिंह शेखावत,अरुण कुमार सिंह एवं सरपंच राम स्वरूप कस्बा, समाजसेवी भंवर लाल मुंडेल एवं गांव से पधारे बुजुर्ग पुरूष एवं महिलाए समारोह में उपस्थित रही।

मेगा कैम्प में वितरित किए पट्टे, राशन कार्ड, जन्म प्रमाण पत्र

प्रशासन शहरों के संग

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

चौमूं। नगर पालिका द्वारा प्रशासन शहरों के संग अभियान 2021 के तहत रेल्वे स्टेषन खेल ग्राउण्ड में मेगा कैम्प का आयोजन नगर पालिका अध्यक्ष विश्णुकुमार सैनी की अध्यक्षता में किया गया। कैम्प में उपखण्ड अधिकारी राहुल जैन, तहसीलदार कृश्णा षर्मा, वीडीओ भागीरथमल मीणा, पूर्व विधायक भगवान सहाय सैनी, अधिशाषी अधिकारी वर्षा चौधरी उपस्थित थे।

नगर पालिका द्वारा प्रषासन षहरों के संग अभियान 2021 में पूर्व विधायक भगवान सहाय सैनी, चैयरमेन विश्णकुमार सैनी, उपखण्ड अधिकारी राहुल जैन, अधिषाशी अधिकारी वर्शा चौधरी द्वारा 70 पट्टे वितरित किये गये जिनमें स्टेटग्राण्ट एक्ट 9, नियमन पट्टे 61 वितरित किये गये। आज पुलिस थाना चौमूं को पट्टा वितरित किया जाकर प्रथम सरकारी विभाग को पट्टा वितरित किया गया। विश्णुकुमार सैनी ने बताया कि सरकारी विभागों को भी आवेदन करने पर पट्टा दिया जावेगा।

जन्म प्रमाण पत्र 36, नये राषन कार्ड 03, राषनकार्ड संषोधन 15 तथा 2000 ओशधी पौधे वितरण किये गये तथा कोरोना रोकथाम हेतु 300 मास्क व 200 सेनेटाईजर की बोतले वितरित की गई। कैम्प में दीपा सैनी सहायक प्रषानिक अधिकारी, संदीप कविया भूमि षाखा प्रभारी, कनिश्ठ अभियन्ता लोकेष सैनी, स्वास्थ्य निरीक्षक जयकिषन सैनी, अनिल, गजानन्द सहा. कर्मचारी, विजय सैनी क. लि., देषराज, संतोश, जन्म मृत्यु लिपिक कविता यादव सम्बन्धित जनसुनवाई के कार्य किये गये। कैम्प में सरकारी विभागों के सहयोग से कार्य को सम्पादित करवाया गया।

भगवा रक्षा दल ने भेंट किए 120 कम्बल

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर/ नई दिल्ली। भगवा रक्षा दल के सौजन्य से दिल्ली जंतर मंतर पर चल रहे हिंदुराष्ट्र को लेकर धरने के मुख्य आयोजक धीरज भारद्वाज को 120 कम्बल भेंट स्वरूप सौंपे गए। भारत को हिंदुराष्ट्र घोषित किया जाए इस मांग को लेकर हरिद्वार निवासी धीरज भारद्वाज जंतर मंतर दिल्ली में आंदोलन कर रहे हैं। इस संयुक्त हिंदू धर्म संसद को भगवा रक्षा दल का हर

प्रकार से सहयोग प्रदान किया जा रहा है। कम्बल वितरण कार्यक्रम में भगवा रक्षा दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष देवेन्द्र शर्मा एवं भगवा रक्षा दल के व्यापार प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय अध्यक्ष मनीष जैन और मोहित अग्रवाल जिलाध्यक्ष सोनीपत भगवा रक्षा दल व्यापार प्रकोष्ठ ने जंतर मंतर पर जाकर इस कार्यक्रम में पूर्ण रूप से सहयोग प्रदान किया और 120 कम्बल वहा धरना स्थल पर लोगों के लिए भेंट किए।

ANCHOR — चित्तौड़ दुर्ग में अलाउद्दीन खिलजी के महिमामंडल पर विवाद

सांसद जोशी बोले- शो में इतिहास से छेड़छाड़ मंत्री आंजना बोले- कुछ भी विवादित नहीं लगा

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

चित्तौड़गढ़। चित्तौड़गढ़ के किले में लाइट एंड साउंड शो में मेवाड़ के इतिहास से छेड़छाड़ और रानी पद्मावती को लेकर गलत तथ्य दिखाए जाने पर विवाद बढ़ गया है। अलाउद्दीन खिलजी के महिमामंडन को लेकर उद्घाटन समारोह में सांसद ने लाइड एंड साउंड शो रुकवा दिया। वहीं कार्यक्रम में मौजूद राजस्थान सरकार के मंत्री उदयलाल आंजना का कहना है कि उन्हें तो कोई विवादित अंश नहीं लगा। उन्होंने कहा, सांसद जोशी के मन को अगर ठेस पहुंची है तो मैं उनकी भावनाओं का सम्मान करता हूं। विवाद इतना बड़ा कि मंगलवार को कई संगठनों ने एकत्रित होकर लाइट एंड साउंड शो की स्क्रिप्ट का विरोध जताया और सही इतिहास दिखाने की मांग की। शो के दौरान रावल रतन सिंह द्वारा

कांच में रानी पद्मावती को देखने के प्रस्ताव को स्वीकार करने का विवादित दृश्य भी था। इसी पर सांसद सीपी जोशी ने शो को बीच में ही रुकवा दिया। मंगलवार को विवाद और बढ़ गया।कई संगठन विवादित अंश दिखाने के खिलाफ आंदोलन की चेतावनी दे रहे हैं।

रिहर्सल को लेकर जताई आपत्ति

सोमवार शाम मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने वर्चुअल उद्घाटन किया था। उसके बाद सहकारिता मंत्री उदयलाल आंजना, सांसद सीपी जोशी, जिला प्रमुख सुरेश धाकड़, नगर परिषद सभापति संदीप शर्मा, जिला कलेक्टर ताराचंद मीणा कुंभा महल लाइट एंड साउंड देखने के लिए पहुंचे। शो की स्क्रिप्ट में अलाउद्दीन खिलजी के डायलॉग को लेकर कई लोगों ने नाराजगी जताई। शो में अलाउद्दीन खिलजी के मुनीम द्वारा रानी पद्मावती की खूबसूरती बताने वाले डायलॉग, रावल रतन सिंह द्वारा रानी पद्मावती को कांच में देखने का प्रस्ताव स्वीकार करने जैसे दृश्यों पर लोगों ने आपत्ति जताई। इस पर सांसद जोशी शो से उठे और सीधे कंट्रोल रूम में पहुंचकर शो बंद करा दिया। जोशी ने कलक्टर से कहा कि तुरंत पर्यटन विभाग जयपुर बात करें और स्क्रिप्ट को ठीक करें। ऐसा कुछ भी यहां नहीं दिखाया जाएगा, जो इतिहास में ही नहीं हुआ। कलेक्टर ताराचंद मीणा ने तुरंत इसकी जानकारी जयपुर पर्यटन विभाग को दी और विवादित हिस्से को हटाने की बात कही।

भड़क रहा गुस्सा

बहुत से लोगों ने इस तरह के विवाद को जन्म देने के लिए राज्य सरकार का विरोध किया। कई संगठनों ने आंदोलन की चेतावनी देते हुए कहा कि तुरंत गलत तथ्य हटाए जाएं और नए सिरे से स्क्रिप्ट लिखी जाए। कलेक्टर ताराचंद मीणा ने कहा कि जल्द से जल्द विवादित हिस्से को हटाकर फिर से एक बार शो को चालू कर दिया जाएगा।

जागरूक खबरें

राजस्थान अंडर 23 टेनिस क्रिकेट ट्रायल संपन्न

अजमेर @ जागरूक जनता। राजस्थान टेनिस क्रिकेट संघ द्वारा अजमेर स्थित संस्कृति द स्कूल में अंडर 23 टेनिस क्रिकेट प्रतियोगिता की ट्रायल का आयोजन किया गया। राजस्थान टेनिस क्रिकेट संघ महासचिव तरुण कुमार ने बताया कि आगामी 10 से 12 जनवरी 2022 उत्तराखंड के ऋषिकेश में भारतीय टेनिस क्रिकेट संघ के तत्वाधान में अंडर 23 क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। इस प्रतियोगिता के लिए संस्कृति द स्कूल में ट्रायल का आयोजन किया गया था। जिसमें 12 जिलों से लगभग 50 खिलाड़ियों ने इस ट्रायल में भाग लिया। इस ट्रायल के आधार पर चयनित खिलाड़ी 9 जनवरी को जयपुर से प्रतियोगिता के लिए रवाना होंगे। इस ट्रायल के मौके पर अधिकारी दिनेश शर्मा, दुष्यंत सिंह, किशोर कुमार और खेल प्रेमी उपस्थित रहे।

लोढा बने ज्ञान प्रकाश योजना के उपाध्यक्ष

निम्बाहेड़ा @ जागरूक जनता। नगर निम्बाहेड़ा निवासी हाल मुकाम पूना विजय लोढा को ज्ञान प्रकाश योजना के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रेमचंद कोचेटा ने जैन कान्फ्रेंस राष्ट्रीय अध्यक्ष आनन्दमल छल्लानी से विचार विमर्श कर कार्यकारणी में उपाध्यक्ष पद पर मनोनीत किया गया। जैन दिवाकर गुरुदेव श्री चौथमल मसा के अनन्य भक्त विजय लोढ़ा के मनोनयन पर श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ के सरंक्षक डॉ जेएम जैन, अध्यक्ष बसंतीलाल सिंघवी, मंत्री आनन्द सालेचा, कोषाध्यक्ष महेंद्र तलेसरा, पूर्व अध्यक्ष ज्ञानचंद ढेलावत, मोतीलाल रांका, नरेन्द्र सिंघवी, मनोहर ढेलावत युवक परिषद अध्यक्ष कमलेश दुग्गड़, अर्पित सिंघवी, अनिल पगारिया, मनोज ढेलावत, पारस मौसम बहार, वीरवाल समाज के राष्ट्रीय महामंत्री पारस वीरवाल सहित समाजजनों ने राष्ट्रीय नेतृत्व का आभार प्रकट किया है। गौरतलब है कि लोढा कई वर्षों से श्री जैन दिवाकर संघठन समिति के मंत्री पद का दायित्व निर्वहन कर रहे है, जैन दिवाकर गुरुदेव श्री चौथमल जी मसा के साहित्य प्रकाशन में भी आपकी अहम भूमिका है साथ ही अनेक संस्थाओं में अपनी अग्रणी भूमिका निभा रहे हैं।

इंस्पायर अवॉर्ड में चयनित बालिका का किया सम्मान

निम्बाहेड़ा @ जागरूक जनता। उपखंड क्षेत्र के ग्राम मडडा गुलफरोशान के राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय की कक्षा 7वी की बालिका को सम्मानित किया। विद्यालय प्रभारी अध्यापक काना राम बामणिया ने बताया की कक्षा 7वीं की बालिका घिसी गाड़िया लुहार ने मॉडल सौलर पैनल युक्त इंस्पायर अवॉर्ड में चयनित हुई है। इस अवसर पर सरपंच नाराणी बाई की अध्यक्षता में सम्मान कार्यक्र म आयोजित कर बालिका को सम्मानित किया व सरपंच प्रतिनिधी श्यामलाल जाट ने बालिका को नगत 2100 रूपये की राशि पुरस्कार स्वरूप भेंट कर उत्साहवर्धन किया। सरपंच व समस्त ग्राम वासियों द्वारा बालिका को इंस्पायर अवार्ड के लिए योग्य बनाने वाली प्रभारी अध्यापिका नताशा चौधरी की सराहना कर स्मृति चिन्ह व शिक्षण सामग्री देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर देवीलाल गायरी, माधव राव मराठा, मदननाथ, पृथ्वीराज मराठा, रविंद्र मेघवाल, विद्यालय स्टॉफ तथा समस्त ग्रामवासी उपस्थित रहे।

भाजयुमो जुंजाणी मंडल ने मनाई पूर्व पीएम स्व.अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती

भीनमाल @ जागरूक जनता। उपखंड मुख्यालय निकटवर्ती श्री दूदेश्वर महादेव मंदिर प्रागण पूनासा मठ में श्री सोमगिरि महाराज के सानिध्य में भाजयुमो जुंजाणी मंडल अध्यक्ष खुमानसिंह राठौड़ व इन्द्र सिंह राणावत पूर्व महामंत्री जुजाणी मंडल की अध्यक्षता में भाजपा के संस्थापक एवं पूर्व प्रधानमंत्री स्व.अटल बिहारी वाजपेयी की 97वीं जयंती पूनासा में उनके नाम का दीपक प्रज्वलित कर भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा तस्वीर के समक्ष फूल चढ़ाकर वाजपेयी जी को याद किया गया। युवा मोर्चा अध्यक्ष राठौड़ ने पूर्व प्रधानमंत्री स्व.अटल बिहारी वाजपेयी के जीवनकाल व चरित्र का विस्तार से जानकारी देते हुए उनके द्वारा किए गए कार्यों से प्रेरणा लेकर कार्य करने व आगे बढ़ने की बात कही गई वहीं राणावत ने समस्त कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त किया। इस दौरान पदमसिंह, कालूसिंह, बाबूसिंह, सुमेरसिंह, महेंद्रसिंह, रामाराम पुरोहित, हरचंद देवासी, नारिगाराम देवासी, जूठाराम पुरोहित,दिनेश जाट, मसराराम पुरोहित, मुकेश सुथार व मानसिंह सहित भाजयुमो के कार्यकर्ताओं मौजूद थे।

कांग्रेस का 137 वां स्थापना दिवस मनाया

भीनमाल @ जागरूक जनता। स्थानीय कांग्रेस कार्यालय में कांग्रेस पार्टी का 137 वां स्थापना दिवस मनाया गया। इस अवसर पर विचार गोष्ठी का भी आयोजन किया गया। जिसमे कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने पार्टी के संघर्ष पूर्ण इतिहास, स्वतंत्रता संग्राम में योगदान और गठित कांग्रेस सरकारों द्वारा किये गए लोकहित और राष्ट्र के निर्णयों पर विचार व्यक्त किये गये । वक्ताओं ने कहा कि कांग्रेस के 137 वर्ष का गरिमामय इतिहास है। आजादी के लिए कांग्रेसियों के योगदान पर वक्ताओं ने अपने विचार रखे। बताया गया कि आज संविधान पर प्रहार हो रहा है। कांग्रेस इसके लिए डट कर मुकाबला करेगी। इस मौके पर जिला कांग्रेस प्रवक्ता शिवनारायण विश्नोई, पारस घांची, भूपेन्द्र सिंह दुधिया, ओटाराम मेघवाल, दिनेश बंजारा, जितेंद्र माली, पार्षद तलकाराम रांगी, शकूर खान नांदिया, लक्ष्मण सिंह राव, पार्षद इक़बाल खान, आरिफ खान, वालाराम, मोहम्मद सलाम सहित कई कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद थे।

कोटा में प्राकृतिक ऑक्सीजन की फैक्ट्री

ऑक्सीजोन पार्क हो रहा तैयार, 4 किमी एरिया में तापमान रहेगा कम

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

कोटा। कोचिंग सिटी कोटा के पर्यावरण को नई दिशा, दशा देने के साथ शहरवासियों, स्टूडेंट्स और पर्यटकों के लिए आकर्षण का केंद्र बनने वाले ऑक्सीजोन पार्क की सौगात नए साल में मिलने जा रही है। जहां कोटा में आवागमन की सुगमता और पर्यटन के लिहाज से देश के अग्रणी शहरों में शुमार करने वाले प्रोजेक्ट अंतिम दौर में है, वही कोटा में बनाए जा रहे विश्वस्तरीय ऑक्सीजोन पार्क की भी सौगात अब जल्द मिलने जा रही है। कोटा का ऑक्सीजोन पार्क दुनिया का सबसे आधुनिकतम पार्क में शामिल होगा।

100 करोड़ से अधिक लागत से तैयार हो रहे ऑक्सीजन पार्क के निर्माण में खास बात यह है कि 71 एकड़ में तैयार हुए इस पार्क में विश्वस्तरीय सुविधाओं का समावेश कर अलग अलग ग्रुप में सघन वृक्षारोपण किया गया है। इस सिटी पार्क में 72 प्रतिशत क्षेत्र में वृक्षारोपण किया गया है। 16 फीसदी क्षेत्र में जल संरचना यानी तालाब नहर का निर्माण और सिर्फ 12 प्रतिशत हिस्से में विश्व स्तरीय तकनीक से पक्का निर्माण वो भी ऐसा कि पर्यावरण संरक्षण , स्टूडेंट का उत्साहवर्धन , पक्षियों की शरण स्थली और बच्चों, बड़ों ,वृद्धजनों के लिए आकर्षण का केन्द्र बनेंगे। उनका मनोरंजन करेंगे। ऑक्सीजन पार्क 4 किलोमीटर एरिया में तापमान में कमी रखेगा और करीब 8 किलोमीटर एरिया तक पार्क का सघन वन की ऑक्सीजन का असर रहेगा ।

क्या है ऑक्सीजोन पार्क की खासियत

प्राणवायू की प्रचुरता के लिए तुलसी वन और विभिन्न सुगंध वाले फूलों के विशेष जोन बनाए गए है। करीब 50 हजार छोटे बडे पेड पौधो को पार्क में लगाया गया है। हरियाली के साथ साथ 1200 मीटर की नहर ओर तालाब का भी निर्माण करवाया गया है। पार्क का आकर्षक प्रवेश द्वार तैयार किया जा रहा है। पार्क में साइकिल ट्रैक के साथ वॉकर्स के लिए नहर के चारों ओर पक्का और कच्चा पाथ वे का निर्माण करवाया गया है। इसके साथ ही विश्वस्तरीय तकनीक के समावेश के साथ ग्लास हाउस, काइनेटिक टॉवर रोटरी, डिस्क फाउंटेन, इनवर्टेड पिरामिड, आर्ट हिल, वाईफाई कैफे, डक पोन्ड, फूड एरिना, बच्चों के लिए प्ले जोन, सिनियर सिटीजन पार्क, बोटेनिकल पार्क, नॉलेज इज फ्रीडम प्रतिमा, ट्री मेल, स्टार प्लाजा फाउंटेन, एवियरी पक्षी विहार , सेव द अर्थ का संदेश देती चार वैज्ञानिकों की प्रतिमा, वालकेनो, जॉगिंग ट्रेक सहित विश्व स्तरीय तकनीक के साथ कोचिंग स्टूडेंट को तनाव मुक्त रखने उनको रिसर्च वर्क के लिए अनुकूल माहौल उपलब्ध कराने वाले संसाधनो का समावेश पार्क में किया गया है।

50 हजार पेड़ पौधों से होगा सघन वन का अहसास , प्रदूषण पर लगेगी लगाम

ऑक्सीजोन को प्राकृतिक ऑक्सीजन की फैक्ट्री का पर्याय कहा जा सकता है क्योंकि यहाँ बादाम, नीम, ओर देशी, विदेशी फूलों के तो ब्लॉक तैयार किए ही गए है पार्क के चारो ओर ऑक्सीजन को बढ़ाने वाले पीपल के साथ हाडौती के वातावरण के अनुकूल और ज्यादा से ज्यादा ऑक्सीजन देने वाले 50 हजार के करीब पेड़ पौधे लगाए गए है जो शहर के प्रदूषण पर लगाम लगाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगें।

80% होटल फुल

नया साल मनाने राजस्थान आ रहे टूरिस्ट, पहली पसंद जयपुर-आबू-जैसाणा

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

उदयपुर/जैसलमेर/जयपुर। साल का आखिरी सप्ताह। विंटर वैकेशन। घरों से लेकर बाजारों तक उत्सव का माहौल। हर सेक्टर में तेजी आ गई है। राजस्थान पर्यटन विभाग के मुताबिक जाते साल की विदाई में हर तीसरा देसी पर्यटक राजस्थान आ रहे हैं। इसकी वजह यह भी है कि महाराष्ट्र, गुजरात, मध्यप्रदेश, दिल्ली, कर्नाटक में कोरोना संक्रमण के चलते पाबंदियां लगाई गई हैं। राजस्थान ओमिक्रॉन संक्रमण में तीसरे नंबर पर आ चुका है, लेकिन सभी रोगी पूरी तरह स्वस्थ हैं। निगेटिव हो चुके हैं। स्वास्थ्य मंत्री कह चुके हैं कि लोग प्रोटोकॉल फालो करेंगे तो बंदिशों की जरूरत नहीं पड़ेगी। मुख्यमंत्री कह चुके हैं कि बंदिशें समाधान नहीं। टीका नहीं लगवाने वालों पर सख्ती जरूर करेंगे। बहरहाल, जयपुर सहित उदयपुर, माउंट आबू और जैसलमेर में होटलों में बुकिंग फुल चल रही है। छोटे होटल्स भी 80 प्रतिशत भर चुके। पर्यटन विभाग की उपनिदेशक शिखा सक्सेना बताती हैं- इस साल होटलों में ईवेंट होने से इंडस्ट्री के लोगों में उत्साह है। हालांकि अभी इंडस्ट्री के लोगों के मन में डर है कि कहीं सरकार कोई नई गाइडलाइन लेकर ना आ जाए।

जागरूक जनता jagrukjanta.com फेसबुक पेज
पढ़े, जुड़ें और आगे बढ़ें हर खबर से आपको रखें अपडेट जागरूक जनता
www.facebook.com/jagrukjantanews

पीपाड़ रोड़ जंक्शन पर एक्सप्रेस ट्रेनों के ठहराव को लेकर रास सांसद को सौंपा हस्ताक्षर युक्त पोस्टर

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जोधपुर। पीपाड़ उपखण्ड क्षेत्र के निवासियों का एक प्रतिनिधी मण्डल सालवा खुर्द सरपंच आनंद कंवर के नेतृत्व में राज्यसभा सांसद राजेन्द्र गहलोत के निवास पर भेंट कर पीपाड़ उपखण्ड की आमजनता की सुविधार्थ पीपाड़ रोड़ जंक्शन रेलवे स्टेषन पर दैनिक एक्सप्रेस सवारी रेल गाड़ियों के नियमित ठहराव की मांग करते हुए उनके द्वारा चलाये गए पोस्टर हस्ताक्षर अभियान में हुए हस्ताक्षरों सहित पोस्टर सुपुर्द किया। स्थानीय नागरिकों ने सांसद राजेन्द्र गहलोत से मांग प्रस्तुत करते हुए अवगत कराया कि उपखण्ड पीपाड़ में निवास करने वाले लोगों को आने जाने के लिए एक मात्र सुगम व सस्ता यातायात का साधन रेल ही है। इन सवारी रेल गाड़ियों का ठहराव नही होने से इस क्षेत्र के लोगों को भारी समस्या का सामना करना पड़ रहा है। श्री अनिल सांखलाए अध्यक्ष महात्मा ज्योति बा फूले युवा मण्डलए पीपाड़ रोड ने अवगत कराया कि रणथम्बौर एक्सप्रेस व जोधपुर-जयपुर इन्टरसिटी सहित अन्य गाड़ियों के ठहराव के संबंध में रेलवे के जी.एम. व द्वारा भी सर्वे किया जा चुका है। पीपाड़ रोड़ स्टेषन रेलवे के समस्त मानदण्डो की पूर्ति करता है यहां का औसतन प्रतिदिन का लगभग रूपए 35000 का यात्री भाड़ा रेलवे को मिल रहा है। इस स्टेषन पर यात्री रेलों के ठहराव हेतु क्षेत्रीयों नागरिकों द्वारा ऑनलाईन समर्थन भी जुटाया गया जिसमें लगभग 800 परिवारों के प्रतिनिधियों ने अपने हस्ताक्षर कर समर्थन प्रकट किया। पीपाड़ उपखण्ड के पूर्व नगर पालिका चेयरमेन महेन्द्र सिंह कच्छवाह, पूर्व सरपंच गोविन्द सिंह राठौड़, सामाजिक कार्यकर्ता महेन्द्र भाटी, विक्रम सैनी, बाबूलाल गहलोत सहित बड़ी संख्या में क्षेत्रीय प्रतिनिधी उपस्थित थे। इस अवसर पर राज्यसभा सांसद ने यात्री रेल गाड़ियों के ठहराव शीघ्र ही उचित कार्यवाही करने का आष्वासन दिया।

क्षत्रिय महासभा मेवाड का प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित

समाज के विकास के लिए बालिकाओं को शिक्षित एवं सशक्त बनाएं- दीयाकुमारी

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

राजसमन्द। सांसद दीयाकुमारी ने कहा कि क्षत्रिय समाज का हमेशा से ही गौरवशाली इतिहास रहा है और हमें भी क्षत्रिय धर्म का पालन करते हुए समाज के उत्थान के लिए सदैव तैयार और तत्पर रहना होगा। सांसद ने बालिका शिक्षा पर जोर देते हुए कहा कि समाज के विकास के लिए हमें बालिकाओं और महिलाओं को शिक्षित, सशक्त बनाना होगा उनके स्वास्थ्य का ध्यान रखना होगा।

विधा प्रचारिणी सभा बीएन कॉलेज उदयपुर में अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा मेवाड द्वारा आयोजित प्रतिभा सम्मान समारोह में बतौर मुख्य अतिथि बोलते हुई सांसद ने कहा कि क्षत्रिय युवक संघ द्वारा जयपुर में आयोजित महारैली में भी इस बात पर जोर दिया गया था कि समाज के उत्थान के लिए आपस में एक दूसरे की हर सम्भव मदद करनी होगी। प्रतिभाओं को निखारकर उन्हें सम्मान देना, उनके लक्ष्यों को प्राप्त करने में सहायक होता है। आज का यह समारोह सिर्फ प्रतिभाओं का सम्मान ही नहीं है अपितु आने वाली प्रतिभाओं के प्रोत्साहन के लिए भी एक यादगार प्रयास रहेगा। समाज में प्रतिभाओं की कमी नहीं है जरूरत है तो सिर्फ उन्हें पहचानने की। सांसद दीयाकुमारी ने कहा कि शिक्षा चिकित्सा कला संस्कृति खेलकूद समाज सेवा आदि में पूर्वजों के नाम से दिए जाने वाले यह पुरस्कार सभी को प्रोत्साहित करेंगे। हमें शिक्षा के क्षेत्र में समाज के बच्चों को पढ़ाई के साथ प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए भी तैयार करना होगा, जो आर्थिक रूप से कमजोर है उनकी मदद करनी होगी, समाज के भामाशाहों को आगे आकर इस कार्य की जिम्मेदारी लेनी होगी। इस अवसर पर विश्वराज सिंह मेवाड़, महिमा कुमारी मेवाड़, कीर्ति सिंह बाघेला शिक्षा मंत्री गुजरात सरकार, महंत करुणेश्वर रावल, प्रीति शक्तावत विधायक वल्लभनगर, ममता कंवर पंवार जिला प्रमुख उदयपुर, डॉ कुलदीप सिंह तंवर राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा, राव शिव पाल सिंह राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, प्रदीप सिंह सिंगोली, डॉ महेंद्र सिंह आगरिया, हिम्मत सिंह झाला, संगीता चौहान, चंद्र गुप्ता चौहान, मनवीर सिंह कृष्णावत, शक्ति सिंह, योगेंद्र सिंह रलावता, कुलदीप सिंह ताल, समस्त क्षत्रिय महासभा पदाधिकारी, सदस्यगण, समस्त समाज बंधु एवं बहने उपस्थित थी।

9 वर्ष की बालिका खुशी ने दीया ईमानदारी का परिचय

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

निंबाहेड़ा। 9 वर्ष की बालिका खुशी पिता राजू तेली (सोनावा) ने ईमानदारी का परिचय देते हुए कान का सोने का टॉप्स मालिक को वापस लौटया। जानकारी के अनुसार कॉलेज के पास निवासरत रोशन लाल पिता कालूराम गाचा 24 दिसंबर रात्रि को कॉलेज रोड स्थित श्रीनाथ नगर की ओर से घर की तरफ जा रहे थे। तब उनकी पत्नी कांताबाई का कान का एक टॉप सड़क पर गिर गया। जो कि 25 दिसंबर सवेरे छोटी बच्ची खुशी को मिला, उसने अपने माता-पिता व भाई को उक्त जानकारी दी माता पिता ने ईमानदारी दिखाते हुए यह बात पड़ोसी को बताई और कहा कि सड़क पर कोई कुछ ढूंढता हुआ आए तो उनसे बात करना, इस पर दिन में 3ः00 बजे कांताबाई सड़क पर कुछ ढूंढते हुए आई, उनसे पूछा गया कि क्या ढूंढ रहे हो उन्होंने बताया कि उनका एक कान का टॉप्स कहीं गिर गया, इस पर छोटी बच्ची खुशी व उसके भाई अविनाश ने दूसरा कान का टॉप्स देखकर लगभग 10000 रुपए कीमत के कान के सोने का टॉप्स वापस मालिक को वापस लौटाया।

जिले में यूरिया उर्वरक की कमी नहीं, आवश्यकतानुसार ही क्रय करें किसान - जिला कलक्टर

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

चित्तौड़गढ़। जिला कलक्टर ताराचन्द मीणा ने जिले के किसानों से आहवान किया है कि जिले में यूरिया उर्वरक की कमी नही है, किसान धेर्य बनाए रखे जिले में आगामी सप्ताह में इफको, एनएफएल और आरसीएफ की रेक चन्देरिया रेक पोइन्ट पर प्रस्तावित है। जिसमें से जिले को लगभग 1500 से 2000 मीट्रिक टन यूरिया उर्वरक मिलने की संभावना है। इस हेतु किसान आवश्यकतानुसार ही यूरिया उर्वरक का क्रय करें एवं अनावश्यक भण्डारण ना करें।

उप निदेशक कृषि (विस्तार) डॉ. शंकर लाल जाट ने बताया कि यूरिया उर्वरक के साथ किसी भी प्रकार के अन्य उर्वरकों को जबरन नहीं दिया जा सकता है। इस हेतु जिले के सभी उर्वरक विक्रेताओं को पाबंद कर दिया गया है फिर भी यदि कोई उर्वरक विक्रेता किसानों को जबरन अन्य कृषि उत्पाद देता है तथा निर्धारित दर से अधिक राशि वसूल करता है तो क्षेत्र के संबंधित सहायक कृषि अधिकारी एवं कृषि पर्यवेक्षक को तुरंत सूचित करें जिससे उर्वरक विक्रेताओं के विरुद्ध नियमानुसार विभागीय कार्यवाही की जा सके।

जिले के समस्त उर्वरक विक्रेताओं को निर्देशित किया जाता है कि यूरिया उर्वरक प्राप्त होते ही क्षैत्र के संबंधित सहायक कृषि अधिकारी एवं कृषि पर्यवेक्षक को सूचित करावे तथा उनकी उपस्थिति में ही यूरिया उर्वरक का वितरण निर्धारित दर (267.50 रूपये प्रति बैग) से करे। डॉ. जाट ने बताया कि जिले में यूरिया उर्वरक की निरन्तरता बनी रहे इस जिला कलक्टर जयपुर के उच्च अधिकारियों से लगातार संपर्क में है।

राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त योगाचार्य श्याम भाटी राजस्थान गौरव रत्न अवार्ड से सम्मानित

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जोधपुर/पीपाड़ शहर। जोधपुर के जाने माने योगाचार्य श्याम भाटी जो की वर्ल्ड रिकॉर्ड्स एचीवर यूएसए और इंडिया योग प्रो. व वैकल्पिक चिकित्सा विशेषज्ञ है योग के साथ आप समाजसेवा, पर्यावरण और गौ सेवार्थ का काम भी कई संस्थान और मित्रों के साथ मिलकर करते है जयपुर के होटल सफारी में हुआ राजस्थान गौरव रत्न सम्मान समारोह 2021 का भव्य आयोजन। देशभर की अलग अलग क्षेत्र की 41 प्रतिभाशाली , प्रभावशाली, प्रतिभाओं को सम्मानित किया गया। जोधपुर से अनन्ता योग-आयुर्वेद अनुसंधान संस्थान के निदेशक, योगाचार्य श्याम भाटी को 'स्वस्थ भारत - सम्रद्ध भारत' एवं वयं राष्ट्र जागृयाम हम सभी राष्ट्र को जीवंत और जागृत बनाए रखेंगे के स्लोगन को साक्षात करने एवं योग ओर स्वास्थ्य के क्षेत्र में विशिष्ट कार्य करने के उपलक्ष में एस.रन्धावाराज प्रोडक्शन ओर आईबीसीसी इंडिया द्वारा आयोजित राजस्थान गौरव रत्न अवार्ड से सम्मानित किया गया। सम्मान समारोह के आयोजक शिल्पी रन्धावा ओर कुलवंत सिंह शेखावत ने बताया कि देश भर से सेकड़ो प्रतिभागियों ने आवेदन किया उनमें से चुन्नीदा प्रतिभागियों को सम्मानित किया गया। योगाचार्य श्याम भाटी से संबोधित करते हुए कहा कि योग का नियम से और नियमित अभ्यास करने से सबसे पहले हमारे शरीर स्वस्थ बनता है। शरीर के स्वस्थ रहने से मन और मस्तिष्क भी ऊर्जावान बनते हैं। दोनों के सेहतमंद रहने से ही आत्मिक सुख की प्राप्ति होती है। यह तीनों के स्वास्थ्य तालमेल से ही जीवन में खुशी और सफलता मिलती है। इससे पहले भी भाटी कई राज्य स्तरीय, जिला स्तरीय सम्मान से सुशोभित हो चुके हैं सम्मानित होने पर कई संस्थान के अधिकारीगण व मित्र मंडल परिवार जनों ने भाटी को सोशल मीडिया के माध्यम से और व्यक्तिगत बधाई दी।

ANCHOR पांच गांवों में 6-6 के बैच में रहेंगे अधिकारी

13 दिन बॉर्डर के गांवों में ट्रेनिंग के लिए बीकानेर पहुंचे 30 आईएएस, आईपीएस और आईएफएस

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

बीकानेर। मसूरी में लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी के 30 आईएएस, आईपीएस और आईएफएस ट्रेनी अधिकारी बीकानेर के पाक बॉर्डर से लगते पांच गांवों में रहकर जानकारी हासिल करेंगे। वे 31 दिसंबर को बॉर्डर पर बीएसएफ की पोस्ट पर रुकेंगे और अधिकारी-जवानों से चर्चा करेंगे। मसूरी में 96वें फाउंडेशन कोर्स के लिए फील्ड स्टडी एवं रिसर्च प्रोग्राम में ट्रेनी अधिकारियों को ग्रामीण इलाकों, खासकर बॉर्डर पर जाकर वहां के बारे में जानकारी हासिल करनी होती है।

वर्तमान में ट्रेनिंग ले रहे 30 आईएएस, आईपीएस और आईएफएस अधिकारी ट्रेन से बीकानेर पहुंचे। बाद में वे समाज कल्याण, महिला अधिकारिता विभाग, नारी निकेतन और बालिका गृह गए और वहां की कार्यप्रणाली समझी। वे जयपुर रोड स्थित वृद्धाश्रम पहुंचे जहां आश्रम की रानीबाजार

शाखा के अध्यक्ष जुगल राठी ने वृद्धजनों से मिलवाया और असहाय बुजुर्गों को आश्रय के बारे में जानकारी दी।

ट्रेनी अधिकारी कलेक्टर नमित मेहता से भी मिले। नोडल अधिकारी जिला परिषद के सीईओ ओमप्रकाश ने बताया कि मैसूरी से आए अधिकारियों को अन्तर्राष्ट्रीय बॉर्डर के पांच गांव पूगल में 14 बीडी व 8केवाईडी, खाजूवाला में 1डीएलएसएम, लूणकरणसर में काकड़वाला और बज्जू में बीकमपुर में भेजा गया है। वे सात जनवरी तक बॉर्डर एरिया के गांवों में ही रहकर सरकारी योजनाओं, क्षेत्र, वहां के लोग, रहन-सहन, वातावरण की जानकारी हासिल करेंगे। सभी ट्रेनी अधिकारी 31 दिसंबर से एक जनवरी तक पाक बॉर्डर पर बनी बीएसएफ की किसी एक पोस्ट पर रहकर आर्मी, बीएसएफ के अधिकारी-जवानों से मिलेंगे और सुरक्षा व बॉर्डर इश्यू की जानकारी लेंगे। सेना के जवानों से चर्चा और विचार-विमर्श करेंगे।

जागरूक जनता
www.jagrukjanta.net
जागरूक जहां
08
जयपुर, बुधवार
29 दिसम्बर 2021 - 4 जनवरी 2022
डाक पंजीयन सं. : jaipurcity/105/2021-23 | R.N.I.Regd.No.:RAJHIN/2015/61758
/jagrukjanta /jagrukjantanews jagruk_janta

जागरूक खबरें

झुंझुनूं की बेटी WTO में बनीं लीगल ऑफिसर

हिंदी मीडियम से गांव में पढ़ाई, लॉ का कोई बैकग्राउंड नहीं; दुनिया के सबसे बड़े व्यापारिक संस्थान में जॉब

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

झुंझुनूं। छोटे से गांव में पली-बढ़ी और हिन्दी मीडियम में शुरुआती पढ़ाई करने वाली स्वाति शर्मा ने दुनिया को अपनी प्रतिभा दिखाई है। उनका स्विट्जरलैंड के जिनेवा में डब्ल्यूटीओ (विश्व व्यापार संगठन) में लीगल ऑफिसर के पद पर सेलेक्शन हुआ है। साधारण परिवार से ताल्लुक रखने वाली स्वाति की स्कूली शिक्षा भी गांव में हुई है। इस मुकाम तक पहुंचने में उन्हें कई चैलेंज फेस करने पड़े। झुंझुनूं के छोटे से गांव काजड़ा की स्वाति ने बताया, मन में कुछ ठान लें और उसके लिए मेहनत करें तो कोई भी मुकाम पाया जा सकता है। इस सफर को तय करने में कई परेशानियां थीं। मैं हमेशा कोई टॉपर स्टूडेंट नहीं थी। स्कूली पढ़ाई में औसत थी, लेकिन कुछ बड़ा करने का हमेशा से जज्बा था। निरंतर आगे बढ़ाने की लगन थी। लगातार पढ़ाई से मैं कभी थकी नहीं और नया कुछ सीखना ही मेरा उद्देश्य होता था।

गांव से पढ़ाई की शुरुआत

उनके पिता सूरजगढ़ पंचायत समिति में जूनियर इंजीनियर हैं। प्रारम्भिक पढ़ाई गांव के ही हिन्दी मीडियम स्कूल में हुई। इसके बाद सूरजगढ़ की टैगोर स्कूल और चिड़ावा के डालमिया स्कूल में पढ़ाई की। लॉ की पढ़ाई के लिए देहरादून गई। देहरादून में लॉ की पढ़ाई के लिए एडमिशन हुआ तो स्वयं बहुत खुश हुई, लगा किसी मुकाम की ओर बढ़ रही हूं। परिवार का पूरा सपोर्ट था। सेकेंड ईयर में थी, तब इंटरनेशनल लॉ में पोस्ट ग्रेजुएट करने का सोच लिया था। इसे पूरा भी किया। इसके आगे सपना था कि दूनिया के टॉप संस्थानों के साथ काम करूं।

लॉ से कोई बैक ग्राउंड नहीं

स्वाति बताती हैं, 'मेरे परिवार में किसी ने लॉ की पढ़ाई नहीं की थी। लेकिन मैंने बहुत चैलेंजिंग सब्जेक्ट चुना। कॉलेज में लॉ करने वाले अधिकतर स्टूडेंट का बैक ग्राउंड लॉ से ही था। किसी के पिता जज थे, किसी के नामी वकील। उन्हें पूरी गाइडेंस भी मिल रही थी। सबसे बड़ी चुनौती यह थी कि मैं हिन्दी मीडियम से पढ़ी थी। लॉ की पूरी पढ़ाई इंग्लिश मीडियम में थी।'

ऐसे लगे सपने को पंख

'**जुलाई** 2020 में लॉ की पढ़ाई पूरी हो गई थी। अपने सपने पूरे करने के लिए दुनिया के टॉप लॉ इंस्टिट्यूट में रिसर्च के लिए ट्राई शुरू किया। इस बीच वोरिक यूनिवर्सिटी यूके की प्रोफेसर डॉ. रीना पटेल से मुलाकात हुई। इनकी गाइडेंस में लंदन में इंटरनेशनल लॉ में रिसर्च करना शुरू किया। वर्ल्ड ट्रेड इंस्टिट्यूट स्विट्जरलैंड के डायरेक्टर पीटर वॉनडेन बॉस से मुलाकात हुई। जिन्होंने मेरी रिसर्च और काम को सराहा व मौका दिया। बेल्जियम में छह माह की ट्रेनिंग के बाद डब्लूटीओ ओएमसी में जॉब ऑफर हुई। स्वाति इंदिरा नूई, गीता गोपी नाथन और एपीजे अब्दुल कलाम को अपना आदर्श मानती हैं। उनका कहना है कि हर माता-पिता को अपने बच्चों कौशल पर ध्यान देना चाहिए। उन्हें आगे बढ़ाना चाहिए। हम मध्यमवर्गीय आय वाले परिवार आते हैं, ऐसे में फाइनेंस की भी समस्या थी, लेकिन पापा ने कभी कोई दिक्कत नहीं आने दी। किसी भी मुकाम पर जाने के लिए पेरेंट्स का साथ बहुत ही जरूरी है।'

जागरूक जनता @ जयपुर जंतर-मंतर पर पर्यटकों की चहल कदमी।

'बैरन' बनी बयार

राजस्थान में सर्दी का सितम, कोहरा और शीतलहर, मावली में 50 एमएम बारिश

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। राजस्थान में दिसंबर के दौरान मौसम के कई रूप देखने को मिल रहे हैं और आगामी पांच दिन के भीतर भी सर्दी का सितम जारी रहेगा। मौसम विभाग की माने तो कई जिलों में कोहरा छाया रहेगा और शीतलहर का जोर रहने की संभावना है। यहां तक की नए साल का स्वागत भी शीतलहर के साथ होगा। उधर, बारिश की बात करें तो मंगलवार को जयपुर जिले के अलावा कोटा, बूंदी, बारां, जैसलमेर, पाली में सुबह बारिश दर्ज की गई है। प्रदेश मे जारी मावठ के बीच पिछले 24 घंटे के दौरान उदयपुर के मावली क्षेत्र में 50 एमएम (दो इंच) बारिश दर्ज की गई है।

नए साल में शीतलहर

मौसम केन्द्र जयपुर की माने तो पूर्वी राजस्थान के ऊपर एक ट्रफ है। इससे नया परिसंचरण तंत्र बन रहा है। पश्चिमी विक्षोभ के चलते मौसम तंत्र ने एक बार फिर करवट ली है। राजधानी जयपुर समेत राजस्थान में विभिन्न हिस्सों में मंगलवार को भी मावठ का दौर जारी है। अगले 24 घंटों के दौरान तापमान वर्तमान स्थिति के आसपास ही बना रहेगा और अगले 48 घंटों (30 व 31 जनवरी) में तापमान में 2 से 4 डिग्री की गिरावट होने की संभावना है। अगले तीन दिन तक राजस्थान के उत्तरी जिलों में कोहरा होने की संभावना है और 30 दिसंबर से एक जनवरी तक उत्तरी जिलों में कहीं-कहीं शीतलहर चलने की संभावना है। मौसम विभाग के अनुसार 1 से 3 जनवरी तक आसमान में आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे।

कहां कितनी बारिश दर्ज

राजस्थान में पिछले 24 घंटे के दौरान उदयपुर के मावली में 50 एमएम, निम्बाहेड़ा में 39, गोगुंदा में 38, कपासन में 32, भोपालसागर में 31, बड़ी सादड़ी में 27, सांगोद में 26, बूंदी में 24, बारां में 21 और सांचोर में 20 एमएम बारिश दर्ज की गई।

यहां रहेगा घना कोहरा

29 दिसंबर को झुंझुनूं, सीकर, जयपुर, अलवर, दौसा, भरतपुर, धोलपुर, करौली, बीकानेर, चूरू, गंगानगर, हनुमानगढ़, नागौर, जैसलमेर और जोधपुर में कहीं-कहीं घना कोहरा छाया रहेगा। 30 दिसंबर को झुंझुनूं, सीकर, जयपुर, अलवर, बीकानेर, चूरू, गंगानगर, हनुमानगढ़, नागौर में कहीं-कहीं घना कोहरा छाया रहेगा।

बच्चों से मिले मुख्यमंत्री सरकार की योजनाओं पर ग्रामीणों से लिया फीडबैक

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने मंगलवार को बाड़ा पदमपुरा से लौटते समय बच्चों से उनकी पढ़ाई के बारे में जानकारी ली। उन्होंने बच्चों से राज्य सरकार द्वारा खोले जा रहे महात्मा गांधी इंग्लिश मीडियम स्कूल तथा ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए राज्य सरकार की अन्य योजनाओं के बारे में जानकारी ली। पदमपुरा से लौटते समय एक कोचिंग सेंटर के बाहर कतार में बैठकर मॉडल पेपर हल कर रहे बच्चों को देख मुख्यमंत्री ने काफिला रूकवाया और उनसे आत्मीयता से बातचीत की। श्री गहलोत ने इन बच्चों से उनकी कक्षा, पाठ्यक्रम, पढ़ाई आदि के बारे में जानकारी ली। इस दौरान वहां मौजूद अभिभावकों ने बताया कि विद्यार्थी जीवन की शुरूआत में अंग्रेजी माध्यम से शिक्षा ग्रहण नहीं कर पाने के कारण कई बार ग्रामीण क्षेत्र के बच्चे पिछड़ जाते हैं। पहली बार राज्य सरकार ग्रामीण क्षेत्रों में भी अंग्रेजी माध्यम के स्कूल खोल रही है। सरकार की यह पहल निश्चय ही सराहनीय है। इसका फायदा ग्रामीण बच्चों को होगा। बाड़ा पदमपुरा तथा शिवदासपुरा में मुख्यमंत्री ने ग्रामीणों से क्षेत्र की समस्याओं, मुख्यमंत्री चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना तथा अन्य योजनाओं के बारे में जानकारी ली। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने लोगों को बीमारियों के उपचार के खर्च से चिंतामुक्त करने के लिए चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना प्रारंभ की है। सभी लोग इस योजना में पंजीयन कराएं और जो लोग किसी कारण से इस योजना में अब तक नहीं जुड़ पाए हैं, उन्हें भी इससे जुड़ने के लिए प्रेरित करें।

इस दौरान ग्रामीणों ने मुख्यमंत्री को बताया कि उन्हें चिरंजीवी योजना के बारे में जानकारी है। निशुल्क उपचार होने के कारण क्षेत्र में करीब-करीब सभी लोग इससे जुड़ चुके हैं। आमजन को इससे इलाज में काफी मदद मिल रही है। लोगों ने कोरोना महामारी के दौरान राज्य सरकार द्वारा किए गए बेहतर प्रबंधन की भी तारीफ की। मुख्यमंत्री ने कहा कि कोरोना से बचाव के लिए लोग मास्क पहनने तथा वैक्सीनेशन में कोई ढ़िलाई नहीं बरतें।

जैसलमेर-जोधपुर में आधे घंटे तक बारिश-ओले

इतने ओले कि खेतों का रंग बदल गया

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर/जैसलमेर। जैसलमेर में मंगलवार को इतने ओले गिरे कि धोरों में बर्फ की चादर जम गई। ओले गिरने से खेतों में खड़ी फसलों को नुकसान हुआ। जोधपुर में भी बारिश के साथ ओले गिरे। बारिश और ओले गिरने से तापमान में भी गिरावट आई, जिससे सर्दी का असर बढ़ गया। स्थानीय रिपोर्ट के मुताबिक पोकरण के गांव छाया, टोटा, अजासर और बरड़ाना में खेतों व मैदानी इलाकों में चारों तरफ ओले की सफेद चादर देखने को मिली। इससे पहले जैसलमेर, जोधपुर में सुबह से बादल छाए हुए थे और हल्की बूंदाबांदी हुई। मौसम केन्द्र जयपुर ने अगले 48 घंटों में तापमान में 4 डिग्री सेल्सियस की गिरावट की संभावना जताई है। इसके साथ ही 3 दिन राजस्थान के उत्तरी हिस्से में घना कोहरा छा सकता है। वहीं 1 जनवरी से राजस्थान में सर्दी का असर बढ़ सकता है, क्योंकि उत्तरी भारत के राज्यों से शीतलहर चलने की संभावना है।

फसलों को नुकसान

जिले में मंगलवार को हुई ओलावृष्टि ने किसानों की चिंता बढ़ा दी है। ओलावृष्टि से खेतों में खड़ी जीरा, ईसबगोल, रायड़ा, गेंहू व चने की फसल को नुकसान होने की आशंका है। किसानों का कहना है कि मावठ फसलों के लिए फायदेमंद है, लेकिन ओलावृष्टि ने सारी मेहनत को नष्ट कर दिया। खेतों में खड़ी फसल फसलों को ओलावृष्टि से काफी नुकसान हुआ है।

ग्राम विकास अधिकारी सीधी भर्ती परीक्षा शांतिपूर्वक सम्पन्न

जयपुर @ जागरूक जनता। राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड ने मंगलवार को तृतीय चरण व चतुर्थ चरण में अजमेर, अलवर, बांसवाड़ा, हनुमानगढ़, जयपुर, झालवाड़, झुन्झुनू, जोधपुर, कोटा, पाली, नागौर, राजसमन्द, सवाईमाधोपुर, सीकर, सिरोही, टोंक एवं उदयपुर के परीक्षा केन्द्रों पर ग्राम विकास अधिकारी सीधी भर्ती परीक्षा-2021 आयोजित की गयी। ग्राम विकास अधिकारी सीधी भर्ती परीक्षा में तृतीय चरण में कुल 3,75, 881 और चतुर्थ चरण में कुल 3 लाख 66 हजार 606 अभ्यर्थी शामिल हुए।

इंश्योरेंस सिर्फ 5 मिनट में
Two/Four Wheeler
0141-3587886

वैक्सीन की तीसरी डोज के लिए नई गाइडलाइन

प्रिकॉशन डोज के लिए 60+ को सर्टिफिकेट की जरूरत नहीं

डॉक्टर की सलाह जरूरी

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

नई दिल्ली। नवरी से को-मॉर्बिडिटी वाले 60 साल से ज्यादा उम्र के लोगों को प्रिकॉशन डोज लगेगी। इस संबंध में स्वास्थ्य मंत्रालय ने ऐलान किया है कि डोज लेने के लिए डॉक्टर का सर्टिफिकेट नहीं दिखाना होगा। हालांकि मंत्रालय ने यह कहा है कि ऐसे लोगों को डोज लेने से पहले अपने डॉक्टर की सलाह जरूर लेनी चाहिए। गंभीर बीमारियों को को-मॉर्बिडिटी कहते हैं। इसके साथ ही मंत्रालय ने यह भी बताया है कि 3 जनवरी से 15-18 साल के बच्चों को लगने वाले डोज के लिए ऑनलाइन व ऑन-साइट अपॉइंटमेंट बुक हो सकेंगे। वैक्सीन उपलब्ध होने पर ही ऑन-साइट अपॉइंटमेंट मिलेगा।

चुनाव ड्यूटी पर तैनात कर्मचारी फ्रंटलाइन वर्कस कैटेगरी में शामिल

उत्तर प्रदेश समेत 5 राज्यों में अगले साल चुनाव करवाने की संभावना धीरे-धीरे साफ होती दिख रही है। स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय ने मंगलवार को एक आधिकारिक बयान में कहा कि जिन राज्यों में चुनाव होने वाले हैं, वहां ड्यूटी में तैनात चुनाव कर्मियों को भी फ्रंटलाइन वर्कस की कैटेगरी में शामिल किया जाएगा।

दूसरी डोज के 9 महीने बाद मिलेगी प्रिकॉशनरी डोज

नेशनल हेल्थ अथॉरिटी के CEO और कोविन चीफ डॉ. आर एस शर्मा ने बताया कि कोरोना के खिलाफ वैक्सीनेशन की तीसरी प्रिकॉशन डोज के लिए वही लोग अप्लाई कर सकेंगे, जिन्हें कोरोना की दूसरी डोज लगे हुए 9 महीने बीत चुके हैं और जो गंभीर बीमारियों से जूझ रहे हैं। हालांकि डॉ. शर्मा ने इसे बूस्टर डोज कहने पर आपत्ति जताई है। उन्होंने कहा कि तीसरे डोज को बूस्टर की जगह प्रिकॉशन डोज कहना ही बेहतर होगा।

22 बीमारियां शामिल हैं लिस्ट में

डॉ. शर्मा ने बताया कि कॉमोर्बिटिज सर्टिफिकेट की डिटेल सरकार पहले ही वैक्सीनेशन कैंपेन के दौरान जारी कर चुकी है। ये डिटेल बुजुर्गों के साथ ही गंभीर बीमारियों से पीड़ित 45 से 60+ उम्र वाले लोगों का वैक्सीनेशन शुरू करने के दौरान जारी की गई थी। वहीं फॉर्मूला इस समय भी कॉमोर्बिटिज सर्टिफिकेट पर लागू माना जाएगा। उन्होंने बताया कि सरकार की कॉमोर्बिटिज लिस्ट में 22 बीमारियां शामिल हैं।

मोदी ने 10 जनवरी से डोज देने की घोषणा की थी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार रात को 60+ उम्र वाले ऐसे बुजुर्गों को 10 जनवरी से वैक्सीन की प्री-कॉशन डोज देने की घोषणा की थी, जो कॉमोर्बिटिज के दायरे में आते हैं। साथ ही 10 जनवरी से ही फ्रंटलाइन वर्कर्स को भी प्री-कॉशन डोज देने और 3 जनवरी से 15 से 18 साल तक की उम्र वाले बच्चों को भी कोरोना वैक्सीन देने की घोषणा पीएम मोदी ने की थी।

इस तरह की बीमारियां हैं लिस्ट में

1. डायबिटीज, किडनी डिजीज या डायलिसिस
2. कार्डियोवैस्कुलर डिजीज
3. स्टेमसेल ट्रांसप्लांट
4. कैंसर
5. सिरोसिस
6. सिकल सेल डिजीज
7. प्रोलॉन्गड यूज ऑफ स्टेरॉयड्स
8. इम्यूनोसप्रैसेंट ड्रग्स
9. मस्कुलर डिस्ट्रॉफी
10. रेसपिरेटरी सिस्टम पर एसिड अटैक
11. हाई सपोर्ट की जरूरत वाले विकलांग
12. मूकबधिर-अंधापन जैसी मल्टीपल डिसएबेलिटिज
13. गंभीर रेसपिरेटरी डिजीज से दो साल अस्पताल में रहे हों

कोरोना की तीसरी लहर : कलक्टर्स को निर्देश

अस्पतालों में दवाइयों और ऑक्सीजन का रखें स्टॉक

ये भी करने के निर्देश

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। राजस्थान में कोरोना के केस रोज बढ़ते जा रहे हैं। नए वैरिएंट ओमिक्रॉन के मरीज भी सामने आ रहे हैं। ऐसे में तीसरी लहर आने का खतरा बढ़ गया है। सरकार भी मरीजों की संख्या को लेकर चिंता में है। कहीं फिर से दूसरी लहर की तरह बड़े संकट का सामना न करने पड़े। पॉजिटिव केसों के आंकड़े को देखते हुए मेडिकल हेल्थ डिपार्टमेंट ने सभी जिलों के कलेक्टर्स को अलर्ट जारी किया है। प्रिंसिपल सेक्रेटरी हेल्थ अखिल अरोड़ा की ओर से एक आदेश जारी करते हुए सभी कलेक्टर्स को जिलों के हॉस्पिटल में दवाइयों और ऑक्सीजन का पर्याप्त स्टॉक रखने और सेंसेटिव एरिया में टेस्टिंग और ट्रेसिंग बढ़ाने के लिए निर्देश दिए है। पिछले दिनों मुख्यमंत्री अशोक गहलोत संग हुई कोविड मैनेजमेंट कमेटी की बैठक में मौजूद विशेषज्ञों ने सलाह दी थी कि राजस्थान में जिस तेजी से केस आने लगे हैं। यह थर्ड वेव की कॉल बेल बजने के समान है। ऐसे में अगर अभी से सतर्क नहीं हुए तो आने वाले समय में केसों में तेजी से इजाफा देखने को मिल सकता है। इसे चेतावनी को देखते हुए मेडिकल हेल्थ डिपार्टमेंट ने यह आदेश जारी कर कलेक्टर्स को अलर्ट जारी किया है।

- जिन जिलों में ब्लॉक लेवल या एरिया वाइज ज्यादा कोरोना के केस आ रहे है वहां सैम्पलिंग बढ़ाकर कोरोना के नए रोगियों की पहचान कर उनको आइसोलेट किया जाए।
- जिन लोगों के कोरोना के पहली डोज लग गई और दूसरी नहीं लगी है उनको दूसरी डोज लगाई जाए। वहीं जो लोग पहली डोज भी लगाने नहीं आए उनको वैक्सीनेशन के लिए जागरूक किया जाए।
- वैक्सीनेशन को बढ़ावा देने और कोविड नियमों की पालना लोग कर सके इसके लिए लोगों में जागरूक पैदा करने के लिए स्वयं सेवी संगठनों, धर्म गुरुओं, व्यापारिक संगठनों की मदद ली जाए। उनके संग बैठक कर उनकी इस अभियान में भागीदार सुनिश्चित करवाई जाए।
- 15 से 18 साल के बच्चों का वैक्सीनेशन शुरू करने और 60 वर्ष से अधिक आयु के लोगों, हेल्थ वर्कर्स को तीसरी डोज लगाने की केन्द्र सरकार ने घोषणा की है। इसको लेकर तैयारियां करने के निर्देश दिए है।
- थर्ड वैव की तैयारियों के लिए जिले में लगाए गए नए ऑक्सीजन जनरेशन प्लांट की स्थिति जांच ले और मॉकड्रिल करके उनकी टेस्टिंग करने के निर्देश दिए है, ताकि इनमें अगर कोई खामी रह गई हो तो उसे अभी दूर कर सके।

विनायक ज्वैलर्स
Retailer of Gold, Diamond & Silver Jewellery
22 K 916 हॉलमार्क ज्वैलरी
18 K 750 हॉलमार्क डायमंड ज्वैलरी
970 Silver Utensils
Certified राशि रत्न
BIS 100% Hall Marked Jewellery
G-46, Unnati Tower, Central Spine, Vidhya Dhar Nagar, Jaipur
0141-2337548, 0141-2337458, 9414156451

HBOT जीवन रक्षक प्रणाली द्वारा इलाज
ऑक्सीजन (प्राणवायु) ट्रीटमेंट
»मस्तिष्क चोट, पक्षाघात/लकवा
»सेरेब्रल पाल्सी, ऑटिज्म
»असाध्य घाव/शुगर के घाव
»कैंसर (रेडियो थेरेपी) के साईड इफेक्ट
»अचानक बहरापन (Hearing Loss)
»डाईबेटिक फुट में अम्पुटेशन (पैर कटने) से बचाव
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें:-
98290-17133, 70737-77133
9983317133
डॉ. हिमांशु अग्रवाल M.B.B.S. M.D.
नेशनल हायपरबैरिक रिसर्च सैन्टर
594-B-C, जेम्स कॉलोनी, सैक्टर-3, मंदिर मोड, विद्याधर नगर, जयपुर
Dept. of Hyperbaric Medicine
Fortis Escorts Hospital
JLN Marg, Malviya Nagar, Jaipur
E-mail : hbotjaipur@gmail.com
www.nationalhbot.com

संपादक : ज्ञानेन्द्र मिश्रा मो.-9829329070, फोन : 0141-3587886, ईमेल : jagrukjantanews@gmail.com (सभी मामलों का न्याय क्षेत्र जयपुर) * पीआरबी एक्ट के तहत खबर चयन के जिम्मेदार। संपादकीय कार्यालय : 180, जे.पी. कॉलोनी, मैन आपीए रोड, 16 नं. बस स्टैण्ड, विद्याधर नगर, जयपुर (राजस्थान)-302039

जिंदगी

मनीषा भट्ट झा
समाजिक कार्यकर्ता
@jagrukjanta.net

जिंदगी को " पैबंद " लगाते लगाते कब उम्र सरक गई पता ही नहीं चला । "अपेक्षाओं" और " उपेक्षाओं " का दंश कब नासूर बन गया पता ही नहीं चला। उफ् ना करने की आदत हमारी, कि क हमारे दर्द का किसी को पता ही नहीं चला बढ़ते-पढ़ते कब अपना ही "वजूद" हम पर बोझ बन गया हमें पता ही नहीं चला। "सफेद घोड़े पर सवार राजकुमार के स्वप्न" में कब नींद ही सो गई पता ही नहीं चला आंख खुलती तब तक कोई आया और आसपास कब "धोखे और फरेब" का जाल बुन गया पता ही नहीं चला।

संभलकर चलने की की, चलते रहने की कोशिशों में, आगे आने वाली ठोकरों का पता ही न चला। अब तो "फर्ज जिम्मेदारियाँ" और " मजबूरियाँ "चलाती हैं साहब , अपनी मनमर्जीयाँ कब और कहां गुम हो गए पता ही नहीं चला । अब तो सोचती हूं, उतारकर ये चोला " समझदारी " थोड़ा पागलपन किया जाए, अब जिंदगी को अपने मुताबिक जिया जाए। शायद जिंदगी के स्वाद व रंगों को चख कर नीरसता का अंत कर कुछ "रस" भर लिया जाए , क्योंकि जीवन का कब अंतिम प्रहर हो जाए और हम कह भी न पाऐं कि "अरे पता ही ना चला"।

जागरूक खबरें

आकाश एकेडमी में धूमधाम से मनाया गया क्रिसमस डे

महेन्द्रगढ़ @ जागरूक जनता। आकाश एकेडमी में क्रिसमस डे धूमधाम से मनाया गया । इस दौरान बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर समा बांध दिया। सांता ने बच्चों को टॉफियां और उपहार देकर खुशियां बाटी। मुख्य अतिथि श्री राकेश कुमार एसएसई, दक्षिण विद्युत प्रसारण निगम महेंद्रगढ़ ने प्रतियोगिता में अव्वल रहे बच्चों को सम्मानित किया और बताया कि क्रिसमस प्रतिवर्ष 25 दिसंबर को प्रभु यीशु (ईसा मसीह) का जन्मदिन पूरी दुनिया में धूमधाम से मनाया जाता है। क्रिसमस बहुत ही भव्यता के साथ मनाया जाता है। ऐसा माना जाता है कि लोगों को पाप करने से बचाने और रोकने के लिए भगवान ने अपने बेटे को भेजा था। ईसा मसीह ने लोगों को पाप-मुक्त रखने के लिए अपने प्राण त्याग दिए थे। इस मौके पर लोग क्रिसमस ट्री सजाते हैं और चर्च जाते हैं। इस दिन अपने परिवार और मित्रों को तोहफे देने की भी परंपरा है प्राचार्य विकास रामलवास ने बच्चों का हौसला बढ़ाया और ज्यादा मेहनत करने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने बताया कि लगातार मेहनत व परिश्रम के बल पर तथा साहस व आत्मविश्वास के बल पर हम अपनी मंजिल को शीघ्र प्राप्त कर सकते हैं। चेयरमैन नितिन यादव ने बताया कि क्रिसमस जीसस क्रिस्ट के जन्म की खुशी में मनाया जाता है। जीसस क्रिस्ट को भगवान का बेटा कहा जाता है। क्रिसमस का नाम क्रिस्ट से पड़ा है। चेयरमैन ने सभी बच्चों को शुभकामनाएं दी। इस शुभ अवसर पर राकेश कुमार एसएसई, विकास रामलवास, देवेंद्र बैरावास, बबीता यादव, सोनम, शीतल, मनोज दडोली, जसवंत, आकाश आदि ने बच्चों को शुभकामनाएं दी और उनके उज्जवल भविष्य की कामनाएं की।

पर्यावरण चेतना साइकिल यात्रा

जयपुर @ जागरूक जनता । पर्यावरण संरक्षक निकाली गई इसके मुख्य अध्यक्षता अशोक मीणा सरपंच अशोक शर्मा सुमित मिश्रा पार्षद वार्ड नंबर 5 भवानी सिंह दुर्गा दल अध्यक्ष हनुमान प्रसाद शर्मा जयपुर महानगर पर्यावरण प्रमुख संयोजन अशोक शर्मा प्रांत संयोजक ने साइकिल यात्रा रवाना की। इसी में साइकिल रैली में सरस्वती बाल विद्या मंदिर सीनियर सेकेंडरी स्कूल श्री कल्याण शिक्षा निकेतन न्यू एरा पब्लिक स्कूल लक्ष्मी शिक्षण संस्थान रोड नंबर 17 विभिन्न विद्यालयों के छात्र-छात्राओं आसपास के लोगों को साइकिल रैली निकाल कर स्लोगन के साथ जन जन तक संदेश पहुंचाया मौके पर डायरेक्टर प्रताप सिंह शेखावत रामप्रसाद भाकर राजपाल भाकर डायरेक्टर राम सैनी सैनी आदि मौजूद रहे।

ढेलावत राष्ट्रीय संगठन मंत्री मनोनीत

निम्बाहेड़ा @ जागरूक जनता। आल इंडिया श्वेतांबर स्थानकवासी जैन कॉन्फ्रेन्स, नई दिल्ली की राष्ट्रीय महिला शाखा की अध्यक्षा पुष्पा गोखरू ने राष्ट्रीय अध्यक्ष आनंदमल छल्लाणी की सहमति से सरोज कमलेश ढेलावत को राष्ट्रीय महिला संगठन मंत्री पद पर नियुक्त किया। गौरतलब है कि सरोज ढेलावत वर्तमान में महावीर इंटरनेशनल चित्तौड़गढ़ जोन की चेयरपर्सन है तथा राजस्थान प्रान्त महिला कॉन्फ्रेंस की जीव दया योजना की अध्यक्ष भी रह चुकी है। ढेलावत ने अपने मनोनयन पर शीर्ष नेतृत्व का आभार व्यक्त करते हुए विश्वास व्यक्त किया कि राष्ट्रीय महिला अध्यक्षा श्रीमती पुष्पा गोखरू के साथ मिलकर संगठन को आगे बढ़ाने में निरंतर प्रयास करती रहेगी। श्री वर्द्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ निम्बाहेड़ा के संरक्षक डॉक्टर जे एम जैन, अध्यक्ष बसंतीलाल सिंघवी, मंत्री आनंद सालेचा, कोषाध्यक्ष महेंद्र तलेसरा, पूर्व विधायक अशोक नवलखा, संघ के पूर्व अध्यक्ष ज्ञानचंद ढेलावत, शांतिलाल मारु, जेन दिवाकर युवक परिषद के अध्यक्ष कमलेश दुग्गड, महिला मंडल की अध्यक्षा केसर देवी ढेलावत बहु मंडल की अध्यक्षा शशिकला भडकतिया ने ढेलावत के मनोनयन पर बधाई देते हुए शुभकामनाएं प्रेषित की।

चौधरी भूपेन्द्र हॉस्पीटल में चिरंजीवी योजना के तहत हुआ सफल घुटना प्रत्यारोपण

भीनमाल @ जागरूक जनता। उपखंड मुख्यालय पर स्थित चौधरी भूपेन्द्र मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पीटल में मरीज पातु कंवर पत्नी लालू सिंह राजपूत उम्र 73 वर्ष निवासी सुराणा के दाएं पैर के घुटने के दर्द से पीड़ित थी जिसकी वजह से मरीज चलने में असमर्थ थी मरीज ने चौधरी भूपेंद्र हॉस्पीटल में हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉक्टर मोहम्मद आरिफ से जांच करवाने से पता चला कि घुटना पूरी तरह से खराब हो गया है मरीज को घुटने में प्रत्यारोपण की सलाह दी लेकिन मरीज ने आर्थिक स्थिति खराब होने का हवाला देकर मना कर दिया जिस पर हॉस्पीटल प्रबंधक डॉ धुखाराम चौधरी ने मरीज को मुख्यमंत्री स्वास्थ्य बीमा योजना के बारे में निशुल्क ऑपरेशन करने के बारे में बताया। डॉक्टर भूपेंद्र चौधरी व हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉक्टर आरिफ ने मिलकर मरीज का सफल निशुल्क घुटना प्रत्यारोपण किया गया ऑपरेशन के दूसरे दिन ही मरीज अपने पैरों पर चल रही है। मरीज और पति लालसिंह ने डॉक्टर भूपेंद्र चौधरी व डॉ आरिफ सहित चिकित्सालय परिवार व स्टाफ का आभार व्यक्त किया।

श्री साकेत पंचांग जंत्री व कैलेंडर का विमोचन

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

बूंदी। छोटीकाशी बूंदी के पंडितों की ओर से तैयार श्री साकेत पंचांग जंत्री व कैलेंडर का विमोचन किया गया। नगरपरिषद सभापति मधु नुवाल, अरबन बैंक के चेयरमैन सतीश शर्मा, पूर्व प्रधान भगवान नुवाल, पार्षद ममता शर्मा ने पंचांग जंत्री का विमोचन किया। विमोचन से पूर्व ज्योतिषाचार्य पं. जगदीशप्रसाद शर्मा और उनकी टीम ने मंत्रोच्चारण से भगवान का पूजन कर कार्यक्रम की शुरुआत की प्रधान संपादक जगदीशप्रसाद शर्मा, गणितकर्ता आचार्य अक्षय शास्त्री, पंडित यशवंत शर्मा जोधपुर ,आचार्य पंकज कुमार भोपालपं. विष्णु तिवारी, आशीष गौतम, कृष्णानंद शर्मा, पंकज शास्त्री, दीपक शर्मा, ओमप्रकाश शर्मा ने जंत्री और पंचांग तैयार करने में विशेष भूमिका निभाई। जंत्री की विशेषता यह है कि यह छोटी साइज में है, जिसे जेब में भी रखा जा सकता है। श्री साकेत पञ्चाङ्ग सहित श्री साकेत पंचांग के अन्य प्रकाशन वैदिक पंचांग (दिल्ली संस्करण - सह सम्पादक पंडित प्रदीप अवस्थी) ,दिव्य विश्वेश्वर पंचांग (भोपाल संस्करण- सह सम्पादक आचार्य वी.के. तिवारी) विश्व के अधिकांश शहरों के लिए पञ्चाङ्ग, त्यौहार और व्रतों के दिन उपलब्ध करवाने में सक्षम है लेकिन कुछ शहर जो कि उच्च अक्षरेखा पर स्थित हैं और जहाँ सूर्य साल के कुछ दिनों में हमेशा दिखाई देता है (अर्थात कभी डूबता नहीं है), के लिए पञ्चाङ्ग उपलब्ध नहीं कराता है। श्री साकेत पंचांग https://www.shreesaketpanchang.com/ की यह वेबसाइट 30000 से अधिक शहरों के लिए पञ्चाङ्ग उपलब्ध कराती है। सभी व्रत और त्यौहार स्थान के अनुसार सूचीबद्ध किये जाते हैं। श्री साकेत पञ्चाङ्ग (कलेंडर ,जंत्री)पर की गयीं सभी गणनायें भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त द्रिक गणित अर्थात ग्रहों की स्थिति की सूक्ष्म गणनाओं पर आधारित हैं। यह पञ्चांग हिंदी में किन्तु श्री साकेत पंचांग की वेबसाइट अंग्रेजी पञ्चाङ्ग भी उपलब्ध कराती है।

आभार प्रकटीकरण कार्यक्रम में झलका क्षत्रिय युवक संघ का मानववाद

संघ प्रमुख ने सफाई कर्मचारियों संग भोजन कर दिया अपनत्व का संदेश

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। किसी भी व्यक्ति के साथ भेदभाव ईश्वर की संतान के साथ भेदभाव है। 22 दिसम्बर को क्षत्रिय युवक संघ के हीरक जयंती कार्यक्रम में दिए गए संदेश को संगठन ने मूर्त करके भी दिखाया है। इस आयोजन से प्रत्यक्ष जुड़े लोगों के आभार प्रकटीकरण कार्यक्रम में संगठन के संरक्षक भगवानसिंह रोलसाहबसर ने सफाईकर्मियों का सम्मान किया। यही नहीं संघप्रमुख लक्ष्मणसिंह बेण्यांकाबास समेत वरिष्ठ स्वयंसेवकों ने साथ बैठाकर सप्रेम भोजन भी किया। यह प्रयास क्षत्रिय युवक संघ के मानवीय दर्शन को सत्यापित कर गया है। सफाई व्यवस्था में एक माह तक सहयोग करने वाले लोगों को संरक्षक रोलसाहबसर ने संघ साहित्य भेंट किया। इस कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए संरक्षक रोलसाहबसर ने कहा कि ईश्वरीय आदेश पर हुए इस विराट आयोजन में सभी का सहयोग सराहनीय रहा। उन्होंने कहा कि सफाई कार्य में जुटे रहे लोगों ने एक माह तक उसी तरह से काम किया, जिस तरह से परिवार में करते हैं। ऐसे में ये लोग हमारे परिवार के ही हैं और इनका सम्मान करते हुए हमें हृदय से हर्ष हो रहा है। उन्होंने भवानी निकेतन समिति का भी आभार जताया। कार्यक्रम में आने वाले और प्रत्यक्ष–अप्रत्यक्ष सहयोग करने लोगों का आभार जताया गया। आयोजन में निमित्त बने सभी लोगों के साथ सहभोज का आयोजन किया गया।

ब्रह्मभोज से बड़ी कोशिश

संरक्षक भगवानसिंह रोलसाहबसर ने कहा कि मैं रोज देखता था कि सफाई कर्मचारी बड़े मनोयोग से इस कार्यक्र म में जुटे रहे। इनका सहयोग मैं कैसे भुला सकता था। मैं चाहता था कि ये हमारे साथ बैठें और भोजन करें। आत्मीयता के साथ यह अनुभव करें कि हम सब भगवान की संतान हैं। हम सब भाई बहिन है। मैं इनको धन्यवाद देता हूं और कृतज्ञता प्रकट करता हूं। जिस तरह से विशिष्ट आयोजनों में ब्रह्मभोज से शुरूआत होती है। इसी तरह से हम इस आभार प्रकटीकरण की शुरूआत सफाईकर्मियों के साथ भोजन से कर रहे हैं। सफाई निरीक्षक भगत दर्शन डागर, जमादार सूरजमल, कमल सारसल, मायादेवी, ओमप्रकाश, दिनेश, रिड़मल वाल्मीकि, सुरेन्द्र वाल्मीकि, कमल वाल्मीकि के साथ संघप्रमुख लक्ष्मणसिंह बेण्यांकाबास सहित क्षत्रिय युवक संघ के स्वयंसेवकों ने भोजन किया। इस अवसर पर पूर्व कैबिनेट मंत्री गजेन्द्रसिंह खिंवसर ने कहा कि क्षत्रिय युवक संघ के हीरक जयंती समारोह जैसा विराट, वैभवशाली और अनुशासित आयोजन अभी तक नहीं देखा। उन्होंने कहा कि क्षत्रिय युवक संघ शत प्रतिशत खरा संगठन है, जो युवाओं में संस्कार निर्माण के साथ–साथ समाज को दिशा देता है। प्रताप फाउण्डेशन के संयोजक महावीरसिंह सरवड़ी, पूर्व सांसद गोपालसिंह ईडवा, भवानी निकेतन के संरक्षक जालमसिंह, अध्यक्ष शिवपालसिंह नांगल, विक्र मसिंह मूंडरू, महाराव शेखा संस्थान के सचिव सम्पतसिंह धमोरा आदि बड़ी संख्या में समाजबंधु एकत्र रहे।

13वें आदिवासी युवा आदान प्रदान कार्यक्रम का शुभारम्भ

स्वतंत्रता संग्राम में आदिवासियों का योगदान महत्वपूर्ण- बोहरा

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। आदिवासी समाज की राष्ट्र के नवनिर्माण में महत्वपूर्ण भागीदारी रही है, हमारी जिम्मेदारी बनती है कि आदिवासी भाई बहनों के लिए शिक्षा,रोजगार और स्वास्थ्य की ओर विशेष जागरुकता का वातावरण बनाएं। यह उद्गार मंगलवार को नेहरू युवा केंद्र संगठन राजस्थान की ओर से आयोजित 13वें आदिवासी युवा आदान.प्रदान कार्यक्रम के उद्घाटन समारोह के अवसर पर सांसद राम चरण बोहरा ने झारखंड और छत्तीसगढ़ के छहः जिलों से आए आदिवासी युवाओं को संबोधित करते हुए प्रकट किए। सुरेश ज्ञान विहार विश्वविद्यालय के कालिंदी सभागार में आयोजित इस कार्यक्रम में उनका कहना था कि आदिवासियों का देश के स्वतंत्रता संग्राम में महत्वपूर्ण योगदान रहा है। उन्होंने युवाओं से आहान किया कि विकासात्मक और रचनात्मक गतिविधियों में अपनी महत्वपूर्ण भागीदारी निभाकर राष्ट्र के उत्थान में अपना योगदान प्रदान करें।

समाज के विकास में आएं आगे- मीणा

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए उदयपुर के सांसद अर्जुन लाल मीणा ने जनजाति युवाओं का आह्वान किया और कहा कि वह कभी भी दिग्भ्रमित ना होकर समाज के विकास में अपनी अग्रणी भूमिका का निर्वहन करे। जनजाति क्षेत्र में विकास की और आवश्यकता है तथा जनजाति क्षेत्र के विकास के लिए सभी युवाओं की सहभागिता एवं समर्पण का भाव होना आवश्यक है। उन्होंने बताया कि देश में केंद्र सरकार ने पंचायती राज अधिनियम के गठन के साथ ही आदिवासी वर्ग के अधिकारों के लिए पेसा एक्ट बनाया। इसके तहत आदिवासी वर्ग में अलगाव की भावना को कम करने और सार्वजनिक संसाधनों के उपयोग पर बेहतर नियंत्रण किया जाना है। कार्यक्रम के विशेष अतिथि पूर्व मंत्री वीरेंद्र मीणा ने कहा कि आदिवासी युवाओं को सही मार्गदर्शन व दिशा मिले तो सामाजिक परिवर्तन संभव है। नेहरू युवा केंद्र संगठन के राज्य निदेशक पवन अमरावत ने सात दिवसीय कार्यक्रम के उद्देश्यों सहित कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी प्रदान की। वहीं उपनिदेशक महेंद्र सिंह सिसोदिया ने स्वागत तथा पूर्व उप निदेशक महेश शर्मा ने आभार व्यक्त किया।

लगाई गई प्रदर्शनी

कार्यक्रम में आजादी के अमृत महोत्सव के तहत जनजाति समुदाय के अमर शहीदों और विकास योजनाओं की प्रदर्शनी लगाई गई। साथ ही झारखंड और छत्तीसगढ़ के युवा प्रतिभागियों ने स्थानीय सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति दी।

एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में सराहनीय कार्यो के लिए मिला प्रतिष्ठित पुरुस्कार

भौत्तिक दादासाहेब फाल्के सम्मान से सम्मानित

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

मुंबई। फिल्म एवं टीवी कलाकार लिटिल स्टार भौत्तिक को दादासाहेब फाल्के फैशन एंड लाइफस्टाइल अवार्ड्स से सम्मानित किया गया। मुंबई के पांच सितारा होटल सहारा स्टार में आयोजित भव्य समारोह में बाल कलाकार भौत्तिक को चमचमाती ट्रॉफी प्रदान की गयी। एनिग्मा इवेंट मेनेजमेंट के सीईओ एवं अवार्ड ओर्गनइजिंग समिति के प्रमुख दीपक चतुर्वेदी ने बताया की फाल्के अवार्ड सलेक्शन कमेटी ने फिल्म एवं टीवी कलाकार लिटिल स्टार भौत्तिक को बेस्ट चाइल्ड आर्टिस्ट केटेगरी में चयनित किया गया था। फाल्के फैशन एंड लाइफस्टाइल अवार्ड्स 2021 का भव्य आयोजन मायानगरी मुंबई के होटल सहारा स्टार में किया गया उन्होंने बताया की अवार्ड समारोह के साथ रनवे फैशन शो, फैशन कैलेंडर एवं म्यूजिक एल्बम पोस्टर भी लॉन्च किये गए । सेलिब्रिटी फैशन डिज़ाइनर एवं स्नेहाज़ फैशन फ्यूज़न की डायरेक्टर स्नेहा गोगोई जानकारी देते हुए कहा की

अवार्ड्स के लिए हमें विभिन्न श्रेणियों में बहुत से आवेदन मिले, सलेक्शन कमेटी की ओर से सुझाएँ और चयनित नामों में कई पॉपुलर सेलिब्रिटीज शामिल थे। ज्यूरी ने लिटिल स्टार भौत्तिक को मनोरंजन जगत में अपनी कला प्रतिभा से बेहतरीन योगदान देने पर इस प्रतिष्ठित पुरुस्कार से नवाजा गया। प्रतिष्ठित पुरस्कार से सम्मानित होने पर लिटिल स्टार भौत्तिक ने अपनी प्रतिकिया देते हुए कहा कि मुझे इससे पहले कई नामचीन अवार्ड और रिवॉर्ड मिलते रहे है पर दादासाहेब फाल्के अवार्ड मेरे लिए अपने आप में बहुत बड़ी बात हैं। ये बेहद गौरवान्वित महसूस करने वाला पल है इसके लिए मैं भगवान के साथ आयोजक एवं ज्यूरी का तहे दिल से धन्यवाद और आभार व्यक्त करता हूँ, लिटिल स्टार इन दिनों अपनी फिल्म बच्चा गैंग की शूटिंग में व्यस्त है। इसके अलावा और भी कई बड़े प्रोजेक्ट पर काम कर रहे है। हाल ही में लिटिल स्टार को उनके सराहनीय कार्यो के लिए ग्लोबल अचीवर्स सम्मान से सम्मानित किया गया। भौत्तिक इससे पूर्व हॉलीवुड प्रोजेक्ट सहित कई टीवी फिल्म्स सीरियल और विज्ञापनों में नजर आ चुके है ज़ी टीवी के डेली शो अपना टाइम भी आएगा में उनका किरदार बहुत पसंद किया गया। भौत्तिक को उनकी अदाकारी के लिए अनेको सम्मान मिल चुके है जिसमे बेस्ट चाइल्ड आर्टिस्ट 2020 का भी पुरूस्कार भी शामिल है। पेंडेमिक माहौल को देखते हुए समारोह में सरकार की कोविड गॉइडलाइन का पूरा धयान रखा गया और मेहमानों की संख्या सीमित रखी गयी ।

7 से 11 जनवरी तक हाई ब्रिड मोड पर आयोजित होगा जिफ

अब तक 52 देशों की 279 फिल्मों की होगी स्क्रीनिंग

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। नए साल में 7 से 11 जनवरी तक हाईब्रिड मोड पर होने जा रहे जयपुर इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में 52 देशों के 279 फिल्मों की स्क्रीनिंग की जाएगी। फेस्ट कई फिल्मों के वर्ल्ड प्रीमियर का गवाह बनेगा।

ये रहेगा ऑनलाइन फिल्मों की स्क्रीनिंग का शिड्यूल

8 जनवरी को 26 देशों की 70, 9 जनवरी को 24 देशों की 68, 10 जनवरी को 21 देशों की 66 और 11 जनवरी को 22 देशों की 69 फिल्मों की ऑनलाइन स्क्रीनिंग की जाएगी। ऑनलाइन शेड्यूल की गई फिल्में 24 घंटे यानि अगले दिन की रात 12 तक लाइव रहेंगी जिन्हें जिफ की वेबसाइट www.jiffindia.org/पर देखा जा सकता है।

दिखाई जाएंगी अवॉर्डेड फिल्में

फिल्मों की स्क्रीनिंग का सिलसिला सुबह 10 बजे से रात 10 बजे तक जारी रहेगा। यहां दिखाई जाने वाली कुल 108 फिल्मों से 90 फिल्में वो होंगी जिनको इस बार पुरस्कृत किया जा रहा है। यहां 8 जनवरी को 10 देशों की 31, 9 जनवरी को 13 देशों की 23, 10 जनवरी को 15 देशों की 32 और 11 जनवरी को 8 देशों की 22 फिल्मों की स्क्रीनिंग की जाएगी।

डेलीगेट्स रजिस्ट्रेशन जारी

फेस्ट की सभी गतिविधियों में प्रवेश पूरी तरह निःशुल्क रखा गया है जिसके लिए जिफ की ऑफिशियल वेबसाइट www. jiffindia.org/ पर रजिस्ट्रेशन जारी है।

कोटा में बनेगी बीएसएल 3 प्लस लैब, निपाह और इबोला वायरस की होगी जांच

कोटा @ जागरूक जनता। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के प्रयासों से कोटा संभाग को जल्द ही एक बड़ी सौगात मिलेगी। केंद्र सरकार ने कोटा में 17 करोड़ की लागत से बीएसएल 3 प्लस लैब स्थापित करने की सैद्धांतिक सहमति दे दी है। इस लैब की स्थापना के बाद निपाह और इबोला जैसे वायरस जो सामान्यतः भारत में नहीं पाए जाते, उनकी पहचान करना आसान हो जाएगा। कोटा में पूर्व में स्वीकृत बीएसएल 2 प्लस लैब के लिए भी डेढ़ करोड़ रुपए मिलेंगे। स्पीकर बिरला ने मंगलवार को जिला प्रशासन और मेडिकल कॉलेज प्रशासन के साथ आयोजित बैठक में यह जानकारी दी। ओमिक्रॉन की तैयारियों की समीक्षा के लिए आयोजित बैठक में स्पीकर बिरला ने पहले मेडिकल कॉलेज में उपलब्ध व्यवस्थाओं की जानकारी ली। बिरला ने बैठक से ही एम्स के निदेशक डॉ. रणदीप गुलेरिया से फोन पर बात कर ओमिक्रॉन के संबंध में अब तक हुई स्टडी की जानकारी मेडिकल कॉलेज के चिकित्सकों को उपलब्ध करवाई।

आज से केवल 3 दिन बाद अपनी तमाम खट्टी-मीठी स्मृतियों को सहेजे वर्ष 2021 हमेशा के लिए इतिहास के पन्नों में दर्ज हो जाएगा। यह वक्त है, जब हमें इस बीत रहे वर्ष का मूल्यांकन जरूर करना चाहिए। इसीलिए हम यहां विज्ञान-तकनीकी, स्वास्थ्य और खेल के क्षेत्र में देश के द्वारा हासिल की गई उपलब्धियों पर विहंगम दृष्टि डाल रहे हैं। इसके साथ ही पर्यावरण-जैवविविधता के क्षेत्र में व्याप्त वैश्विक संकट और उससे निपटने के लिए किए गए प्रयासों की भी विवेचना कर रहे हैं।

देश ने बढ़ाई अपनी क्षमताएं
हासिल की नई उपलब्धियां

तकनीक और विज्ञान के क्षेत्र में अपने देश ने नई मिसालें कायम कीं। कई अभूतपूर्व उपलब्धियां हासिल कीं तो नए क्षेत्रों में अपनी क्षमताएं भी साबित कीं। इस साल अर्जित उपलब्धियों और क्षमताओं पर एक नजर।

वैज्ञानिक अनुसंधान और तकनीकी विकास के क्षेत्र में वर्ष 2021 में देश ने हासिल कीं बहुआयामी उपलब्धियां

साइंस-टेक्नोलॉजी
संजय श्रीवास्तव

अब दुनिया के अधिकांश देशों ने इस बात को समझ लिया है कि आर्थिक विकास के लिए विज्ञान और तकनीक का विकास परमावश्यक है। बदलते समय के साथ जो नई समस्याएं उभर रही हैं, उन्हें विज्ञान, प्रौद्योगिकी तथा नवाचार की मदद से ही हल किया जा सकता है। हमारे लिए संतोष की बात है कि अपने देश में भी सरकार ने साल 2021 में विज्ञान और प्रौद्योगिकी पर पहले के मुकाबले बेहतर ध्यान दिया। इसके कुछ नतीजे इसी साल सामने आए कुछ आने वाले वर्षों में नजर आएंगे।

अनुसंधान के क्षेत्र में बढ़ा कदः इस साल कोरोना के कहर के बावजूद देश ने विज्ञान और तकनीक के क्षेत्र में कई उपलब्धियां हासिल की हैं। इस बरस भारत दुनिया में प्रौद्योगिकी आदान-प्रदान और निवेश के लिए तमाम देशों को आकर्षित करने वाला संसार का तीसरा पसंदीदा बन गया। इसी साल हुए सर्वे से पता चला कि दुनिया भर में 50 जो सबसे नई और विशाल तकनीकी कंपनियां हैं, उनमें से 70 फीसद का अपने देश में कम से कम एक अनुसंधान और विकास केंद्र अवश्य है। इसकी बड़ी वजह यह कि इस साल सरकार ने बड़े पैमाने पर अनुसंधान पार्क, प्रौद्योगिकी व्यवसाय वाले इन्क्यूबेटरों को बढ़ावा दिया है। इससे नए विचार, अनुसंधान तो सामने आए ही विज्ञान और व्यवसाय का रिश्ता अधिक व्यापक और बेहतर हुआ है। 2021 में ही इसका नतीजा साफ तब दिखा, जब आंकड़ों ने बताया कि पेटेंट में हमेशा पिछड़ने वाले अपने देश ने 2014 से 2021 तक पेटेंट स्वीकृतियों में 572 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की है। यह कम बड़ी उपलब्धि नहीं कि इस साल भारत बुनियादी वैज्ञानिक अनुसंधान के क्षेत्र में दुनिया के शीर्ष देशों की सूची में शामिल है। यूनेस्को साइंस रिपोर्ट 2021 (द रेस एगेंस्ट टाइम फॉर स्मार्ट डेवलपमेंट) बताती है कि सभी अमीर-गरीब देश 'हरित' ऊर्जा की ओर बढ़ रहे हैं, मतलब नॉन रेन्यूएबल से रीन्यूएबल की तरफ। उन्हें आर्थिक क्रांति के लिए डिजिटल प्रौद्योगिकियों जैसे आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस-एआई और रोबोटिक्स, बिग डेटा, इंटरनेट ऑफ थिंग्स और ब्लॉकचेन टेक्नोलॉजी, नैनो टेक्नोलॉजी, जैव प्रौद्योगिकी और संज्ञानात्मक विज्ञान के विकास का सहयोग चाहिए। लेकिन भारत ने शोध और विकास की महत्ता और इसमें स्वदेशी तकनीक के फायदे जान लिए हैं। इसके परिणाम इस वर्ष तो नजर आएंगे ही, आने वाले समय में और भी दिखने लगेंगे।

डिजिटल तकनीक में लगातार विकास कर रहा देश

शोध-विकास में बढ़ेगा बजटः कई विदेशी एजेंसियों ने इस बावत बहुत शोर मचाया कि 2015 से भारत की शोध विकास के क्षेत्र में लगातार गिरावट आ रही है। इसलिए इस साल सरकार ने तय किया कि अगले बरस विज्ञान और तकनीक क्षेत्र में शोध विकास हेतु सकल घरेलू उत्पाद यानी जीडीपी का कम से कम दो फीसदी खर्च करेगी। हालांकि अभी इस मद में वह एक फीसद से भी कम खर्च करती है।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता में बनी दूरगामी योजनाएंः सरकार ने इस साल अंतरिक्ष अनुसंधान और परमाणु ऊर्जा, कृत्रिम बुद्धिमत्ता जैसे विभिन्न क्षेत्रों में काफी निवेश किया है। इस साल से यह संकेत मिलने लगे हैं कि भारत धीरे-धीरे परमाणु तकनीक में आत्मनिर्भर होता जा रहा है। इस वर्ष नीति आयोग ने राष्ट्रीय कृत्रिम बुद्धिमत्ता रणनीति के तहत विभिन्न क्षेत्रों में कृत्रिम बुद्धिमत्ता की क्षमता विकसित करने के लिए जो रूपरेखा तैयार की है, वो भविष्य के लिए बड़े काम की है।

अंतरिक्ष विज्ञान में नई ऊंचाईः अंतरिक्ष अन्वेषण के क्षेत्र में हम संसार के बड़े पांच देशों में एक हैं ही। इस साल अक्टूबर में सरकार ने देश में अंतरिक्ष क्षेत्र को और मजबूत करने के लिए भारतीय अंतरिक्ष संघ की शुरुआत की। इसके तीन महीने पहले यूरोपीय और इजराइली अंतरिक्ष एजेंसियों के साथ सरकार ने नई संभावनाएं तलाशने के लिए समझौता किया। यही नहीं देश ने अंतरिक्ष क्षेत्र में निजी कंपनियों के प्रवेश का रास्ता खोला है, उसके बेहतर नतीजे भी इस साल दिखे।

ये रहीं शानदार उपलब्धियांः इस बरस विज्ञान और तकनीक के क्षेत्र में उपलब्धियां कई स्तर और प्रकार की रहीं। चाहे वो डीआरडीओ द्वारा मानव रहित हवाई वाहनों का पता लगाने और उन्हें बेअसर करने वाले ड्रोन-विरोधी तकनीक का विकास हो या परमाणु सक्षम और 1,000-2,000 किलोमीटर की मारक क्षमता वाली बैलिस्टिक मिसाइल 'अग्नि पी' का सफल परीक्षण या फिर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के क्षेत्र में आईआईटी दिल्ली के शोधकर्ताओं का मस्तिष्क से प्रेरित कृत्रिम न्यूरॉन का विकसित करना। यह भी कम खुशी की बात नहीं है कि 2019 में हार्ड लैंडिंग करने वाले चंद्रयान-2 ने इस साल वहां पानी के अणुओं के बारे में वैज्ञानिकों को बेहद उपयोगी जानकारी प्रदान की।

नई योजनाओं की हुई घोषणाएंः सितंबर 2021 में, अटल इनोवेशन मिशन और डसॉल्ट सिस्टम्स ने पूरे भारत में एक नवाचार और उद्यमिता पारिस्थितिकी तंत्र स्थापित करने की घोषणा की तो अगस्त में, केंद्र सरकार ने डीप ओशन मिशन को मंजूरी दी जो गहरे समुद्र में खनन, गहरे समुद्र में खनिज संसाधनों की खोज वगैरह को बढ़ावा देगा। मौसम विभाग ने ओडिशा के बालासोर में देश का पहला 'थंडरस्टॉर्म रिसर्च टेस्टबेड' स्थापित करने की घोषणा की। इस साल सरकार का अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के लिए 75 विज्ञान प्रौद्योगिकी और नवाचार केंद्र स्थापित करने के फैसले से विज्ञान और तकनीकी का सामाजिक पहलू सशक्त होगा। साथ ही इसी साल वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद द्वारा भारत की पहली वर्चुअल साइंस लैब की स्थापना भी देशभर के युवा वैज्ञानिकों, छात्रों को वैज्ञानिक प्रयोगों से जोड़ेगी। *

पर्यावरण संरक्षण को लेकर
देश-दुनिया में बढ़ी जागरूकता

पर्यावरण, जलवायु परिवर्तन और जैव विविधता का संकट पूरी दुनिया में बढ़ रहा है। लेकिन इस वर्ष इसके प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से कई सम्मेलन हुए और अनेक योजनाएं बनाई गईं।

पर्यावरण
वीना सुखीजा

स्कॉटलैंड के ग्लासगो शहर में आयोजित 26वां जलवायु सम्मेलन

इसमें कोई दो राय नहीं कि बिगड़ते पर्यावरण और जलवायु परिवर्तन के हाहाकारी नतीजे हमें पिछले एक दशक से डराते रहे हैं। लेकिन यह भी सही है कि हमने डरने और इस डर का एक-दूसरे को उपदेश देने के इतर कुछ और नहीं किया। लेकिन साल 2021 में पूरी दुनिया में इस मसले पर कई चेतावनी भरी बैठकें और सम्मेलन जरूर संपन्न हुए। इनमें कहा गया है कि अब बातें बहुत हो चुकी हैं, अगर धरती के पर्यावरण को बचाने के लिए और आशंका से भी तेज हो रही जलवायु परिवर्तन को रोकने के लिए अब भी कुछ ठोस नहीं किया गया तो फिर हम सिर्फ बातें ही करते रह जाएंगे।

जागरूकता के लिए हुए दो बड़े सम्मेलनः बीते नवंबर में स्कॉटलैंड के ग्लासगो शहर में आयोजित 26वें जलवायु सम्मेलन या कॉप 26 में साफ-साफ कहा गया कि अब बातें बंद हों और पर्यावरण तथा जैवविविधता को बचाने के लिए ठोस काम शुरू हो। इस साल भारत ने साल 2030 तक अपने कार्बन फुटप्रिंट को 33 से 35 प्रतिशत तक कम करने की प्रतिबद्धता फिर से दोहराई है। इसी साल भारत प्राकृतिक और उच्च आकांक्षा गठबंधन में शामिल हुआ, जब जनवरी 2021 में पेरिस में 'वन प्लेनेट समिट' शुरू हुई। दरअसल, वन प्लेनेट समिट जलवायु शिखर सम्मेलन की एक श्रंखला है, जिसकी शुरुआत साल 2017 में फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुअल मैक्रां द्वारा बोन में कॉप 23 के रूप में हुई थी। इसका उद्देश्य दुनिया भर में पारिस्थितिकी विस्तार को बढ़ावा देना है। इस साल इसका चौथा शिखर सम्मेलन 11 जनवरी 2021 को पेरिस में हुआ। इसके बाद ही महत्वाकांक्षी ग्रीन बेल्ट के लिए फ्रांस ने बड़ी धनराशि देने का वायदा किया।

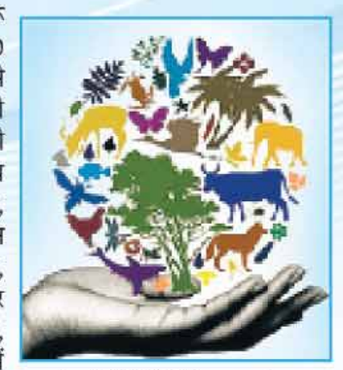

बड़ी चुनौती है जैवविविधता का संरक्षण

जैवविविधता के लिए जताई गई चिंताएंः जैवविविधता को संरक्षण देने और उसका विस्तार करने के लिए संयुक्त राष्ट्र जैवविविधता सम्मेलन कॉप-15 की पहले चरण की बैठक इस साल 11 अक्टूबर 2021 को चीन के कुनमिंग में पहले आयोजित की गई। इसके जारी घोषणापत्र को 100 से ज्यादा देशों ने स्वीकार किया। चीन ने कुनमिंग जैवविविधता कोष हेतु 1.5 अरब यूआन का सहयोग दिया है। संयुक्त राष्ट्र ने जलवायु परिवर्तन, प्रदूषण अपशिष्ट एवं जैवविविधता के ह्रास को पृथ्वी की तिहरी त्रासदी के रूप में चिन्हित किया है। जैवविविधता के लिए इस साल कई बड़े लक्ष्य तय किए गए हैं, जिनमें से पहला लक्ष्य यह है कि दुनिया के सभी पारिस्थितिक तंत्रों को बरकरार रखने के लिए इनके क्षेत्रों में कम से कम 15 प्रतिशत की बढ़ोतरी की जाए। इसी तरह विभिन्न प्रजातियों की विलुप्त होने की दर को 10 गुना कम किया जाए तथा 90 फीसदी आनुवंशिक विविधता संरक्षित करने के उपाय किए जाएं। दूसरे लक्ष्य के रूप में मानवता के लिए वैश्विक विकास एजेंडे का समर्थन करते हुए संसाधनों के संरक्षण और टिकाऊ उपयोग को बढ़ावा देना तय किया गया है और तीसरे लक्ष्य के रूप में जैवविविधता के संरक्षण, सतत उपयोग के साथ साझा किए गए मौद्रिक और गैरमौद्रिक लाभों में पर्याप्त वृद्धि करने का भी लक्ष्य रखा गया है।

कुछ योजनाओं की हुई शुरुआतः इस साल 11 अक्टूबर को भारत सरकार द्वारा चिड़ियाघरों के लिए विजन प्लान 2021-2031 जारी किया गया। जिसमें अगले 10 सालों तक भारतीय चिड़ियाघरों और प्राणी उद्यानों को अधिक उन्नत करना और केंद्रीय चिड़ियाघर प्राधिकरण को मजबूत करना शामिल है।

चुनौती है जलवायु परिवर्तन को रोकनाः विश्व मौसम विज्ञान संगठन ने साल 2021 में स्टेट ऑफ क्लाइमेंट सर्विसेज वाटर शीर्षक से रिपोर्ट जारी की, जिसमें कहा गया है कि पिछले 20 सालों में दुनिया के स्थलीय जल भंडारण में प्रतिवर्ष एक सेंटीमीटर की दर से गिरावट दर्ज की गई है। सबसे बड़ी गिरावट अंटार्कटिका और ग्रीनलैंड में दर्ज की गई है। जिस कारण पिछले 20 सालों से लगातार जल संबंधी खतरे बढ़े हैं। मसलन पिछले दो दशकों की तुलना में साल 2000 के बाद बाढ़ संबंधी आपदाओं में 1.34 फीसदी की वृद्धि हुई है। ठीक इसी समय सूखे की संख्या और अवधि में 29 फीसदी का इजाफा हुआ है। इस पर मौसम विज्ञान संगठन ने चिंता व्यक्त करते हुए कहा है कि इस पर काबू पाने के लिए क्लाइमेट परिवर्तन को रोकना एकमात्र उपाय है। *

स्वास्थ्य सेवाओं में हुए
सुधार के कई प्रयास

हालांकि इस वर्ष भी कोरोना के रूप में सबसे बड़ी स्वास्थ्य चुनौती बरकरार रही। लेकिन फिर भी लोगों की सेहत सुधारने की दिशा में कई महत्वपूर्ण-दूरगामी कदम उठाए गए।

हेल्थ सेक्टर
सीमा श्रीवास्तव

कोरोना के ओमिक्रॉन वैरिएंट और इसके संक्रमण की तीसरी लहर की आशंकाओं में बीतते इस साल में स्वास्थ्य के बजट में अभूतपूर्व 137 फीसद की बढ़ोत्तरी की गई। हालांकि भारी-भरकम स्वास्थ्य बजट के बावजूद फिलहाल सरकार सेहत के मद में जीडीपी का 1.26 फीसद ही खर्च कर रही है, जो एक मध्यम आय वाले देश के लिए काफी कम है। उम्मीद है कि जैसा सरकार ने इस साल निश्चय किया है कि वो स्वास्थ्य के मद में सकल घरेलू उत्पाद का 2 फीसद से ज्यादा व्यय करेगी, इससे आने वाले साल में स्थितियां सुधरेंगी। सरकार अन्य क्षेत्रों की भांति देश को स्वास्थ्य के क्षेत्र में भी आत्मनिर्भर बनाना चाहती है। इस दिशा में जो सरकारी प्रयास हुए, यह साल उसका साक्षी रहा।

शुरू किए जा रहे नए मेडिकल कॉलेजः इस साल प्रधानमंत्री आत्मनिर्भर स्वास्थ्य योजना का आरंभ हुआ। इसके तहत अगले 6 वर्षों में 64,180 करोड़ रुपए खर्च करने की योजना है। इस योजना से प्राथमिक, द्वितीयक और तृतीयक स्वास्थ्य प्रणाली की क्षमता विकसित की जाएगी। इससे मौजूदा राष्ट्रीय स्वास्थ्य संस्थानों को मजबूती मिलेगी और नए संस्थानों का भी निर्माण होगा। मार्च 2021 में घोषणा की गई कि पूरे भारत में 157 मेडिकल कॉलेज कार्यान्वयन के विभिन्न चरणों में हैं। इसमें से 58 कॉलेज पहले चरण में, 24 दूसरे चरण में और 75 कॉलेज तीसरे चरण में शुरू हो जाएंगे। जून 2021 में, पश्चिम बंगाल ने राज्य में छह नए मेडिकल कॉलेजों का प्रस्ताव रखा, उत्तर प्रदेश में नौ नए मेडिकल कॉलेज चालू हो गए, तेलंगाना ने छह मेडिकल कॉलेजों को मंजूरी दी और पंजाब ने राज्य में चार नए मेडिकल कॉलेजों की स्थापना की घोषणा कर दी। पर इन अस्पतालों के बढ़ती तादाद के बावजूद इस साल भी देश की वर्तमान जनसंख्या के बरअक्स 1,445 नागरिकों पर महज एक डॉक्टर है, जो कि विश्व स्वास्थ्य संगठन के निर्धारित मानदंड 1,000 लोगों के लिए एक डॉक्टर से कम है।

टेलीमेडिसिन सेवा 'ई-संजीवनी'

कोरोना पेशेंट्स के ट्रीटमेंट में जुटे डॉक्टर्स

किए गए कई प्रयासः स्थितियां चुनौतीपूर्ण होने के बावजूद देश में इस साल स्वास्थ्य क्षेत्र में सुधार और विकास के प्रयास लगातार हुए। सितंबर में आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन शुरू किया गया, जो अस्पतालों के डिजिटल स्वास्थ्य समाधानों को एक-दूसरे से जोड़ेगा। इसी साल से हर नागरिक के लिए एक डिजिटल हेल्थ आईडी बनाने की शुरुआत की गई, जिसमें उसका स्वास्थ्य रिकॉर्ड सुरक्षित रहेगा। अभी दो महीने पहले तक, केंद्र सरकार की 'डिजिटल इंडिया' पहल के अंतर्गत देशभर में 638 ई-अस्पताल स्थापित किए गए तो 'जान केयर' नामक कार्यक्रम शुरू किया गया, जो टेलीमेडिसिन, डिजिटल स्वास्थ्य और बिग डेटा, एआई, ब्लॉकचेन और अन्य तकनीकों के साथ एम हेल्थ जैसे कई क्षेत्रों में 75 स्टार्टअप की पहचान करेगा। स्वास्थ्य मंत्रालय की ई-संजीवनी टेलीमेडिसिन सेवा ने तकरीबन सवा करोड़ लोगों को चिकित्सकीय परामर्श उपलब्ध करवाया।

नागरिकों के बीच स्वस्थ जीवन को बढ़ावा देने के लिए सिद्ध, योग, यूनानी और आयुर्वेद जैसे पारंपरिक भारतीय तरीकों और देखभाल के लिए जागरूकता में सुधार किया जा सके, इसके लिए भी इस साल सरकार ने कई कदम उठाए। इस साल भारतीय मेडिकल टूरिज्म और बीमा के क्षेत्र ने उल्लेखनीय प्रगति की। स्वास्थ्य पर्यटन के मामले संसार के बेहतरीन 46 जगहों में भारत ने इस बार दसवां स्थान हासिल किया। इस तरह स्वास्थ्य के क्षेत्र में इस साल देश को मिली उपलब्धियां कई बरसों तक याद की जाएंगी और इसका लाभ देश के लोगों को हासिल होगा। *

बेस्ट मेडिकल अचीवमेंट्स

इस साल देश ने कई महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल की हैं। मसलन, गोवा देश का पहला ऐसा राज्य बना, जो रैबीज मुक्त घोषित हुआ। इस साल हमारे यहां निमोनिया का प्रभावी टीका विकसित हुआ, जिसे न्यूमोसिल नाम दिया गया है। इसे सीरम इंस्टीट्यूट ने विकसित किया है। भारतीय नागरिकों के मानसिक स्वास्थ्य के लिए मानस नाम का एक एप विकसित किया गया। पहली बार 11 सितंबर 2021 को मेडिसिन फ्रॉम द स्काई परियोजना शुरू हुई, जो तेलगांना के विकाराबाद जिले में शुरू हुई है। इस परियोजना का उद्देश्य तेलगांना में ड्रोन के माध्यम से दवाओं और टीके आदि की आपूर्ति करना है। देश में पहली बार ड्रोन की मदद से कोविड वैक्सीन की आपूर्ति इसी साल 4 अक्टूबर 2021 को पूर्व उत्तर के दुर्गम क्षेत्रों में शुरू की गई। *

-रेखा देशराज

खेलों में इस साल देश को मिलीं
कई कामयाबियां-कुछ नाकामियां भी

खेलों के लिहाज से यह वर्ष अपने देश के लिए मिला-जुला रहा। ओलंपिक और पैरालंपिक में खिलाड़ियों का अभूतपूर्व प्रदर्शन सामने आया तो क्रिकेट में कुछ नाकामियां भी मिलीं।

खेल-खिलाड़ी
सारिम अन्ना

साल 2021 में देश की खेल उपलब्धियों पर नजर डालें तो क्रिकेट और ओलंपिक खेलों का जिक्र विशेष रूप से करना होगा।

क्रिकेट में कुछ पाया-कुछ खोयाः क्रिकेट के लिहाज से साल की शुरुआत धमाकेदार रही। भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया के दौरे पर चार टेस्ट की श्रंखला खेलने के लिए पहुंची थी। पहले टेस्ट में भारत को करारी हार मिली। इसके बाद हर किसी की उम्मीद खत्म हो गई क्योंकि कप्तान विराट कोहली व्यक्तिगत कारणों से शेष सीरीज के लिए उपलब्ध नहीं थे और प्रमुख गेंदबाज (मुहम्मद शमी और ईशांत शर्मा) चोट की वजह से बाहर हो गए थे। लेकिन दूसरे टेस्ट में ऐतिहासिक और आश्चर्यजनक वापसी करते हुए भारत ने शानदार जीत दर्ज की। तीसरे टेस्ट में जसप्रीत बुमराह और कुछ अन्य खिलाड़ी चोटिल हुए फिर भी अपनी चोटों से जूझते हुए आर. अश्विन टेस्ट को ड्रॉ कराने में सफल रहे। चौथे टेस्ट में भारत को 11 की टीम पूरी करने के लिए अपने रिजर्व और नेट खिलाड़ियों को मैदान में उतारना पड़ा और इन्होंने चमत्कार कर दिया। मुहम्मद सिराज, शुभम गिल, ऋषभ पंत, वी. सुंदर और शार्दूल ठाकुर की वजह से भारत ने यादगार जीत दर्ज की और सीरीज 2-1 से अपने नाम की। इस तरह भारत ने ऑस्ट्रेलिया को ऑस्ट्रेलिया में लगातार इस अंतर से दो बार हराया। यह सीरीज भारत की ऐतिहासिक वापसी के लिए हमेशा याद रखी जाएगी। बहरहाल, इस सीरीज में भारत की बेंच स्ट्रेंथ से यह भी मालूम हुआ कि वह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक नहीं बल्कि दो बराबर की मजबूत टीमें उतारने में सक्षम है और ऐसा हुआ भी, जब एक टीम विराट कोहली के नेतृत्व में इंग्लैंड में शानदार खेल का प्रदर्शन कर रही थी और दूसरी टीम शिखर धवन के नेतृत्व में श्रीलंका में किला फतह कर रही थी। लेकिन इस सफलता के बावजूद इस साल आईसीसी प्रतियोगिताओं के जो दो महत्वपूर्ण पड़ाव आए उनमें भारत की असफलता ने निराश किया।

भारतीय टीम ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए ऑस्ट्रेलिया में चार टेस्ट मैचों की श्रंखला जीती

साउथहैंपटन (इंग्लैंड) में खेले गए पहली आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में भारत न्यूजीलैंड से 8 विकेट से हार गया। फिर यूएई में खेले गए आईसीसी पुरुष टी-20 विश्व कप में भारत सेमीफाइनल में भी ना पहुंच सका।

नीरज चोपड़ा

पीवी सिंधु

टोक्यो ओलंपिक में भारतीय उपलब्धिः कोविड के कारण 2020 में स्थगित किए गए ओलंपिक खेल, इस साल टोक्यो में आयोजित किए गए। भारत ने अपने 2012 लंदन ओलंपिक के रिकॉर्ड 6 पदकों में एक का इजाफा करते हुए कुल 7 पदक जीते। इनमें मुख्य रूप से यह बात उल्लेखनीय रही कि नीरज चोपड़ा ने जेवलिन में स्वर्ण पदक जीता। ट्रैक एंड फील्ड एथलेटिक्स में भारत का यह पहला स्वर्ण पदक है। इसके अतिरिक्त पीवी सिंधु ने बैडमिंटन का कांस्य पदक जीता। 1980 मास्को में स्वर्ण पदक जीतने के बाद भारतीय हॉकी टीम (पुरुष) ने टोक्यो में कांस्य पदक के साथ एक बार फिर पोडियम फिनिश की।

कृष्णा नागर

सुहास यथिराज

पैरालंपिक में किया सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शनः टोक्यो पैरालंपिक का अंत भारत ने बैडमिंटन खिलाड़ियों कृष्णा नागर के स्वर्ण पदक और सुहास यथिराज (जो नोएडा के जिलाधिकारी भी हैं) के रजत पदक के साथ किया। कुल मिलाकर भारत ने 5 स्वर्ण, 8 रजत और 6 कांस्य के साथ 19 पदक हासिल किए। पैरालंपिक में भारत का यह अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन रहा। टोक्यो में भारतीय खिलाड़ियों ने पांच रिकॉर्ड भी स्थापित किए। सुमित एंटिल (स्वर्ण) ने एफ64 पुरुष जेवलिन में 68.55 मीटर थ्रो के साथ विश्व रिकॉर्ड बनाया। अवनि लखेरा (स्वर्ण) ने कुल 249.6 पॉइंट्स के साथ विश्व रिकॉर्ड की बराबरी की और आर2 महिला एयर राइफल स्टैंडिंग एसएच1 में पैरालंपिक रिकॉर्ड बनाया। मनीष नरवाल (स्वर्ण) ने पी4 मिक्स्ड 50मी पिस्टल एसएच1 में पैरालंपिक रिकॉर्ड स्थापित किया।

बहरहाल, इन उपलब्धियों और निराशाओं के बीच तथ्य यह है कि 2021 के अधिकतर हिस्से में कोविड की मार रही। कोविड की दूसरी लहर के कारण अधिकतर प्रतियोगिताओं का आयोजन नहीं हुआ, कुछ को स्थगित तो कुछ को रद्द करना पड़ा, आईपीएल को बीच में रोककर कई माह बाद यूएई में पूरा कराया गया, जिसके लिए भारत ने इंग्लैंड में अपना पांचवां टेस्ट स्थगित किया। अधिकतर समय दर्शकों को स्टेडियमों से दूर रखा गया। *

जागरूक खबरें

जयपुर के प्रसिद्ध कवि अविनाश त्रिपाठी मुंबई में सम्मानित

जयपुर @ जागरूक जनता। प्रतिष्ठित कवि ,लेखक और गीतकार अविनाश त्रिपाठी ने मुंबई के नवनिर्मित अटल बिहारी वाजपेई राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र में अपनी गजलें और कविता सुना कर जमकर वाहवाही लूटी. उत्तर मुंबई के सांसद गोपाल शेट्टी और युवा भाजपा नेता डॉ योगेश दुबे द्वारा आयोजित इस राष्ट्रीय कवि सम्मेलन में देश के अलग-अलग हिस्सों से आए कवियों ने पूर्व प्रधानमंत्री और कवि अटल बिहारी वाजपेई की कविताओं का वाचन किया। 1 हफ्ते तक चलने वाले अटल महोत्सव में आज का दिन राष्ट्रीय कवि सम्मेलन के लिए निर्धारित था । जयपुर के अविनाश त्रिपाठी ने अपनी बहु प्रसिद्ध गजल अंधेरा घना है यह बेहतर है जुगनू के लिए, सुना कर जनता के बीच में धनात्मकता की लौ जगा दी। अविनाश की दूसरी गजल परिंदों का साथ जब से छूटने लगा को भी दर्शकों ने खूब सराहा। अविनाश के खूबसूरत कविता पाठ को उत्तर प्रदेश के पूर्व राज्यपाल और पूर्व केंद्रीय मंत्री राम नाइक और सांसद गोपाल शेट्टी ने पुरस्कृत कर, अविनाश का आभार व्यक्त किया। अविनाश के अलावा प्रसिद्ध शास्त्री गायिका पद्मश्री सोमा घोष ,प्रसिद्ध फिल्म अभिनेता स्वप्निल जोशी सहित कई सितारों ने अपने हुनर का प्रदर्शन किया। गौरतलब है कि अविनाश भारत में सबसे ज्यादा शॉर्ट फिल्म बनाने वाले फिल्मेकर है, उन्होंने 700 से भी ज्यादा शॉर्ट फिल्म का निर्माण और निर्देशन किया है इसके साथ अविनाश कई फिल्म मे गीत भी लिख रहे हैं।

अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार के शपथ ग्रहण कार्यक्रम में शामिल हुए जिलाध्यक्ष व प्रदेश मंत्री

जयपुर @ जागरूक जनता। अंतरराष्ट्रीय मानव अधिकार सुरक्षा फाउंडेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष गिर्राज प्रसाद गुप्ता राष्ट्रीय महिला मंत्री पुष्प लता आत्रेके निर्देश अनुसार अलवर जिले के तिजारा शहर में शपथ ग्रहण कार्यक्रम समारोह हुआ। मुख्य अतिथि राष्ट्रीय अध्यक्ष गिर्राज प्रसाद गुप्ता पुष्प लता आत्रे प्रदेश अध्यक्ष राजेश फौजी महिला अध्यक्ष सुनीता मेला वरिष्ठ अतिथि प्रदेश मंत्री महेंद्र सिंह सुरजनियास चित्तौड़ जिलाध्यक्ष राजू अग्रवाल शंभूपुरा थे ओबीसी अध्यक्ष मुकेश दास वैष्णव ने बताया कि अलवर जिले के तिजारा में राष्ट्रीय अध्यक्ष गुप्ता ने कहा, हमारा एक ही नारा है भूखे को भोजन भटके को रास्ता प्यासे को पानी देंगे महिलाओं व पुरुषों को रोजगार भी दिलाने का कार्य किया जा रहा हैजिलाध्यक्ष ने कहा शपथग्रहण समारोह संगठन के कार्यकर्ताओं को शपथ दिलाई गई व महिलाओं के साथ शोषण अत्याचार भ्रष्टाचार नहीं होने देंगेसाथ करौली जिला प्रभारी लखन लाल शुक्ला, गोपाल शर्मा दीपक वैष्णव मनोज कोठारी रामेश्वर मीणा सुनील शर्मा राजू नायक सोहन शर्मा कीर्ति बना संगठन के कई कार्यकर्ता मौजूद थे।

सरपंच ड्रग सप्लाई मामले में गिरफ्तार

जालोर @ जागरूक जनता। जिले की बागरा पुलिस चौंक गई जब एक नशेड़ी की गिरफ्तारी के बाद पता चला कि उस एमडी ड्रग की सप्लाई एक सरपंच ने की थी। सायला पंचायत समिति के चौराऊ ग्राम पंचायत के सरपंच अशोक कुमार राजपुरोहित को भी पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। जानकारी के अनुसार 18 नवंबर को बागरा पुलिस थानाधिकारी तेजू सिंह के नेतृत्व में टीम ने सियाणा सरहद में नाकाबंदी कर भीनमाल के दांतिवास निवासी जगदीश कुमार (31) पुत्र मलुराम विश्नोई को गिरफ्तार किया। आरोपी ने पूछताछ में एमडी सरपंच अशोक कुमार से खरीदना बताया था। पुलिस ने रविवार देर शाम न्यायाधीश के सामने पेश करने के बाद आरोपी को जेल भेज दिया। आहोर थानाधिकारी निरंजन प्रताप सिंह इस मामले की जांच कर रहे हैं। पंचायती राज चुनाव जनवरी 2020 में चौराऊ ग्राम पंचायत से अशोक कुमार राजपुरोहित ने चुनाव लड़ा। इस चुनाव में जीतकर अशोक कुमार गांव का सरपंच बन गया। सरपंच खुद एमडी व स्मैक जैसे खतरनाक नशे का आदी रहा है। पुलिस पूछताछ में सामने आया है कि अशोक कुमार सरपंच बनने से पहले स्मैक व एमडी जैसे खतरनाक नशा कर रहा था। सरपंच बनने के बाद नशा करने के साथ-साथ इसकी सप्लाई करनी भी शुरू कर दी।

अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन पूर्वी राजस्थान द्वारा किया गया सम्मान

चौमूं @ जागरूक जनता। एसोसिएशन, जयपुर के नवनियुक्त वरिष्ठ उपाध्यक्ष प्रमोद कुमार अग्रवाल का जयपुर रोड पर अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन पूर्वी राजस्थान के प्रदेश महामंत्री राजेश अग्रवाल के नेतृत्व में स्वागत किया गया। स्वागत कार्यक्रम के दौरान राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष मनीष गोयल सीए शिवकुमार गुप्ता, पूर्वी राजस्थान प्रदेश संयोजक संदीप मोदी, कृष्ण अग्रवाल, कमल कुमार अग्रवाल, एडवोकेट मुकेश कुमार शर्मा, एडवोकेट पीयूष राठौड़, एडवोकेट उमर दराज खान व एडवोकेट मुबारक अलीखान आदि उपस्थित रहे। बार एसोसिएशन जयपुर के नवनियुक्त वरिष्ठ उपाध्यक्ष प्रमोद कुमार अग्रवाल ने बताया कि बार एसोसिएशन को एक नई दिशा प्रदान करने का भी हर संभव प्रयास करेंगे। बार एसोसिएशन जयपुर के वरिष्ठ उपाध्यक्ष प्रमोद कुमार अग्रवाल को अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन की ओर से माल्यार्पण कर स्मृति चिन्ह प्रदान किया गया।

कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने भारतीय जनता पार्टी की सदस्यता ग्रहण की

चौमूं @ जागरूक जनता। विद्याधर नगर के राजेंद्र सैनी और अनेक कार्यकर्ता अध्यक्ष वसुंधरा राजे समर्थक मंच के साधिन्य में भाजपा की सदस्यता प्राप्त करते हुए, इनके साथ मंच के युवा मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष कैलाश जी नईवाल , मीडिया मोर्चा के प्रभारी नरेन्द्र जी शर्मा, प्रदेश संगठन मंत्री बुंदू कुरेशी, अब्दुल राशिद, जयपुर शहर उपाध्यक्ष बाबू भाई डिश वाले, जफर भाई, और मंच के सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित रहे, सभी ने 2023 को भाजपा मय करने का संकल्प लिया वसुंधरा राजे समर्थक मंच के प्रदेश अध्यक्ष विजय भारद्वाज जी के सानिध्य में नरपत सिंह राजवी विधायक के यहां सब ने पार्टी को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया।

बच्चों वैक्सीनेशन रजिस्ट्रेशन 1 से

तीन से लगेगी वैक्सीन, सभी को फिलहाल सीरिंज वाली को-वैक्सीन

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

बीकानेर। कोरोना की तीसरी लहर से बच्चों को बचाने के लिए वैक्सीनेशन का दौर राजस्थान में भी शुरू होने वाला है। वैक्सीनेशन के लिए एक जनवरी से रजिस्ट्रेशन होगा और तीन जनवरी से डोज लगने का सिलसिला शुरू हो जाएगा। फिलहाल हेल्थ डिपार्टमेंट को को-वैक्सीन लगाने के निर्देश दिए गए हैं। ऐसे में जायकोव-डी वैक्सीन अभी नहीं लगाई जा रही है, जो वैक्सीन फार्मा जेट मशीन (नीडल-फ्री इंजेक्टर) से लगेगी, जिसमें सिरिंज नहीं होती। बच्चों को फिलहाल सिरिंज वाली वैक्सीन ही लगानी होगी।

राज्य सरकार की ओर से वैक्सीनेशन के लिए SOP जल्द ही जारी की जाएगी। जिन बच्चों का जन्म वर्ष 2007 तक है, उन सभी को वैक्सीन लग सकती है। बच्चे का जन्म 2007 का होना चाहिए, फिर भले ही वो एक जनवरी का हो या फिर 31 दिसम्बर 2007 को।

सरकार ने 15 से 18 साल की एज ग्रुप के बच्चों के लिए 3 जनवरी से वैक्सीनेशन शुरू कर रही है। ऐसे में राजस्थान के करीब 51 लाख से ज्यादा बच्चों को वैक्सीन लगाई जाएगी। इसको लेकर तैयारियां पूरी कर दी गई है। हेल्थ डिपार्टमेंट की ओर से ये भी तैयारी की जा रही है कि बच्चों को हॉस्पिटल के अलावा स्कूल में भी वैक्सीनेशन की सुविधा मिले। वहीं बच्चों को वैक्सीन के दो से तीन डोज लग सकते हैं। वैक्सीनेशन के लिए रजिस्ट्रेशन एक जनवरी से शुरू होगा। ये ठीक वैसे ही होगा, जैसे बुजुर्गों व अन्य के लिए हुआ था। हेल्थ डिपार्टमेंट की ओर से जितनी वैक्सीन जिलों को उपलब्ध होगी, उसी आधार पर वैक्सीनेशन किया जाएगा। उसी आधार पर स्लॉट भी बनाए जाएंगे। Co-WIN पर स्वयं को रजिस्ट्रेशन करना होगा। इसके बाद ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन करवाया जाएगा। जिसका रजिस्ट्रेशन उस स्लॉट में हो जाएगा, उसे वैक्सीन लगा दी जाएगी।

स्कूल में भी होगा वैक्सीनेशन

फिलहाल स्लॉट बुकिंग के माध्यम से ही वैक्सीनेशन करवाने के निर्देश हैं, लेकिन कुछ समय में स्कूल में ही वैक्सीनेशन का सिलसिला शुरू हो जाएगा। हेल्थ डिपार्टमेंट ये चैक कर रहा है कि फिलहाल कितना रजिस्ट्रेशन हो रहा है। इसके बाद ही आगे के निर्णय किए जाएंगे।

बीकानेर में पौने दो लाख बच्चे

वैक्सीन लगाने के लिए बीकानेर में पंद्रह से सत्रह साल के एक लाख 77 हजार बच्चे हैं। इन सभी का रजिस्ट्रेशन करना और टीका लगाने का काम अभी होगा। इसके बाद अगले चरण में बारह से चौदह साल के बच्चों का नंबर आ सकता है।

वरिष्ठ कांग्रेस कार्यकर्ताओं का किया सम्मान

कांग्रेस स्थापना दिवस

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

चौमूं। 137वें कांग्रेस स्थापना दिवस पर पूर्व विधायक भगवान सहाय सैनी, चेयरमैन विष्णु कुमार सैनी के सानिध्य में वरिष्ठ कांग्रेस कार्यकर्ताओं को माला व साफा पहनाकर एवं शॉल ओढ़ाकर सम्मान किया। इस मौके पर वरिष्ठ कांग्रेस कार्यकर्ताओं को सामोद वीर हनुमान जी की फोटो भेंट की। पूर्व विधायक सैनी व चेयरमैन द्वारा वरिष्ठ कांग्रेस कार्यकर्ता नानकराम लांबा, शरत चंद चौहान, मांगीलाल बलेसरा, सागर लांबा, मदनलाल इंदौरिया, सुशीला कुमावत, सत्यनारायण शर्मा, मंगलचंद यादव, छोटूराम नागर, उदाराम नागर, महंत योगेश्वर दास शर्मा, मंगलचंद सैनी, सीताराम जीतरवाल, हनुमान सहाय कुमावत, गौरीशंकर कुमावत, रामचंद्र भौमका, जगदीश सेरावत मुनीम, बंशीधर यादव लोहरवाडा, मदन टोडावता, लक्ष्मी नारायण स्वामी,

जगदीश बागड़ा, लालाराम हलवाई, मालीराम यादव, अशोक कुमावत, पूरण मीणा डेहरा, कजोड़ मल लोरा, सांवरमल वर्मा, नेकी राम, भगवान सहाय सहित अन्य वरिष्ठ कांग्रेस कार्यकर्ताओं का सम्मान किया। पूर्व विधायक सैनी ने बताया कि कार्यकर्ता किसी भी पार्टी की रीड होते हैं। कांग्रेस पार्टी में जमीनी और मेहनती कार्यकर्ताओं को हमेशा स, जिला पार्षद, पंचायत समिति सदस्य, नगरपालिका पार्षदगण, सरपंचगण सहित सैकड़ों कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे।

बॉलीवुड सुपर स्टार्स बर्थडे म्यूजिकल नाइट कार्यक्रम

बॉलीवुड सुपरहिट तरानों पर बिखरा उम्दा लिबासों का जलवा

नेहा अस्थाना मीणा के कलेक्शन ने बिखेरी आभा

लियाकत अली व पूनम चन्द्रा समेत कई कलाकारों ने पेश किए गीत

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। अजीम अदाकार राजकपूर, दिलीप कुमार, राजेश खन्ना, धर्मेन्द्र पर फिल्माए और खुदा के नूर गायक मो.रफी व किशोर कुमार के गाए सुपरहिट तरानों की खुशबू से महाराणा प्रताप सभागार महक उठा। मौका था बॉलीवुड सुपर स्टार्स बर्थडे म्यूजिकल नाइट का, जिसमें एक दर्जन से अधिक कलाकारों ने अपने सुरीले तरन्नुम से सुपरहिट तरानों को पेश कर दानिशमंद श्रोताओं के दिलों को छू लिया। वहीं कार्यक्रम के दौरान मंच पर आगमन कोट्योर की फाउंडर नेहा अस्थाना मीणा के लखनवी चिकनकारी कलेक्शन की आभा भी बिखरी। इसमें फ्यूजन ग्रुप की मॉडल्स ने लियाकत व पूनम चन्द्रा की दिलकश मेडले प्रस्तुति पर आकर्षक रैम्पवॉक से न्यू ट्रेंड लुक के लखनवी चिकनकारी लिबासों का जलवा बिखेरा। शोस्टॉपर मिस राजस्थान-2021 मानसी राठौड़ का खास आकर्षण रहा। शो के कोरियोग्राफी योगेश मिश्रा व मेकओवर सेलिब्रिटी ब्यूटी एक्सपर्ट दीपाली चुघ का रहा, जिसे भरपूर सराहना मिली।

इसके अलावा मशहूर मूर्तिकार पद्मश्री अवॉर्डी अर्जुन प्रजापति के हुनरमंद बेटे मुकेश अर्जुन प्रजापति अपने लाइव डेमो में बॉलीवुड सुपरस्टार राजेश खन्ना का क्ले मॉडल में अक्स बनाकर माहौल को रोमांच से भर दिया। इस मौके पर बाल राइटर अनय सक्सेना को उनकी तीसरी पुस्तक के लिए सम्मानित किया गया। अनय को शहर के मशहूर शायर लोकेश कुमार सिंह, सीज्जलीन सीजर्स के ओनर वनीश चुघ व अभिषेक सिनेमेटिक्स फिल्म प्रॉडक्शन के ओनर अभिषेक और साहित्यकार नवल शर्मा ने किया।

कार्यक्रम की शुरुआत सारेगम फेम सिंगर लियाकत अली ने भजन रचना आना है तो आ राह में.... से की। इसके बाद कलाकार पूनम चन्द्रा ने इक अजनबी हसीना से....को सुर, लय और ताल में पेश माहौल में बॉलीवुड म्यूजिक की मेलॉडी का सुरूर भर दिया। कार्यक्रम में केपी सक्सेना ने ओ मेरे शाही खुबा ओ मेरी जाने जनाना..., हरजिन्दर सिंह रंधावा ने कौन है जो सपनों में आया..., नरेन्द्र वाघले ने ए मेरे दिल कहीं और चल... और मुक्ता चड्ढा ने पिया तू अब तो आजा... जैसे गीत पेश किए। संगत कलाकारों में की बोर्ड पर एस.बबलू, ढोलक पर नजाकत खान, आक्टोपेड पर अल्ताफ हुसैन, गिटार पर अंशु सक्सेना ने प्रभावी संगत की। संचालन एंकर शिखा पारीक ने किया।

कार्यक्रम में सोश्यल एक्टिविस्ट सुधीर माथुर, यूथ हैल्थ ऑर्गेनाइजेशन के फाउंडर कृष्ण उपाध्याय, अभिषेक सिनेमेटिक्स फिल्म प्रॉडक्शन के ओनर अभिषेक, राजस्थानी फिल्म के स्टार राज जांगिड़ और शहर के कई गणमान्य लोग मौजूद रहे। कार्यक्रम में कोरोना गाइडलाइन के मुताबिक दर्शकों को बिना मास्क के प्रवेश नहीं दिया गया। गौरतलब है कि अभिनेता राजकपूर, दिलीप कुमार, राजेश खन्ना, धर्मेन्द्र और प्लेबैक सिंगर मो.रफी का जन्म दिन दिसम्बर में आता है। इन्हीं बॉलीवुड की अजीम फनकार को अदाकारों का हैप्पी बर्थडे गीतों के जरिए सेलिब्रेट किया गया।

अंतरराष्ट्रीय अग्रवाल सम्मेलन अंतरराष्ट्रीय संयोजिका (गल्फ)

कार्बन क्रेडिट कैंपेन के जरिए पर्यावरण बचाने का देंगे संदेश

मीनल शाह के नेतृत्व में पूरे वर्ष चलेगा अभियान

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

कोलकाता। अंतरराष्ट्रीय अग्रवाल सम्मेलन, हेल्प ट्रस्ट, भारत अपनी सहयोगी संस्थाओं शैक्षिक आगाज़ एवं रेडियो मेरी आवाज के साथ इस बार नए साल की शुरुआत एक अनोखे जागरूकता अभियान के साथ करने जा रहा है जिसका नाम है 'कार्बन क्रेडिट कैंपेन'। लिटिल हेल्प ट्रस्ट की संस्थापिका समृद्धि चौधरी ने बताया कि वैश्विक महामारी कोरोना के संकट काल में हमें ऑक्सीजन की महत्ता का बखूबी आकलन हुआ। ताउम्र पैसे की बचत करने के बाद भी हम हमारे अपनों के लिए ऑक्सीजन की व्यवस्था नहीं कर पाए इसलिए हमने इस जागरूकता अभियान के साथ नए साल की शुरुआत करने का लक्ष्य लिया है। संस्था की राष्ट्रीय संयोजक सृष्टि चौधरी ने इस कैंपेन को व्यवस्थित ढंग से जमीनी स्तर पर सफलतापूर्वक चलाए जाने के लिए समस्त अंतरराष्ट्रीय, राष्ट्रीय एवं राज्य संयोजक एवं सदस्यों से आह्वान किया और बताया कि हमारी गाड़ी एक घंटा सड़कों पर चलते हुए लगभग 6 लोगों की पूरे दिन की ऑक्सीजन को डीजल पेट्रोल जलाने में इस्तेमाल करती है या एक व्यक्ति की 6 दिन की सांस लेने वाली ऑक्सीजन एक घंटा गाड़ी में पेट्रोल डीजल जलने से खर्च हो जाती है। हम विलासिता पूर्ण जीवन जीते हुए अनावश्यक रूप से रोजमर्रा के कार्यों के लिए भी अपने व्हीकलस और गाड़ियों का इस्तेमाल करने लगे हैं जिससे हमारे स्वास्थ्य पर तो बुरा प्रभाव पड़ ही रहा है साथ साथ हमारे वातावरण में कार्बन डाइऑक्साइड की मात्रा बढ़ती जा रही है और ऑक्सीजन की मात्रा कम होती जा रही है जिसके कारण हमारे रक्त में भी ऑक्सीजन की मात्रा कम हो जाती है। शरीर में कम ऑक्सीजन बेचैनी, चिड़चिड़ापन, नींद आना, सोचने समझने और निर्णय लेने की क्षमता में कमी के साथ-साथ हृदय रोगों की संभावना को भी बढ़ा देती है। वैज्ञानिकों का कहना है कि सदी के अंत 2100 तक कार्बन डाइऑक्साइड की मात्रा आज से तीन गुना हो जाएगी जिसका प्रत्यक्ष प्रभाव हमारे आने वाली पीढ़ियों के स्वास्थ्य पर दिखाई देगा। बढ़ता हुआ वैश्विक तापमान, जलवायु परिवर्तन या आसान शब्दों में कहें तो प्रदूषण को नियंत्रित करना और वातावरण में ऑक्सीजन की मात्रा को बनाए रखने के लिए वृक्षारोपण करना ही एकमात्र उपाय नहीं है क्योंकि इंसानी क्रियाकलापों से निकली हुई सारी कार्बन डाइऑक्साइड को पौधे सोख कर वातावरण को पूरी तरह शुद्ध नहीं कर सकते। दोनों बहनों की जोड़ी समृद्धि चौधरी और सृष्टि चौधरी का कहना है कि क्यों ना हम अपने दैनिक क्रियाकलापों में कुछ परिवर्तन करके अपने स्वास्थ्य और पर्यावरण को सही करने के लिए एक कदम उठाएं इससे हमारी आने वाली पीढ़ियों को भी हम स्वस्थ आदतों के साथ साफ और स्वच्छ वातावरण दे सकेंगे। दोनों ने समाज का ध्यान इस ओर आकर्षित करने हेतु इस कार्बन क्रेडिट कैंपेन को चलाने का बीड़ा उठाया है जो कि आने वाले नव वर्ष 1 जनवरी 2022 को प्रभाव में आएगा। संस्था के साथ जुड़े हुए समस्त देश और विदेश के सदस्य 21 दिसंबर से 31 दिसंबर तक अपने परिवार, रिश्तेदारों, दोस्तों और सहयोगियों को इसके लिए शपथ दिलाई जा रही है कि हम सभी नए साल के पहले दिन अपने टू व्हीलर और फोर व्हीलर्स का इस्तेमाल नहीं करेंगे, अपने सभी कार्य पैदल या साइकिल के द्वारा, ओर अधिक आवश्यक हुआ तो पब्लिक ट्रांसपोर्ट का इस्तेमाल करेंगें। सभी संस्था सदस्य और अन्य सहयोगी संस्थाएं अपने-अपने शहरों में जागरूकता हेतु शपथ ग्रहण कार्यक्रमों का आयोजन कर रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय संयोजिका अंतरराष्ट्रीय अग्रवाल सम्मेलन एवं रेडियो मेरी आवाज की ग्लोबल कोऑर्डिनेटर मीनल शाह देवरा ने बताया कि इस अनोखे जागरूकता कार्यक्रम में साथ देने के लिए देश-विदेश की अनेक संस्थाएं आगे बढ़कर अपना साथ दे रही हैं जो कि इस कार्यक्रम की सफलता की सूचक है। संस्था की संरक्षिका और शैक्षिक आगाज़ की संस्थापिका स्मृति चौधरी ने बताया कि लिटिल हेल्प ट्रस्ट, शैक्षिक आगाज़ रेडियो मेरी आवाज नहीं मिलकर 2021 में वृक्षारोपण वर्ल्ड वाइड कार्यक्रम में 1 दिन में 113000 से अधिक वृक्षों का रोपण किया, यूथ अवेयरनेस कैंपेन में ढाई हजार से अधिक बच्चों ने जलवायु परिवर्तन पर पोस्टर्स बनाकर अपने-अपने विद्यालयों में इस जागरूकता अभियान को चलाया, नशा मुक्ति स्वास्थ्य एवं स्वच्छता के लिए चलाए गए कम्युनिटी अवेयरनेस प्रोग्राम में 5000 अध्यापकों के जरिए 450 सरकारी विद्यालय के 125000 से ज्यादा छात्रों को संकल्पित किया और संस्थाएं 2022 में भी अपने सामाजिक जन जागरूकता अभियानों को जमीनी स्तर पर लागू करने और लोगों को जागरूक करने के प्रति वचनबद्ध है।

ब्राह्मण समाज का स्नेह मिलन समारोह संपन्न

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

चौमूं। ब्राह्मण समाज राजस्थान जयपुर जिला देहात के द्वारा कागलिया वाले बालाजी, मोरीजा रोड चौमूँ पर 108 गिरधारी दास जी महाराज के सानिध्य में व पं अंबिका प्रकाश पाठक की अध्यक्षता मे संपन्न हुआ कार्यक्रम में आरपीएस संदीप सारस्वत, तहसीलदार कृष्णा शर्मा, समाजसेवी गोपाल शर्मा, शिक्षाविद सांवरमल शास्त्री एवं डॉ भरत राज शर्मा अतिथि के रुप में उपस्थित रहे इस दौरान जिलाध्यक्ष भुवनेश तिवाडी व पदाधिकारियों ने मंचासीन अतिथियों का माल्यार्पण कर शाल, साफा व मां गायत्री की प्रतिमा भेंट कर सम्मानित किया।

मंच संचालन जिला प्रवक्ता पंडित अरुण कुमार शर्मा ने किया। प्रदेशाध्यक्ष अंबिका प्रकाश पाठक ने अपने उद्बोधन में कहा कि आज समाज में जागरूकता लाने की आवश्यकता है तथा युवाओं को समाज के कार्यक्रमों में आगे आने का आह्वान किया तथा समाज के मंच पर सर्व समाज को संगठित रहने पर जोर दिया कार्यक्रम में जिलाध्यक्ष (युवा प्रकोष्ठ) चंदन बसोतिया, जिला महासचिव बनवारी लाल शर्मा, जिला उपाध्यक्ष अशोक रेवडका, जिला महामंत्री संदीप शर्मा, जिला संगठन मंत्री पं राम स्वरुप शर्मा, जिला मंत्री पं चंद्रशेखर शर्मा, चौमूँ तहसील अध्यक्ष डॉ अरुण कुमार शर्मा महामंत्री नंदकिशोर गैसका, महासचिव भवानी शंकर शर्मा, चौमूँ तहसील संगठन मंत्री चंद्रप्रकाश शर्मा, (महिला प्रकोष्ठ) नगर अध्यक्ष ममता शर्मा, महामंत्री आशा शर्मा, चौमूँ नगर अध्यक्ष मुक्तिलाल बासोतिया, कृपा शंकर शर्मा, डॉ पवन कुमार तिवाडी, पं छोटी लाल शर्मा, बनवारी लाल भातरा, पार्षद संदीप शर्मा, मुकेश कुमार दीक्षित, मेघराज शर्मा, महावीर शर्मा, राकेश शर्मा, नारायण लाल शर्मा, हरिओम शर्मा, बालकृष्ण भारद्वाज आदि गणमान्य लोग उपस्थित थे।

एनएसएस के शिविर में छात्राओं ने दिया स्वच्छता का संदेश

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। कैम्ब्रिज पी जी गर्ल्स कॉलेज कांवट NSS के सात दिवसीय विशेष शिविर का छठवां दिन माँ मनसा देवी झुंझनूं के पावन दरबार में सफाई कर साथ ही पर्यटन स्थलों का महत्व की जानकारी देते हुए मूक जानवरों फल खिलाये गये ।भ्रमण हेतु निदेशक हरि सिंह भादवा, सचिव डी आर महरिया ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया ।भ्रमण के अवसर पर डॉ भागीरथ खारडिया,प्रभारी भूलेश कुमार मीणा,मनोज जागिंड,नरेश गुप्ता साथ ही हस्स की इकाई अ और ब के स्वयंसेवकों ने भ्रमण का आनन्द लेते हुए स्वच्छता के सफाई कार्य किया।

ANCHOR

वरिष्ठ भाजपा कार्यकर्ताओं का विधायक रामलाल शर्मा ने किया सम्मान

भाजपा के वरिष्ठ कार्यकर्ता पार्टी के लिए धरोहर के रूप में पूँजी- रामलाल शर्मा

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

चौमूँ। भारतीय जनता पार्टी नगर एवं देहात चौमूँ द्वारा आज शहर के एक निजी गार्डन में वरिष्ठ भाजपा कार्यकर्ता सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भाजपा प्रदेश मुख्य प्रवक्ता एवं विधायक रामलाल शर्मा द्वारा कार्यक्रम में विधानसभा क्षेत्र चौमूँ से पधारे वरिष्ठ भाजपा कार्यकर्ताओं को शॉल ओढ़ाकर तुलसी माला भेंट की। साथ ही विधायक रामलाल शर्मा ने वरिष्ठ कार्यकर्ताओं से आशीर्वाद लिया। विधायक रामलाल

शर्मा ने कहा कि भाजपा के वरिष्ठ कार्यकर्ता पार्टी की धरोहर के रूप में पूँजी है और प्रत्येक कार्यकर्ता पार्टी की रीढ़ है। वरिष्ठ कार्यकर्ताओं का मार्गदर्शन और आशीर्वाद सदैव पार्टी की रीति-नीति को आगे बढ़ाने में अहम होता है। भाजपा में आज प्रत्येक कार्यकर्ता एकजुट होकर काम कर रहा है परंतु आप सभी का योगदान जनसंघ एवं पार्टी की शुरुआत से ही पार्टी हित में रहा है, जिससे आज पार्टी का वटवृक्ष रूपी पेड़ बनकर तैयार हुआ है। आज आप सभी का सम्मान करना, मेरे लिए सौभाग्य की बात है। साथ ही कार्यक्रम में पधारे वरिष्ठ कार्यकर्ताओं ने पार्टी में दिए गए अपने-अपने योगदान का जिक्र किया और सम्मान पाकर सभी कार्यकर्ताओं के चेहरों पर खुशी दिखाई दी। इस मौके पर प्रधान रामस्वरूप यादव, भाजपा नगर मंडल अध्यक्ष गजानंद कुमावत, भाजपा जिला उपाध्यक्ष बजरंग सोनी, भाजपा देहात मंडल कालाडेरा अध्यक्ष बनवारी शर्मा, भाजपा बांसा मंडल अध्यक्ष श्रीराम शर्मा, भाजपा देहात मंडल गोविंदगढ़ महामंत्री जितेंद्र सिंह सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष पूनिया का किया स्वागत

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

कोटपूतली। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेशाध्यक्ष डॉ.सतीश पूनीया का पूतली कट पर कोटपूतली में भाजपा कार्यकर्ताओं ने भाजपा नेता मुकेश गोयल के नेतृत्व में स्वागत किया। डॉ.पूनीया जयपुर से जाते समय कुछ समय कोटपूतली रुके थे।इस अवसर पर डॉ.सतीश पूनीया ने कहा कि राज्य की कांग्रेस सरकार हर मोर्चे पर विफल है। कांग्रेस शासन में अपराधियों के हौसले बुलन्द हैं।इस सरकार को जनहित से ज्यादा अपनी कुर्सी बचाने की चिंता है। अखबार के ब्यूरो चीफ धर्मवीर कुमावत ने बताया कि इस दौरान जिला महामंत्री सुरेन्द्र चौधरी, जिलामंत्री सुभाष चन्द शर्मा, महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष आरती सिंह, किसान मोर्चा जिला उपाध्यक्ष पूरण मल सैनी,वरिष्ठ भाजपा नेता कैलाश चन्द टेलर, शंकर लाल कसाना, मण्डल अध्यक्ष सुभाष घोघड़, मण्डल अध्यक्ष रमेश रावत, रमन सैनी, राजाराम कसाना, विजय कुमार आर्य, सुनील यादव, सुरेश वैद्य, दिलीप यादव, मुकेश कसाना, पं.स.स. विक्रम यादव, पुष्कर शर्मा, विजय सिंह, भूपेन्द्र यादव, राजेन्द्र गुर्जर,पार्षद प्रमोद कुमार सैनी, पूरणमल, मुखिया पायला, कमलेश प्रजापत, लालसिंह, मनोज चौधरी, अजीत सिंह चौहान, ईश्वर स्वामी, कृष्ण सिंह तंवर, रमेश होलदार, देवेन्द्र आर्य, विक्रम शर्मा, दयाराम कुमावत, पार्षद जयराम रावत, यशस्वी मिश्रा, कपिल शर्मा, चेतराम, देशराज यादव, भैरूराम, दाताराम जाट, मिथलेश सैनी सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।

नीट परीक्षा में चयनित होने पर दुर्गेश का किया सम्मान

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

कोटपूतली। नीट परीक्षा 2021 में चयन होने पर दक्ष छात्रावास विकास समिति के तत्वावधान में कुम्हार समाज ने समिति के मुख्य संरक्षक सेवानिवृत्त आरएएस बनवारीलाल बासनीवाल की अध्यक्षता में दुर्गेश कुमावत पुत्र स्वर्गीय उमराव लाल प्रजापत निवासी पुरुषोत्तमपुरा, कोटपूतली का उनके निवास स्थान पुरुषोत्तमपुरा में समाज बंधुओं द्वारा सम्मान किया गया।

उल्लेखनीय है कि दुर्गेश कुमावत ने नीट परीक्षा 2021 में 626 अंक हासिल कर ऑल इंडिया ओबीसी वर्ग में 3570 वीं रैंक हासिल की है।दुर्गेश ने बताया कि उनके पिता के स्वर्गवास के उपरांत उनकी माता जोकि गृहणी हैं,उन्होंने कभी भी पिता की कमी महसूस नहीं होने दी और हमेशा पढ़ाई के लिए प्रेरित करती रही।उन्होंने अपनी सफलता का श्रेय अपनी माता व परिजनों सहित गुरुजनों को दिया है। इस दौरान सेवानिवृत्त आरएएस बी.एल.बासनीवाल ने कहा कि पिता ना होने के बावजूद भी इस बालक ने अपनी मेहनत के बदौलत यह सफलता हासिल की है।इस बालक ने साबित कर दिया कि नियमित मेहनत से हर मंजिल को हासिल किया जा सकता है।शिक्षा के क्षेत्र माता पिता अपने बेटे बेटियों को शिक्षा से वंचित ना करें उन्हें शिक्षा के लिए हमेशा प्रेरित करें। हर माता पिता अपने बालक - बालिकाओं को उनके कैरियर के प्रति प्रेरित करते रहें।इस मौके पर समाज बंधुओं द्वारा दुर्गेश कुमावत को मिठाई खिलाकर शुभकामनाएं प्रेषित करते हुए फूल माला पहनाकर सम्मान किया गया।

अखबार के ब्यूरो चीफ धर्मवीर कुमावत ने बताया कि इस दौरान समिति के सचिव कमलेश प्रजापत,पूर्व सचिव एवं नगर पालिका पार्षद गंगाराम प्रजापति,ताराचंद वर्मा,पूरणमल कुमावत, धर्मपाल प्रजापत,सुनील बासनीवाल, कैलाश चंद वर्मा, प्रभु दयाल बनेठी, रतीराम कुमावत, कैलाश गोपालपुरा,रामशरण कुमावत, रमेश चंद, चंद्रप्रकाश, सिंम्भू दयाल, रविदास, ओमप्रकाश, कैलाश, सरदाराराम,राजेश कुमावत, रमेश, संतोष कुमावत, नवरतन ठेकादार, काशीराम, रतिराम, अशोक कुमावत, महेंद्र कुमार, धर्मपाल, सुरेंद्र गोरीर, शंकरलाल, राजेश,कपिल, सहित अन्य समाजबंधु एवं ग्रामवासियों ने मिठाई खिलाकर बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

देखो वो आया 2022

नविता मिश्रा
इन्टरप्रेन्योर
@jagrukjanta.net

बस कुछ दिन शेष है 2021 से 2022 अंकित करने में.पूरे 365 दिनों का यह बस्ता हम सभी को कुछ खट्टे मीठे अनुभव देकर जा रहा है। 2021 का प्रस्थान,2022 का आगमन. हम 2021 के अंतिम सप्ताह में है, वर्ष 2021 हम सभी के जीवन में बहुत सी चुनौतियां के साथ संबल, साहस, सौहार्द,संवेदना लेकर आया और अब वह अपने आस्थाचल की ओर अग्रसर है। तो हम सब कृतज्ञता और धन्यवाद के साथ इस वर्ष को विदा करे। इस वर्ष ने हमें जो अनुभव दिए, वो आने वाली पीढ़ी को हम आभासी कहानी की तरह सुना सकेंगे। जिस पे विश्वास करना थोड़ा कठिन होगा।

जो साहस और सौहार्द हमने अपने लोगों के प्रति वर्ष 2020-21 में देखा ,इससे एक फिल्मी गाने की पंक्तियां साकार होती नजर आई, जो कुछ इस तरह है अपनी छतरी तुमको दे दे, कभी जो बरसे पानी, कभी नए पैकेट में बेचे तुमको चीज पुरानी, फिर भी दिल है हिंदुस्तानी। हम सभी इस बात के साक्षी है की बहुत विषम परिस्थितियां आई, पर सहायता के लिए हाथ भी पहुंचे। नये व्यापार और पद्धतियों की खोज हुई। हम सभी ने प्रकृति की शरण ली रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने के लिए, अध्यात्म की शरण ली दुख और मन मस्तिष्क में उपज रहे विष और टूटते हुए मनोबल को संभालने के लिए। तकनीकी की सहायता ली गिरते बाजार और बढ़ती आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए।

कहते हैं ना जहां चाह है, वहां राह है। बाजार फिर खुले, शादियों में रौनक लौट आई, विद्यालय के प्रांगण फिर शोरगुल से गूंज उठे. मगर इस बार सावधानी और समाधान की विचारधारा के साथ। हम सब जिस समय से गुजरे हैं, उससे याद रख कर ,उस समय को सीख की तरह अपने आने वाले कल पर लागू करें। वर्ष 2022 निश्चित तौर पर एक नया सवेरा लेकर आएगा, हमने जो 2020-21 में खोया पाया उस पल की स्मृतियों और अनुभव के साथ 2022 में नई और सकारात्मक ऊर्जा के साथ प्रवेश करें, तकनीकी उपलब्धियों के साथ संस्कृति और प्राचीन विज्ञान को साथ लेकर, नए रंगों के निर्माण से आधुनिक-प्राचीन के फ्यूजन से एक सुंदर भारत का निर्माण करें. प्रकृति और संस्कृति के मेल को आधुनिकता और तकनीकी के सुंदर लिफाफे में लपेट कर आने वाली पीढ़ी को भेंट करें। हम सब नव भारत, आत्मनिर्भर भारत, स्वच्छ भारत के निर्माण की ओर अग्रसर रहें और अपना सहयोग प्रदान करें। इसी सुविचार के साथ वर्ष 2022 के आगमन की अग्रिम शुभकामनाएं!

संघर्ष समिति के सदस्यों एवं जनप्रतिनिधियों द्वारा खेद जताने पर हुआ मामला शांत

मीडियाकर्मियों पर अशोभनीय टिप्पणी के मामले को लेकर पत्रकार संघ की बैठक आयोजित

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

कोटपूतली। मास्टर प्लान के अनुरूप कस्बे की मुख्य सड़कों को चौड़ा किये जाने की कवायद को लेकर नगर पालिका मण्डल की कार्यवाही के विरोध में नगर व्यापार महासंघ संघर्ष समिति के बैनर तले श्री अग्रसेन तिराहे पर व्यापारियों एवं जनप्रतिनिधियो द्वारा दिये जा रहे अनिश्चितकालीन धरने प्रदर्शन में शनिवार व रविवार को समिति के मंच से कुछ वक्ताओं व जनप्रतिनिधियों द्वारा मीडियाकर्मियों, मीडिया संस्थानों व क्षेत्र के पत्रकारों पर की गई आपत्तिजनक अशोभनीय टिप्पणी को लेकर पत्रकारों में आक्रोश का माहौल देखने को मिला।

धरणार्थियों द्वारा भाषण के दौरान की गई टिप्पणी को लेकर पत्रकार संगठनों की बैठक रविवार दोपहर कस्बा स्थित रामभवन में राजस्थान पत्रकार परिषद् के जिलाध्यक्ष आनन्द पण्डित की अध्यक्षता में आयोजित हुई।

बैठक में पत्रकारों ने उक्त टिप्पणी की निंदा करते हुए रोष व्यक्त किया। जिसके बाद पत्रकार पैदल मार्च करते हुए श्री अग्रसेन तिराहे स्थित धरना स्थल पर पहुँचे।जहाँ मौजूद समिति सदस्यों एवं जनप्रतिनिधियों को उक्त बयान को लेकर मीडियाकर्मियों ने विरोध दर्ज करवाते हुए स्पष्टीकरण भी मांगा। जिस पर पूर्व संसदीय सचिव रामस्वरूप कसाना, महासंघ के महामंत्री रमेश जिन्दल एवं पूर्व चैयरमैन प्रकाश चंद सैनी ने उपरोक्त घटनाक्रम को दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए खेद जताया।साथ ही भविष्य में ऐसी पुनरावृत्ति ना होने का आश्वासन देते हुए मीडियाकर्मियों से निरन्तर सहयोग की अपील भी की।

जिस पर पत्रकारों के सहमत हो जाने के कारण गतिरोध तत्काल समाप्त हो गया। अखबार के ब्यूरो चीफ धर्मवीर कुमावत ने बताया कि इस दौरान वरिष्ठ पत्रकार दिनेश मोरीजावाला, अनिल कौशिक, डॉ.राकेश शर्मा, रमाकान्त शर्मा, अमित यादव, पुरूषोत्तम भारद्वाज, गिरिराज नायक, दिनेश सिंह राठौड़, शिवकुमार गुप्ता, अनिल शरण बंसल, विकास वर्मा, रामप्रकाश बंसल, विक्रांत शर्मा, बुद्धिप्रकाश सैनी, रमेश मुन्ना, मुनेश सैनी, मुकेश शर्मा,अनिल शर्मा, राजकुमार शर्मा, बालकृष्ण शुक्ला, दीपक भारद्वाज, सीताराम गुप्ता, अमित बिदाणी, मयंक शर्मा सहित अन्य मौजूद रहे।

पायलट का कोटपूतली में हुआ स्वागत

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

कोटपूतली। कस्बे के निकटवर्ती बानसूर क्षेत्र के ग्राम मुंगलपुर में शहीद हँसराज गुर्जर की मूर्ति अनावरण समारोह में भाग लेने के लिए जाते वक्त प्रदेश के पूर्व डिप्टी सीएम एवं पीसीसी अध्यक्ष सचिन पायलट का क्षेत्र में जगह-जगह भव्य ऐतिहासिक स्वागत एवं अभिनन्दन किया गया।

पायलट के दौरे को लेकर कोटपूतली क्षेत्र में अपार जोश,उत्साह व उल्लास का माहौल नजर आया।कस्बे के पूतली कट पर युवा कांग्रेस प्रदेश सचिव प्रदीप गुर्जर के नेतृत्व में हजारों की संख्या में ग्रामीणों व कार्यकर्ताओं ने पायलट का स्वागत किया।इस मौके पर पायलट का 51 किलो की माला पहनाकर स्वागत किया गया।इस दौरान आयोजित समारोह को सम्बोधित करते हुए पायलट ने अभुतपूर्व स्वागत के लिए आयोजक प्रदीप गुर्जर सहित ग्रामीणों का आभार व्यक्त किया।वहीं उन्होंने अपने संदेश में आमजन व कांग्रेस कार्यकर्ताओं को गरीब को गणेश मानकर सेवा करने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि कोटपूतली उनका अपना क्षेत्र है।यहाँ के लोगों का प्यार उनकी ताकत भी है। इस दौरान लालचंद कसाना, सेडुराम कसाना, सरपंच लीलाराम कसाना, सुरेश निमोर, लक्ष्मण रावत, सुमन खेड़ा, पार्षद तारा पूतली, सतीश छावड़ी समेत अन्य मौजुद थे। इसी प्रकार गोपालपुरा मोड़ पर कांग्रेस नेता छीत्तर रावत के नेतृत्व में हुए स्वागत समारोह में भी कार्यकर्ताओं की भीड़ उमड़ी। जहाँ पूर्व विधायक रामचन्द्र रावत, युवा कांग्रेस विधानसभा क्षेत्र अध्यक्ष राकेश रावत व सरपंच संघ के पूर्व अध्यक्ष पुष्कर रावत समेत बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ताओं व ग्रामीणों ने पायलट का स्वागत किया। इसी प्रकार कस्बे के बानसूर रोड़ स्थित पूर्वा सिनेमा मोड़ पर भी पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष सांवत गुर्जर के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने पायलट का 51 किलो की माला पहनाकर जोरदार स्वागत व अभिनन्दन किया। अखबार के ब्यूरो चीफ धर्मवीर कुमावत ने बताया कि इस दौरान पूर्व सरपंच रामेश्वर रावत, किसान कांग्रेस के बाबूलाल कसाना सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस पदाधिकारी, कार्यकर्ता व ग्रामीण मौजूद रहे। बानसूर रोड़ स्थित जय दुर्गे धर्म कांटे के पास भी पूर्व पार्षद हरदान पायला, मुरली पायला, प्रकाश पायला, राजवीर पायला, सुभाष पायला, रामसिंह आर्य मैनेजर, नेतराम आर्य, महावीर, कुलदीप शर्मा, प्रवीण कुमार आदि के द्वारा स्वागत किया गया। पायलट के स्वागत को लेकर कोटपूतली के मुख्य मार्गो पर लोगों की भारी भीड़ नजर आई। उनके साथ आये विराटनगर विधायक इन्द्राज गुर्जर, बांदीकुई विधायक जी.आर. खटाना, चाकसू विधायक वेदप्रकाश सोलंकी का भी स्वागत किया गया।

चंडीगढ़ नगर निगम चुनाव में आम आदमी पार्टी की विजय का मनाया जशन

चोमू @ जागरूक जनता। आम आदमी पार्टी विधानसभा क्षेत्र चोमू के विधायक प्रत्याशी रहे एडवोकेट पवन कुमार प्रजापति ने बताया कि चंडीगढ़ नगर निगम चुनाव में भाजपा को करारी शिकस्त देते हुए पहली बार मे ही सबसे बड़ी पार्टी बनकर आम आदमी पार्टी उभरी है जिससे साफ जाहिर है कि अब पंजाब के अंदर आम आदमी पार्टी निश्चित रूप से सरकार बनाएगी जिस प्रकार से चंडीगढ़ में 35 में से 14 सीट जीतकर आम आदमी पार्टी अपना बोर्ड बनाएगी यह अरविंद केजरीवाल जी की स्वच्छ और इमानदारी से काम करने की राजनीति से ही संभव हो पाया है जिस प्रकार से आम आदमी पार्टी हर राज्य के अंदर अपना परचम लहरा रही है निश्चित रूप से आने वाले आगामी वर्ष में 5 राज्यों में होने वाले चुनाव में भी आम आदमी अब पार्टी अपनी सरकार बनाएगी देश के अंदर भारतीय जनता पार्टी की नीतियों से हर भारतवासी दूखी व परेशान हो चुका है अब देश के सामने एक उम्मीद की किरण आम आदमी पार्टी ही बची है चंडीगढ़ में नगर निगम चुनाव में आप पार्टी का परचम लहराने से विधानसभा क्षेत्र चोमू में कार्यकर्ताओं ने एक दूसरे को जीत कीबधाई दी है और आगामी वर्ष में निश्चित रूप से आम आदमी पार्टी कई राज्य में सरकार बनाएगी।

बालिकाओं को राज्य सरकार की योजना के तहत निःशुल्क साईकिल का हुआ वितरण

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

कोटपूतली। राज्य सरकार द्वारा बालिका शिक्षा को प्रोत्साहन देने के लिए बेटी बचाओ,बेटी पढ़ाओ अभियान के अन्तर्गत कक्षा 9 में प्रवेश करने वाली छात्राओं को निःशुल्क साईकिलों का वितरण किया गया।इस दौरान घर से विद्यालय आने-जाने के लिए निःशुल्क साईकिल पाकर बेटियों के चेहरे पर मुस्कान नजर आई।वहीं उनके चेहरे भी खिले हुए नजर आये। ऐसे लग रहा था कि मानो जैसे विद्यालय में कोई उत्सव है।बेटियों के बीच उत्साह का माहौल क्षेत्र में जगह-जगह नजर आया।यही नहीं बड़ी बहनों को साईकिल पाते देख उच्च प्राथमिक कक्षाओं में अध्ययनरत छोटी बालिकायें भी अध्यापकों के समक्ष पहुँची उन्होंने कहा-सर हमें भी साईकिल दिलवा दो।जिस पर अध्यापकों ने बेटियों को 9 वीं कक्षा में पहुँचने पर साईकिल देने की बात कही।कस्बे के निकटवर्ती ग्राम बीठलोदा स्थित राजकीय माध्यमिक विद्यालय में माडुराम सरपंच, संजय आर्य,गोकुल चंद गुर्जर, लीलाराम चौधरी व अशोक कुमार आदि के द्वारा बेटियों को साईकिलों का वितरण किया गया।इसी प्रकार ग्राम पनियाला स्थित राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में 35 बालिकाओं को सरपंच लक्ष्मण रावत के मुख्य आतिथ्य में साईकिलें बांटी गई।इस दौरान प्रधानाचार्य किशोरी लाल वर्मा, उप सरपंच रामकिशोर, छीत्तरमल मुकदम, हीरालाल पंच, लालाराम नेताजी, एडवोकेट सुशील, वेदप्रकाश ठेकेदार, एडवोकेट अशोक, हेमराज कैप्टन आदि ग्रामीण मौजूद रहे। ग्राम भैंसलाना स्थित राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में सरपंच प्रतिनिधि करण सिंह शेखावत व प्रधानाचार्य पूरण कसाना द्वारा करीब 30 बालिकाओं को निःशुल्क साईकिलें प्रदान की गई। इस दौरान पंसस सुभाष कुमावत, उप सरपंच श्योसहाय मौर्य सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजुद रहे।ग्राम कुजोता स्थित राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में सरपंच प्रतिनिधि नेतराम ताखर व प्रधानाचार्या सरोज कुमारी द्वारा 62 छात्राओं को साईकिलों का वितरण किया गया। इसके साथ ही व्याख्याता सुमन यादव द्वारा 1 से 5 तक की बालिकाओं को कलां किट भी बांटी गई।

अखबार के ब्यूरो चीफ धर्मवीर कुमावत ने बताया कि ग्राम पंचायत शुक्लावास स्थित राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में 45 बालिकाओं को सरपंच सचिन यादव की अध्यक्षता में साईकिल वितरित की गई।वहीं विद्यालय प्रधानाचार्य सुमेलता यादव ने बालिका शिक्षा को प्रोत्साहन देने की बात कही।इस दौरान विद्यालय स्टाफ सज्जन सिंह यादव,रामौतार यादव सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण भी मौजूद रहे।

विभिन्न माँगों को लेकर पावटा तहसीलदार को सौंपा ज्ञापन

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

कोटपूतली। सामाजिक कार्यकर्ता राधेश्याम शुक्लावास के नेतृत्व में ग्रामीणों ने पावटा तहसीलदार को विभिन्न माँगों को लेकर ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में बताया गया कि ग्राम मीरापुर फार्म, द्वारिकपुरा, जीणगौर, बेरीबांध में आबादी व वन विभाग की भूमि के नजदीक चल रहे रोड़ी, डस्ट,बजरी के क्रेशरों से उड़ने वाली मिट्टी से आमजन में दमा, श्वांस, सिलिकोसिस जैसी बीमारियां बढ़ रही हैं। वहीं वन क्षेत्र से जानवर व पक्षी पलायन करने को मजबूर हो रहे हैं।इसके साथ ही खेती की जमीन बर्बाद होने की कगार पर है। जबकि राज्य सरकार के नियमों में ग्रामीण क्षेत्र कि एग्रीकल्चर जमीन को यदि औधौगिक में रुपांतरण कराया जाता है तो उसके नजदीक राजस्व गांवों की बाहरी सीमा से दूरी 1500 मीटर होना अनिवार्य है।इसमें मौका जांच रिपोर्ट में तथ्यों को छुपाकर गलत रिपोर्ट से अधिकांश कन्वर्जन हुए हैं। जिसका खामियाजा आमजन को भुगतना पड़ रहा है।ज्ञापन में यह भी बताया गया है कि सड़क के दोनों ओर रोड़ी व डस्ट बिखरी पड़ी हैं। जिससे वाहन चालक व राहगीर गिरकर चोटिल हो जाते हैं।ज्ञापन में उक्त गांवों में लगे सभी क्रेशरों की दूरी की जांचकर कार्यवाही की माँग की गई है।जिस पर तहसीलदार ने शीघ्र कार्यवाही का आश्वासन दिया।अखबार के ब्यूरो चीफ धर्मवीर कुमावत ने बताया कि ज्ञापन के दौरान पूरण यादव,रामनिवास वर्मा,दलीप सिंह सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

ANCHOR

महाराजा सूरजमल के बलिदान दिवस पर वार्षिक अधिवेशन आयोजित

सौहार्द एवं सद्भावना का उदाहरण दे जाट समाज-मील

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

कोटपूतली। कस्बे के गोपालपुरा रोड़ पर स्थित महाराजा सूरजमल जाट छात्रावास में महान हिन्दू सम्राट महाराजा सूरजमल के 259 वें बलिदान दिवस पर वार्षिक अधिवेशन का आयोजन किया गया।इस मौके पर मुख्य अतिथि राजस्थान जाट महासभा के अध्यक्ष राजाराम मील ने कहा कि लोकतंत्र में सभी समाज बराबर हैं,इसलिए एक-दूसरे समाज के प्रति सद्भावना रखनी चाहिए। वहीं उन्होंने कहा कि सभी समाजों से आपसी सौहार्द के साथ समाज के उत्थान का प्रयास करना ही जाट समाज का उद्देश्य हो,ऐसा उदाहरण प्रस्तुत कर समाज को आगे बढ़ाने का कार्य करें।

उन्होंने मृत्यु भोज को निंदनीय करार देते हुए इसे बंद करने की अपील की।शादियों में शराब एवं डीजे पर प्रतिबंध लगाने का आह्वान किया। शादियों में कपड़ा इत्यादि के व्यर्थ व्यय,मुकदमे में लड़ाई झगड़े को आपसी मध्यस्था से समाज के मुखियाओं की सलाह से निपटाने, शादी में चतुर्थ गोत्र को गौण करने के महत्वपूर्ण प्रस्ताव भी रखे गये।वहीं अलवर जिला प्रमुख बलवीर छिल्कर ने बालिका शिक्षा पर जोर देते हुए दहेज प्रथा को बंद करने का आह्वान किया।उन्होंने कहा कि समाज में दहेज बंद हो जाएगा तो बेटियों की हत्या व प्रताडना जैसी घटनाएं भी कम हो जाएगी।कार्यक्रम की अध्यक्षता सुरेश गिठाला ने की। छात्रावास के अध्यक्ष रोहताश कपूरिया ने स्वागत भाषण दिया। कोषाध्यक्ष लीलाधर लंबोरा ने वार्षिक आय-व्यय का ब्यौरा प्रस्तुत किया। प्रवक्ता एडवोकेट मनोज चौधरी ने जानकारी देते हुए बताया कि इस दौरान महाराजा सूरजमल के बलिदान को याद करते हुए श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया।जिसमें समाज के गणमान्य लोगों ने महाराजा सूरजमल का स्मरण किया तथा उन्हें अजेय योद्धा बताते हुए पुष्पांजलि अर्पित की। एडवोकेट सुरेंद्र चौधरी, जसवंत माठ,सुमेर सिंह दादरवाल, कैलाश चौधरी,राजेंद्र जाखड़ आदि ने मुख्य अतिथि राजाराम मील एवं जिला प्रमुख बलवीर छिल्कर व विशिष्ट अतिथि जगन फोगाट,देवेन्द्र दलाल का माला एवं साफा पहनाकर स्वागत किया।सभा को राजपुताना कॉलेज के निदेशक महेंद्र चौधरी, सरपंच संघ अध्यक्ष बंशीलाल गढ़वाल,मेहर सिंह धनकड़, रोहताश ताखर, राजवीर चौधरी, बंशीलाल गेट आदि ने भी संबोधित किया।वार्षिक अधिवेशन में मुख्य अतिथि राजाराम मील के प्रस्तावों पर समाज के पंच पटेलों के विचार-विमर्श से जाट समाज के युवक-युवतियों के रिश्तो में आ रही अड़चनों को देखते हुए नानी के गोत्र को टालने का फैसला लिया गया, मृत्यु भोज एवं दहेज प्रथा को बंद करने तथा शादियों में फिजूलखर्ची बंद करने का निर्णय भी लिया गया।इसके साथ ही बेटियों की शिक्षा पर जोर देने, आपसी झगड़ों को मध्यस्थता से सुलझाने व सामाजिक सद्भाव कायम रखने की अपील की गई।मुख्य अतिथि राजाराम मील को छात्रावास के छात्रों ने रीट 2021 में 50 हजार पद स्वीकृत करवाने की माँग का ज्ञापन सौंपा।राजाराम मील ने छात्रावास की व्यवस्था एवं छात्रों के अनुशासन की प्रशंसा की।कार्यक्रम का संचालन प्रवक्ता एडवोकेट मनोज चौधरी ने किया।अखबार के ब्यूरो चीफ धर्मवीर कुमावत ने बताया कि इस दौरान सरपंच प्रतिनिधि नेतराम ताखर,मनोज जाट, मुखराम धनकड़, साधुराम, शीशराम जाट, विपिन जाखड़, धर्मेंद्र जाट,सोनू चौधरी, देवकरण मान, राजू धनकड़, श्रीराम पलसानियां, ओमकार, कैलाश चंद, अमित, गजराज, राजेंद्र जाखड़, राजेश जाखड़ सहित बड़ी संख्या में समाज के लोग मौजूद रहे।